हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

Koylanchal samvad news

रांची, बुधवार, 25 मार्च, 2026 वर्ष : 13 अंक : 298 मूल्य : 3 रुपए

www.koylanchalsamvad.com

» कश्मीर की अलगाववादी नेता आसिया अंद्राबी को उम्रकैद की सजा
» अस्तित्व बचाने के लिए तीन बच्चे जरूरीः मोहन भागवत
» ऑस्ट्रेलिया भेजने के नाम पर 7 लाख की ठगी

मिडिल ईस्ट संकट के बीच ट्रंप-मोदी की सीधी बातचीत, होर्मुज की सुरक्षा पर मंथन

शांति-स्थिरता और समुद्री मार्गों की सुरक्षा पर बना साझा रुख

नई दिल्लीः मिडिल ईस्ट में जारी जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बात की. यह जानकारी भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने दी. उन्होंने कहा- राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी की अभी बातचीत हुई. उन्होंने पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की, जिसमें स्ट्रेट ऑफ होर्मुज भी शामिल हैं. 28 फरवरी को जंग शुरू होने के बाद से पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप की यह पहली बातचीत है. वार्ता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक्स पर पोस्ट कर बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति से मीडिल ईस्ट के मौजूदा हालात पर चर्चा हुई.

पीएम मोदी ने कहा- शांति और स्थिरता के प्रयासों में समर्थन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर हुई बातचीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दोनों नेता शांति और स्थिरता बढ़ाने के प्रयासों पर संपर्क में रहने पर सहमत हुए हैं. भारत तनाव कम करने और जल्द से जल्द शांति बहाल करने का समर्थन करता है. बातचीत के बाद पीएम मोदी ने अपने ट्वीट में लिखा...
"मुझे राष्ट्रपति ट्रंप का फोन आया और पश्चिम एशिया की स्थिति पर उपयोगी विचारों का आदान-प्रदान हुआ. भारत तनाव कम करने और जल्द से जल्द शांति बहाल करने का समर्थन करता है. स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का खुला, सुरक्षित और सुलभ रहना पूरी दुनिया के लिए जरूरी है.

ट्रंप ने ईरान के साथ बातचीत का दावा किया

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका-इजराइल और ईरान के साथ चल रहे गतिरोध में संभावित नरमी के संकेत दिए हैं. उन्होंने सोमवार को कहा था कि उनका प्रशासन पहले से ही तेहरान के साथ सार्थक वार्ता में लगा हुआ है. वार्ता के बाद ही अमेरिका अगला कदम उठाएगा. अमेरिका ने ईरान को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खोलने के लिए पहले 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया था इसके बाद इसे बढ़ाकर पांच दिन कर दिया था.

पीएम मोदी ने संवाद के माध्यम से समाधान पर दिया जोर

मंगलवार को संसद में संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिडिल ईस्ट में युद्ध की बजाय बातचीत और कूटनीति के माध्यम से समाधान पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि युद्ध शुरू होने के बाद से उन्होंने पश्चिम एशिया के अधिकांश देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ दो दौर की फोन वार्ता की है. पीएम मोदी ने बताया कि भारत खाड़ी देशों के साथ निरंतर संपर्क में है और ईरान, इजराइल और अमेरिका के साथ भी बातचीत जारी रखी जा रही है. उन्होंने कहा कि कूटनीति के माध्यम से भारत युद्ध की स्थिति में भी अपने जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा है. भारत ने इस मुद्दे को संवाद के जरिए हल करने का विकल्प चुना है.

मिडिल ईस्ट संकट पर सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक, राहुल गांधी नहीं होंगे शामिल

मिडिल ईस्ट जंग के बीच भारत सरकार ने बुधवार को चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई है. पीटीआई के अनुसार बैठक शाम 5 बजे हो सकती है. हालांकि बैठक में लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे.

सर्वदलीय बैठक में शामिल क्यों नहीं होंगे राहुल गांधीः लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि वह सर्वदलीय बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे क्योंकि उनका केरल में एक कार्यक्रम पहले तय है. राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर हमला करते हुए कहा, हमारी विदेश नीति प्रधानमंत्री मोदी की निजी पॉलिसी बन गई है. अब यह एक यूनिवर्सल मजाक जैसा हो गया है. अगर हमारे प्रधानमंत्री कॉम्प्रोमाइज्ड हैं तो फॉरेन पॉलिसी कॉम्प्रोमाइज्ड है. हमारी क्या पोजीशन है? कोई पोजीशन नहीं है लोगों को इसका नुकसान होगा. अभी केवल शुरुआत हुई है. अभी सभी चीजों में परेशानी होगी. अमेरिका और इजराइल जो कहेगा प्रधानमंत्री मोदी वहीं कहेंगे.

विपक्ष ने सर्वदलीय बैठक की मांग कीः विपक्ष ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक की मांग उठाई थी. कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दल पश्चिम एशिया युद्ध और इसके भारत पर प्रभाव को लेकर सरकार से लगातार सवाल कर रहे हैं.

राजद सांसद मीसा भारती ने कहा, अब देखते हैं प्रधानमंत्री सर्वदलीय बैठक में सभी पार्टियों को सारी जानकारी देते हैं या नहीं. बैठक के बाद ही हम अपनी प्रतिक्रिया दे पाएंगे. महिला आरक्षण बिल पर उन्होंने कहा, मैंने सुना है कि यह इस शुक्रवार तक आएगा, मुझे लगता है कि बंगाल चुनाव को देखते हुए यह बिल लाया जा रहा है.

विश्व यक्ष्मा दिवस पर स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूती, 76 चिकित्सा पदाधिकारियों को मिला नियुक्ति पत्र

2030 तक टीबी मुक्त झारखंड का लक्ष्यः मंत्री डॉ. इरफान अंसारी

» 1250 नए डॉक्टरों की होगी बहाली

रांची : राजधानी रांची के नामकुम स्थित आईपीएच सभागार में विश्व यक्ष्मा दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड द्वारा संविदा आधारित चयनित चिकित्सा पदाधिकारियों के बीच नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. इरफान अंसारी रहे। उन्होंने 76 नव-चयनित चिकित्सा पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए कहा कि चिकित्सकों का योगदान समाज में अमूल्य होता है और उनकी सेवाएं जीवनभर याद रखी जाती हैं। उन्होंने राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और भविष्य में बड़े पैमाने पर नियुक्तियां किए जाने का भरोसा दिलाया।

स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए सरकार प्रतिबद्धः अपने संबोधन में डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि झारखंड सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर केवल इलाज करने वाले नहीं, बल्कि समाज में जीवन और आशा का संचार करने वाले स्तंभ हैं। सरकार का लक्ष्य है कि राज्य के अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा पहुंचे, चाहे वह ग्रामीण क्षेत्र हो या दूरस्थ जनजातीय इलाका।

जेपीएससी के माध्यम से 1250 डॉक्टरों की होगी नियुक्तिः स्वास्थ्य मंत्री ने घोषणा की कि शीघ्र ही झारखंड लोक सेवा आयोग के माध्यम से 1250 डॉक्टरों की नियुक्ति की जाएगी। इससे राज्य में लंबे समय से चली आ रही डॉक्टरों की कमी दूर होगी। उन्होंने बताया कि पिछले एक वर्ष में 8 नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की दिशा में कार्य किया गया है, जिससे राज्य का चिकित्सा ढांचा और अधिक मजबूत होगा और स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित डॉक्टर उपलब्ध होंगे।

नव-नियुक्त चिकित्सकों से समर्पण के साथ सेवा करने की अपीलः डॉ. इरफान अंसारी ने नव-नियुक्त चिकित्सकों से अपील की कि वे मरीजों के इलाज के साथ-साथ अस्पतालों में मौजूद व्यवस्थागत कमियों का भी आकलन करें और सरकार को समय-समय पर अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों के सुझावों के आधार पर व्यवस्था में सुधार किए जाएंगे, ताकि आम जनता को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

गंभीर बीमारियों की रोकथाम पर विशेष जोरः मंत्री ने कहा कि सिकल सेल एनीमिया और थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारियों की पहचान के लिए राज्यव्यापी जांच अभियान चलाया जाएगा। साथ ही, स्वास्थ्य सेवाओं के आधुनिकीकरण के लिए एआई और रोबोटिक तकनीक को अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में लागू करने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

2030 तक टीबी मुक्त झारखंड का लक्ष्यः अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि टीबी उन्मूलन के लिए राज्य सरकार व्यापक स्तर पर जांच, जागरूकता और उपचार कार्यक्रम चला रही है। वर्ष 2025 में चले 100 दिवसीय अभियान के दौरान लगभग 9.5 लाख लोगों की टीबी जांच की गई, जो 2024 की तुलना में दोगुनी है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 12 लाख लोगों की जांच का लक्ष्य निर्धारित किया गया है और संसाधनों में वृद्धि कर इसे पूरा किया जाएगा।

टीबी उन्मूलन अभियान को मिलेगी और गतिः राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने बताया कि 24 मार्च 1882 को टीबी के जीवाणु की खोज हुई थी, इसी स्मृति में विश्व टीबी दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि आगामी 100 दिनों में राज्य के सभी जिला अस्पतालों, सीएचसी, पीएचसी और स्वास्थ्य उपकेंद्रों में टीबी स्क्रीनिंग, जांच और उपचार कार्यों को और तेज किया जाएगा। साथ ही, टीबी मरीजों को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि के लंबित भुगतान का भी निपटारा किया जाएगा।

जागरूकता वाहनों को दिखाई गई हरी झंडीः कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य मंत्री द्वारा टीबी उन्मूलन अभियान के तहत राज्य के विभिन्न जिलों में जागरूकता फैलाने के लिए विशेष वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम का समापन राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और 2030 तक टीबी मुक्त झारखंड के लक्ष्य को प्राप्त करने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। कार्यक्रम में डॉ. सिद्धार्थ सान्याल (निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवाएं) सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

झारखंड में पहली बार मेडिकल यूनिवर्सिटी की स्थापना

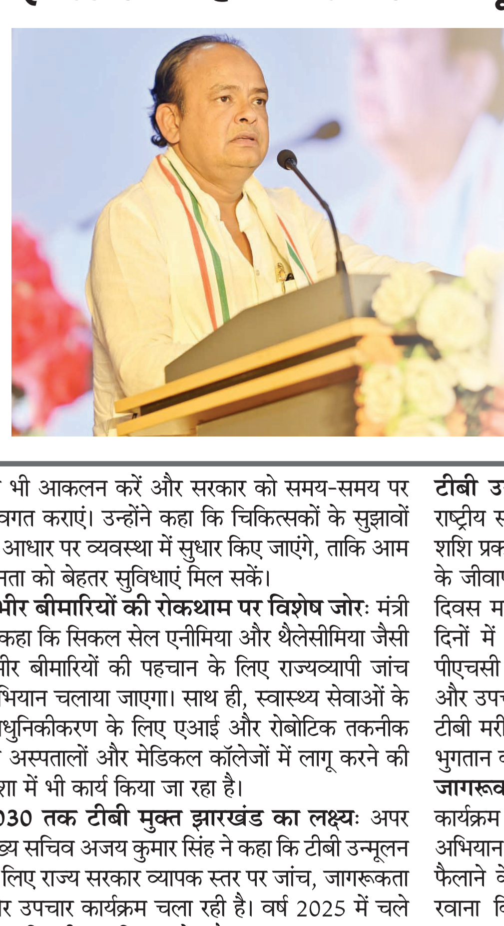

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि झारखंड में पहली बार मेडिकल यूनिवर्सिटी की स्थापना की गई है, जिससे राज्य के छात्र-छात्राएं अब यहीं चिकित्सा शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे और राज्य की सेवा कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि प्रमुख सरकारी अस्पतालों में सीटी स्कैन और एमआरआई जैसी आधुनिक जांच सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में तेजी से कार्य हो रहा है, जिससे मरीजों को अन्य राज्यों में रेफर करने की आवश्यकता कम होगी। इसके अलावा, ब्लड सप्लाई सिस्टम को सुदृढ़ करने के लिए टोल फ्री नंबर के साथ नई व्यवस्था विकसित की जा रही है।

दिल्ली विधानसभा और मेट्रो को बम से उड़ाने की धमकी, मेल में प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह का भी नाम

नई दिल्लीः दिल्ली विधानसभा के स्पीकर विजेंदर गुप्ता को एक धमकी भरा ईमेल मिला है. इसमें कहा गया है कि विधानसभा भवन और दिल्ली विधानसभा मेट्रो स्टेशन को उड़ाया जाएगा. इस मेल में एलजी, पीएम मोदी, अमित शाह, एस. जयशंकर, सीएम रेखा गुप्ता और मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा को भी धमकी दी गई है. सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है.

डिप्टी स्पीकर मोहन सिंह बिष्ट ने कहा कि ऐसे धमकी देने वाले लोग "पागलपन" करते हैं, लेकिन इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता. उन्होंने कहा कि विधानसभा सत्र चल रहा है. इसलिए सुरक्षा कड़ी कर दी जाएगी. साथ ही साफ किया कि हम इन धमकियों से डरने वाले नहीं हैं, सत्र पहले की तरह चलता रहेगा. एक अधिकारी ने बताया कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की ओर से बजट पेश किए जाने से पहले विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिली. ये ईमेल मंगलवार सुबह भेजे गए. एक सुबह 7:49 बजे स्पीकर को और दूसरा 7:28 बजे विधानसभा के आधिकारिक मेल पर.

स्निफर डॉग स्क्वॉड तैनात

न्यूज एजेंसी एएनआई ने खबर दी है कि धमकी मिलने के बाद सुरक्षा कड़ी कर दी गई है. विधानसभा परिसर की जांच के लिए स्निफर डॉग स्क्वॉड तैनात किया गया, ताकि हर कोने की ठीक से जांच हो सके. साथ ही पुलिस और एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि ये धमकी भरे ईमेल आखिर कहां से भेजे गए.

'खीर समारोह' का आयोजन किया गया सोमवार को

इस बीच, दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र की शुरुआत सोमवार (23 मार्च) को पारंपरिक 'खीर समारोह' के साथ हुई. मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस मौके पर 'विकसित दिल्ली, हरित दिल्ली' का विजन दोहराया. उन्होंने कहा कि यह बजट करीब 3 करोड़ दिल्लीवासियों के सपनों को पूरा करने की दिशा में एक अहम कदम साबित होगा.

13 साल बाद टूटीं कोमा की जंजीरें, हरीश राणा ने एम्स में ली आखिरी सांस

नई दिल्लीः भारत में निष्क्रिय इच्छामृत्यु (Passive Euthanasia) की अनुमति पाने वाले पहले व्यक्ति हरीश राणा का मंगलवार को दिल्ली एम्स में निधन हो गया है. वह पिछले 13 साल से अधिक समय से कोमा में थे. हरीश राणा को 14 मार्च को गाजियाबाद स्थित उनके घर से एम्स के डॉ. बीआर आंबेडकर इंस्टीट्यूट रोटरी कैंसर अस्पताल की पैलिएटिव केयर यूनिट में भर्ती कराया गया था. वह साल 2013 से कोमा में थे. इससे तीन दिन पहले 11 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में हरीश राणा के लिए निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी थी.

चौथी मंजिल से गिर गए थे हरीश राणाः हरीश राणा पंजाब यूनिवर्सिटी में बीटेक के छात्र थे. साल 2013 में वह चौथी मंजिल की बालकनी से गिर गए थे, जिससे उनके सिर में गंभीर चोटें आई थीं. इस हादसे के बाद से वह कोमा में थे. बीते 13 वर्षों से उन्हें कृत्रिम पोषण और जरूरत पड़ने पर ऑक्सीजन सपोर्ट दिया जा रहा था. अस्पताल में भर्ती किए जाने के बाद उनकी पोषण संबंधी सहायता को धीरे-धीरे बंद किया गया. सुप्रीम कोर्ट ने एम्स-दिल्ली को निर्देश दिया था कि मरीज की गरिमा और सम्मान का पूरा ध्यान रखते हुए जीवन रक्षक सहायता को चरणबद्ध और सुनियोजित तरीके से हटाया जाए.

विशेष मेडिकल टीम की निगरानी में पूरी हुई प्रक्रियाः भारत में पहली बार निष्क्रिय इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) की प्रक्रिया लागू करने के लिए एम्स-दिल्ली में एक विशेष चिकित्सा टीम का गठन किया गया था. इस टीम का नेतृत्व एनेस्थीसिया और पैलिएटिव मेडिसिन विभाग की प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. सीमा मिश्रा ने किया. इस विशेष टीम में न्यूरोसर्जरी, ऑन्को-एनेस्थीसिया, पैलिएटिव मेडिसिन और मनोचिकित्सा विभागों के डॉक्टरों को शामिल किया गया था. मरीज की स्थिति, गरिमा और कानूनी निर्देशों को ध्यान में रखते हुए पूरी प्रक्रिया को चिकित्सकीय निगरानी में अंजाम दिया गया.

सुप्रीम कोर्ट बोला-महिला अफसर सेना में स्थायी कमीशन की हकदारः इससे इनकार करना भेदभाव था; जिनकी सर्विस खत्म हुई, उन्हें भी पेंशन मिलेगी

नई दिल्लीः आर्मी, नेवी और एयर फोर्स की महिला शॉर्ट सर्विस कमीशन अफसर, जिन्हें परमानेंट कमीशन नहीं मिला अब उन्हें पूरी पेंशन मिलेगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला मंगलवार को सुनाया। कोर्ट ने कहा कि महिला अफसरों को स्थायी कमीशन न देना उनकी योग्यता की कमी नहीं, बल्कि व्यवस्था में मौजूद भेदभाव का नतीजा था। जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस उज्जवल भुईयां और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने कहा- अब यह माना जाएगा कि इन महिला अफसरों ने पेंशन के लिए जरूरी 20 साल की सर्विस पूरी कर ली है, भले ही उन्हें पहले ही सेवा से हटा दिया गया हो।

दरअसल, कोर्ट का यह फैसला सुचेता एडन समेत अन्य महिला अफसरों की याचिकाओं पर आया, जिनमें केंद्र की परमानेंट कमीशन से जुड़ी 2019 की पॉलिसी और आर्म्ड फोर्सेस ट्रिब्यूनल के फैसलों को चुनौती दी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने 3 राहत दीं...

- जिन एसएससी अफसरों को 2020-21 में नंबर 5 सेलेक्शन बोर्ड या एएफटी (ट्रिब्यूनल) के फैसले के आधार पर पहले ही स्थायी कमीशन (पीसी) मिल चुका है, उनका स्टेटस नहीं बदला जाएगा।
- जो महिला एसएससी अफसर (अपीलकर्ता) इस केस के दौरान सेवा से बाहर हो गईं, उन्हें मान लिया जाएगा कि उन्होंने 20 साल की जरूरी सेवा पूरी कर ली है। उन्हें पेंशन और उससे जुड़े सभी लाभ मिलेंगे, लेकिन पिछला वेतन (एरियर) नहीं मिलेगा।
- वर्तमान में जो महिला अफसर सेवा में हैं, उन्हें 60% कटऑफ पूरा करने पर परमानेंट कमीशन मिलेगा। बशर्ते उन्हें जरूरी मंजूरी मिली हो।

यह आदेश उन महिला अधिकारियों पर लागू नहीं होगा जो जेएजी (जज एडवोकेट जनरल) और एईसी (एजुकेशन कॉर्प्स) में हैं, क्योंकि उन्हें 2010 से ही स्थायी कमीशन के लिए विचार का मौका मिलता रहा है।

सीजेआई ने आर्मी, नेवी और एयर फोर्स के लिए कहा

आर्मीः क्या एसीआर यानी परफॉर्मेंस रिपोर्ट सही तरीके से बनी? हमने पाया है कि एसीआर इस सोच के साथ लिखे गए कि महिलाओं को आगे मौका नहीं मिलेगा। इससे महिला अफसरों की मेरिट पर असर पड़ा, पुरुष अधिकारियों से पीछे रहीं। महिलाओं को जरूरी ट्रेनिंग भी नहीं दी गई। यह उनके करियर के खिलाफ गया। आर्टिकल 142 के तहत 'पूर्ण न्याय' के लिए आदेश दे रहे हैं।

नेवीः एसीआर में यहां भी पूर्वाग्रह मिला। लेकिन 'डायनेमिक वैकेंसी मॉडल' सही और गैर-भेदभावपूर्ण है। अधिकारियों को मूल्यांकन का पूरा मापदंड नहीं बताया गया, यह बड़ी कमी।

एयर फोर्सः न्यूनतम प्रदर्शन मानदंड जल्दबाजी में लागू किए गए। 2007 बैच को 2020-21 में आंका गया, यह प्रक्रिया ठीक नहीं। प्रक्रिया में खामियां होने के बावजूद कोर्ट ने पुनर्नियुक्ति का आदेश दिया।

कोर्ट के फैसले पर किसने क्या कहा...

सीनियर एडवोकेट वी. मोहना ने कहा कि सेना में शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी) में महिला अफसरों को स्थायी कमीशन देने का मामले में यह बड़ा कदम है। सीनियर एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी ने कहा इस फैसले के लिए कोर्ट का धन्यवाद है। एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि कोर्ट के इस फैसले पर हम भी आभारी हैं।

असम में भाजपा का चुनावी अभियानः सरकार ने 9 अप्रैल को छुट्टी घोषित की

तमिलनाडु प्री-पोल सर्वे में स्टालिन सरकार की वापसी

नई दिल्लीः 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव के ऐलान के साथ ही यहां सभी राजनैतिक दल प्रचार अभियान में जुट गए हैं। भारतीय जनता पार्टी आज से असम में अपना अभियान शुरू कर रही है। वहीं, असम सरकार ने 9 अप्रैल को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है, क्योंकि उस दिन वोटिंग होनी है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव को लेकर अग्नी न्यूज सर्विस ने सोमवार को प्री-पोल सर्वे जारी किया। इसमें फिर से डीएमके सरकार बनने का दावा किया गया है। सर्वे के अनुसार, डीएमके गठबंधन 44.9% वोट शेयर के साथ 234 में से 180 सीटें जीत सकता है। विपक्षी एआईएडीएमके गठबंधन को 54 सीटें मिलने का अनुमान है। इसका वोट शेयर करीब 38.5% बताया गया है। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) को 9.7% वोट शेयर मिल सकता है। सर्वे में कहा गया है कि टीवीके चीफ पेरम्बूर सीट से चुनाव हार सकते हैं।

मौजूदा मुख्यमंत्री एमके स्टालिन का मुख्यमंत्री पद के लिए सबसे ज्यादा प्रभाव है। सर्वे में शामिल 60% से ज्यादा महिलाएं 5000 सहायता योजना के कारण डीएमके को समर्थन दे सकती हैं। एएनएस का यह सर्वे 7 फरवरी से 12 मार्च के बीच किया गया। इसमें कुल 1,01,643 लोगों ने अपनी राय दी। इससे पहले एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले एनडीए ने सोमवार को सीट बंटवारा फाइनल किया। इसके तहत एआईएडीएमके 178 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। भाजपा को 27 सीटें मिली हैं।

संक्षिप्त खबरें...

धनबाद में किन्नरों ने रखा छठ व्रत, अस्ताचलगामी सूर्य को दिया अर्घ्य

धनबादः जिले में लोक आस्था का महापर्व चैती छठ धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस वर्ष किन्नर समुदाय ने भी इस पर्व में विशेष रूप से भाग लिया है। विभा किन्नर , काजल किन्नर सहित कई किन्नरों ने पूर्ण श्रद्धा के साथ निर्जला व्रत रखा और घाटों पर पूजा-अर्चना की। चैती छठ महापर्व के तीसरे दिन धनबाद के न्यू मटकुरिया रेलवे कॉलोनी में बने कृत्रिम छठ घाट पर किन्नर समाज ने अत्यंत श्रद्धा और भक्ति के साथ अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। निर्जला व्रत रखकर नाच-गाकर उन्होंने समाज में सुख-समृद्धि, समानता और शांति के लिए भगवान भास्कर से कामना की। किन्नर समाज से विभा और काजल किन्नर पुरे श्रद्धा भाव के साथ छठ कर रही हैं। उन्होंने कहा कि छठी मईया से धनबाद की खुशहाली की कामना करती हैं ।कल सुबह उदयगामी सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार, समाज और लोककल्याण की कामना की जाएगी। इसके साथ ही 36 घंटे का निर्जला व्रत सम्पन्न हो जायेगा। न्यू मटकुरिया रेल कॉलोनी छठ घाट में मौजूद रेखा किन्नर एवं निर्मल किन्नर ने सभी जजमानों एवं समस्त धनबाद वासियो को छठ पर्व की बधाई देते हुए खुशहाली की कामना की।

शराब के नशे में हाईवा चालक की ग्रामीणों ने की पिटाई, चालक घायल

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : बी मोड़–विश्रामपुर मुख्य पथ पर बरवाडीह के पास मंगलवार को एक हाईवा चालक को ग्रामीणों ने पकड़ कर पिटाई कर दी। बताया जा रहा है कि चालक शराब के नशे में धुत होकर अनियंत्रित तरीके से हाईवा चला रहा था, जिससे सड़क पर चल रहे लोगों की जान जोखिम में पड़ गई थी। स्थानीय ग्रामीणों ने जब चालक की हरकत देखी तो उसे रोकने का प्रयास किया। इस दौरान चालक की लापरवाही से आक्रोशित ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया और जमकर पिटाई कर दी। घटना की सूचना मिलते ही रेहला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और चालक को ग्रामीणों के चंगुल से छुड़ाया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए चालक को अपने कब्जे में लिया और इलाज के लिए विश्रामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा, जहां उसका उपचार चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार चालक को प्राथमिक उपचार दिया जा रहा है और उसकी स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। इधर, खबर लिखे जाने तक हाईवा चालक की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस चालक की पहचान करने में जुटी हुई है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि वह किस कंपनी या व्यक्ति के अधीन वाहन चला रहा था।

रामनवमी पूजा समिति द्वारा बस स्टेंड हनुमान मंदिर परिसर से निकला मंगलवारी जुलूस, विभिन्न अखाड़ा के लोग शामिल

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : विश्रामपुर रामनवमी पूजा समिति द्वारा मंगलवार को पहला मंगलवारी जुलूस निकाला गया। जुलूस की शुरुआत स्थानीय बस स्टेंड स्थित हनुमान मंदिर परिसर से हुआ। जो थाना मोड़,गांधी चौक,बाजार,पंचमुखी मंदिर होते हुये नगर भ्रमण के बाद वापस बस स्टैंड हनुमान मंदिर पहुंचा। जहां जुलूस की समापन की गयी। जुलूस में बाजे-गाजे एवं महावीरी झंडों के साथ विभिन्न अखाड़ों के लोग मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम और उनके अनन्य भक्त वीर हनुमान की जय जयकार करते चल रहे थे। मंगलवारी जुलूस के दौरान विधि व्यवस्था के लिए विश्रामपुर पुलिस जुलूस की निगरानी करती रही। वही पुलिस जवान भी जुलूस के साथ-साथ चल रहे थे।

दुमका में चैती छठ पूजा के अवसर पर राजद द्वारा छठ घाट की सफाई कर सामाजिक दायित्व का किया निर्वहन

दुमका। मंगलवार को लोक आस्था के महापर्व चैती छठ पूजा के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की ओर से मंगलवार सुबह खुटा बाँध छठ घाट पर व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। यह अभियान जिलाध्यक्ष डॉ. अमरेन्द्र कुमार यादव के नेतृत्व में सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए संपन्न हुआ।सफाई अभियान में नगर अध्यक्ष अविनाश कुमार सिंह 'चंचल', माणिक पंडित, बैकुण्ठ शर्मा, सुबोध यादव, उपेंद्र मंडल, शेष कुमार, पंकज यादव एवं बालमुकुंद रॉय ने सक्रिय भूमिका निभाई और अपना महत्वपूर्ण सहयोग दिया।इस अवसर पर वार्ड पार्षद पति शैलेश गुप्ता भी अपने सफाई कर्मियों के साथ मौके पर मौजूद रहे और सफाई कार्य में भाग लिया।राजद जिलाध्यक्ष डॉ. अमरेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि छठ पूजा हमारी आस्था और संस्कृति का महत्वपूर्ण पर्व है। घाटों की स्वच्छता बनाए रखना हम सभी का सामाजिक दायित्व है, ताकि श्रद्धालु स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण में पूजा-अर्चना कर सकें।उन्होंने आम लोगों से भी अपील की कि वे साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें और प्रशासन के साथ मिलकर पर्व को सफल बनाएं।

मंगला जुलूस में शामिल लोगों की पुलिस के साथ झड़प, पुलिस अधिकारी समेत आधा दर्जन लोग घायल

बरकट्ठा(हजारीबाग)। हजारीबाग जिले के बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लेवडा जमुआ में मंगला जुलूस में शामिल लोगों की पुलिस के साथ झड़प हो गई। जिसमें पुलिस अधिकारी समेत आधा दर्जन लोग घायल हो गये।जानकारी हो कि तुईयो गांव से रामभक्तों ने मंगला जुलूस निकाला था। जुलूस तुईयो, कपका, बुचई गांव होते हुए लेवडा गांव की ओर जा रही थी। मौके पर उपस्थित बरकट्ठा पुलिस ने रामभक्तों को लेवडा गांव की ओर जाने की परमीशन नहीं होने को लेकर जुलूस को लौटने के लिए कहा. जिसके पश्चात जुलूस में शामिल महिलाओं के द्वारा पुलिस को हटाते हुए आगे बढ़ने की कोशिश की जाने लगी. मौके पर उपस्थित बीडीओ रोशमा डुंगडुंग, अंचलाधिकारी नवीन भूषण कुल्लू, पुलिस इंस्पेक्टर इमदाद अंसारी और बरकट्ठा थाना प्रभारी पंकज सिंदुरीया ने लोगों को काफी समझाने का प्रयास किया. जब लोग नहीं माने तो पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करते हुए लाठी चार्ज कर लोगों को खदेड़ना शुरू कर दिया. इससे उपस्थित महिला-पुरुष उग्र हो गये और पुलिस पर पथराव करना शुरू कर दिया।इस दौरान महिला पुलिस के नहीं रहने के कारण पुलिस को थोड़ा पिछे हटना पड़ा।सूचना मिलने पर बरही एसडीओ जोहन टुडू, बरही एसडीपीओ अजीत कुमार बिमल ने पुलिस बल के घटना स्थल पर पहुंचकर मौके पर जमा भीड़ को खदेड़ना शुरू कर दिया. समाचार लिखे जाने तक पुलिस प्रशासन घटना स्थल पर जमें हुए हैं।

इस पथराव और लाठी चार्ज में इंस्पेक्टर इमदाद अंसारी, बरकट्ठा थाना प्रभारी पंकज सिंदुरीया एवं कुछ पुलिस हल्का चोटिल हुए. वहीं इस लाठीचार्ज और पथराव में ग्राम तुईयो निवासी शांति देवी, रेणु देवी, कलावती देवी, मलवा देवी, ग्राम जमुआ निवासी बानो खातून, मो मसूर आलम, मो खलील गंभीर रूप से घायल हो गये. मौके पर कलावती देवी, मलवा देवी ने बताया कि पथराव में मेरे पैर जख्मी हो गया जिससे हम लोग चलने में असमर्थ हो गई जिसके बाद पुलिस बल के जवानों ने हमलोगों को लाठी से मार कर घायल कर दिया. वहीं उपस्थित लोगों ने बताया कि पुलिस के द्वारा मौके पर हवाई फायरिंग भी की गई।

एसडीपीओ नें क्या कहा

इस बाबत पुलिस एसडीपीओ अजीत कुमार बिमल ने कहा कि पुलिस के द्वारा भीड़ को हटाने के लिए हल्का बल प्रयोग किया। वहां पर पुलिस के द्वारा महिलाओं के साथ मारपीट नहीं किया है बल्कि भागने के दौरान वह लोग गीर कर घायल हो गई. डीएसपी ने कहा कि पुलिस के द्वारा हवाई फायरिंग भी नहीं किया है लोगों के द्वारा अफवाह फैलाया जा रहा है. एसडीओ जोहन टुडू ने कहा कि यहां पर स्थिति पुरी तरह नियंत्रण में है. उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि हमलोगों को किसी की त्योहार मनाने से कोई दिक्कत नहीं है लेकिन कुछ असमाजिक तत्वों के द्वारा इस तरह की घटनाओं को अंजाम दिया गया है. उन्हें चिंहित कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विधायक नें क्या कहा

इस मामले को लेकर विधायक अमित कुमार यादव ने कहा कि झारखंड सरकार हिन्दू विरोधी सरकार बन कर रह गई है. इस सरकार में हिन्दूओं को त्योंहारों में पुलिस प्रशासन की सामना करना पड़ता है।हम लोगों को लगता है कि इस सरकार में हिन्दूओं को धर्म बदलकर बंगलादेश चल जाना पड़ेगा. उन्होंने बताया कि तुइयो गांव में हमेशा पीडब्ल्यूडी रोड में मंगला जुलूस निकलता रहा है. पिछले दिनों गांव वालों ने उपायुक्त हजारीबाग और पुलिस अधीक्षक हजारीबाग को बरही में जाकर पत्र सौंपा इसके बाद भी पुलिस ने मंगला जुलूस को रोक दिया। इससे साफ जाहिर होता है कि झारखंड सरकार पुरी तरह हिन्दूओं को त्योंहार मनाने देना नहीं चाहती. उन्होंने बताया कि अगर पुलिस को यह सूचना थी कि इस जुलूस में महिला पुरुष आएंगे तो महिला पुलिस नहीं रखना एक गंभीर विषय है। इस घटना में जिस तरह पुलिस ने महिलाओं को बर्बरता पूर्वक मारा है वह बहुत ही गंभीर विषय है।

माले अंचल सचिव नें क्या कहा

इस बाबत माले अंचल सचिव शेर मोहम्मद ने कहा कि यह पुरी तरह पुलिस की नकामी को दर्शाता है। अगर समय रहते पुलिस सतर्क रहती तो इतनी बड़ी घटना नही होती. इस तरह के मामले की सूचना मिलने के बाद भी पुलिस महिला पुलिस को नही रखा. उप प्रमुख प्रतिनिधि उतीम महतो ने कहा कि 2024 तक गांव का मंगला जुलूस लेवडा गांव स्थित मेन रोड़ से जाता रहा है. वर्ष 2025 में पुलिस के द्वारा उक्त जुलूस को रोक दिया गया. पुलिस के द्वारा कहा गया कि अगले बार आप लोग पहले ही लिखकर दे दिजिएगा उसके बाद परमीशन मिल जाएगा. इस बार गांव वालों ने दो महीने पहले ही लिखकर दिया लेकिन पुलिस प्रशासन के द्वारा परमिशन नहीं दिया गया. मंगला जुलूस लेवडा गांव के पहले ही लौट जाता लेकिन नासमझी में कुछ महिला आगे बढ़ गई जिससे वहां घटना घट गई।

झारखंड विधानसभा की सामान्य प्रयोजन समिति का हजारीबाग दौरा, विकास योजनाओं की किया समीक्षा

हज़ारीबाग। झारखंड विधानसभा की सामान्य प्रयोजन समिति ने मंगलवार को हजारीबाग जिले का दौरा किया। इस अवसर पर समिति द्वारा परिसदन भवन में विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर जिले में संचालित जन-कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के सभापति सत्येंद्र नाथ तिवारी ने की। बैठक में समिति के सदस्य मंगल कालिंदी एवं रोशन लाल चौधरी भी उपस्थित रहे।बैठक के दौरान समिति ने विभिन्न विभागों द्वारा क्रियान्वित योजनाओं की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्माणाधीन योजनाओं में आ रही समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। इस क्रम में विधायक फंड, एनटीपीसी से संबंधित मुआवजा भुगतान, डीएमएफटी एवं सीएसआर मद से संचालित योजनाएं, ग्रामीण एवं शहरी जलापूर्ति योजनाओं की प्रगति की विशेष रूप से समीक्षा की गई।समिति द्वारा एनटीपीसी के संबंधित अधिकारियों को मुआवजा भुगतान से संबंधित अद्यतन रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। साथ ही अवैध बालू खनन पर रोक लगाने हेतु आवश्यक उपायों पर विचार-विमर्श किया गया।बैठक में उपरोक्त के अलावे उपविकास आयुक्त रिया सिंह, अपर समाहर्ता संतोष सिंह, डीआरडीए निदेशक मां देवप्रिया,भू अर्जन पदाधिकारी निर्भय कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी बैद्यनाथ कामती,जिला आपूर्ति पदाधिकारी मुरली यादव,जिला योजना पदाधिकारी पंकज तिवारी, सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

उत्पाद विभाग की बड़ी कार्रवाई, लगभग 2 टन जावा महुआ को किया गया नष्ट

हज़ारीबाग। रामनवमी पर्व के मद्देनज़र जिले में विधि-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने तथा अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह के निर्देशानुसार सघन कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सहायक आयुक्त उत्पाद, हजारीबाग के निर्देशन में चौपारण थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम असनाचूवा एवं गोरमोरवा में अवैध महुआ चुलाई शराब के विरुद्ध छापेमारी अभियान चलाया गया।छापेमारी के दौरान तीन अलग-अलग स्थानों पर संचालित अवैध शराब भट्ठियों का भंडाफोड़ किया गया। घटनास्थल एवं आसपास छिपाकर रखे गए लगभग 2200 किलोग्राम जावा महुआ (किन्वयन योग्य) को विनष्ट किया गया। साथ ही शराब निर्माण में प्रयुक्त सामग्री, बर्तन आदि जब्त किए गए एवं लगभग 130 लीटर अवैध चुलाई शराब भी बरामद की गई।इस मामले में संलिप्त अभियुक्तों की पहचान की जा रही है तथा सभी के विरुद्ध सुसंगत धाराओं के तहत फरार अभियोग दर्ज किया जा रहा है।इस छापेमारी अभियान में अवर निरीक्षक उत्पाद श्री सुमितेश कुमार, सहायक अवर निरीक्षक एंटोनि बागे, उत्पाद आरक्षी श्री अनूप कुमार सिंह एवं सशस्त्र गृह रक्षा वाहिनी के जवान शामिल थे।जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं परिवहन के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

रामनवमी पर्व को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित

दुमकाः रामनवमी पर्व के शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण आयोजन को सुनिश्चित करने हेतु इंडोर स्टेडियम में उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, अखाड़ा समिति के प्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।बैठक में जानकारी दी गई कि जिले के सभी थानों में शांति समिति की बैठकें संपन्न कर ली गई हैं जिसमें जिला स्तर से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया हैं। प्रशासन द्वारा विधि-व्यवस्था संधारण एवं पर्व के सफल आयोजन के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं।उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने कहा कि जिले में आपसी भाईचारा, शांति और सौहार्द की परंपरा निरंतर बनी रहे, इसके लिए हम सभी का सहयोग और सजग सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ड्यूटी में तैनात दंडाधिकारी जुलूसों पर सतत निगरानी रखेंगे। सभी जुलूसों की निगरानी ड्रोन कैमरों के माध्यम से की जाएगी ।उपायुक्त ने निर्देश दिया कि डीजे के उपयोग एवं झंडों के आकार को लेकर सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अखाड़ा समितियां अनिवार्य रूप से पालन करें। उन्होंने सभी से अपील किया कि रामनवमी का पर्व हर्षोल्लास, शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं।उन्होंने कहा कि सभी जुलूसों में दंडाधिकारी एवं पर्याप्त पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की जाएगी। अखाड़ा समितियों से प्रशासन को अपेक्षित सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया गया। जुलूस मार्गों का पूर्व सत्यापन करते हुए निर्धारित मार्ग पर ही जुलूस निकालने का निर्देश दिया गया।बैठक में विभिन्न विभागों को भी आवश्यक निर्देश दिए गए। विद्युत विभाग को जुलूस मार्गों पर सभी बिजली तारों की जांच सुनिश्चित करने को कहा गया। नगर परिषद को पेयजल की समुचित व्यवस्था, साफ-सफाई बनाए रखने तथा भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया। स्वास्थ्य विभाग को सभी महत्वपूर्ण स्थलों पर मेडिकल टीम की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने एवं अलर्ट मोड में रहने को कहा गया। अग्निशमन विभाग को भी अपने वाहनों को एक्टिव मोड में रखने का निर्देश दिया गया।उपायुक्त ने कहा कि सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की गई। आम नागरिकों से अपील की गई कि वे किसी भी प्रकार की समस्या या सूचना कंट्रोल रूम के माध्यम से जिला प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं।पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार ने कहा कि 27 मार्च को तथा कुछ स्थानों पर 28 मार्च को भी जुलूस निकाले जाने की सूचना है। उन्होंने सभी लोगों से शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से जुलूस निकालने की अपील की।

शिव घाट पर पर चैती छठ व्रत का हुआ आयोजन, भव्य गंगा आरती

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : विश्रामपुर नगर परिषद मुख्यालय स्थित शिव छठ घाट पर लोक आस्था का महापर्व चैती छठ व्रत का आयोजन मंगलवार को हुआ। जहां संध्या में भव्य गंगा आरती का भी आयोजन किया गया। जहां मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी शामिल हुए। तथा गंगा आरती भी किया। व्रतधारियों के लिए पूरे विधि-व्यवस्था का आयोजन छठ पूजा समिति द्वारा किया गया। चार दिनों तक चलने वाले आस्था व शुद्धता का महापर्व चैती छठ विश्रामपुर नगर परिषद मुख्यालय में पूरे श्रद्धा के साथ हुआ। शिव छठ घाट पर व्रतधारी पहुंचे व पूरी श्रद्धा के साथ चैती छठ महापर्व का व्रत रखा। छठ महापर्व नहाया खाय के साथ शुरू हुआ जो खरना,संध्या अर्ध्य व सूर्य अर्ध्य के साथ संपन्न होगा। व्रतधारी पूरे श्रद्धा के साथ अस्ताचलगामी सूर्य को अर्ध्य समर्पित किया। वही उदयाचलगामी सूर्य को अर्ध्य के बाद पारण करेंगी। वही संध्या में भव्य भक्ति जागरण का भी आयोजन हुआ। जागरण कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी व सामाजिक सेवा समिति अध्यक्ष संजय पांडेय ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। भक्ति जागरण में भोजपुरी के कलाकारों ने एक से बढ़ कर एक भक्ति गीत व छठ गीत प्रस्तुत कर लोगो का मन मोह लिया।

धनबाद में चला मेगा वाहन जांच अभियान, 423 वाहनों की जांच , 200 पर सख्त कार्रवाई

धनबादः जिले में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने और सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को एक व्यापक विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। यह अभियान एसएसपी , प्रभात कुमार के निर्देश पर ट्रैफिक डीएसपी , अरविन्द कुमार सिंह के नेतृत्व में शहर के विभिन्न प्रमुख चौक-चौराहों और व्यस्त मार्गों पर एक साथ संचालित किया गया।

इस अभियान के दौरान यातायात पुलिस ने पूरी सख्ती के साथ कुल 623 वाहनों की जांच की, जिसमें नियमों का उल्लंघन करने वाले 200 वाहन चालकों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई की गई। जांच अभियान के दौरान पुलिस टीम पूरी तरह मुस्तैद दिखी और हर आने-जाने वाले वाहन की बारीकी से जांच की गई।

इस विशेष अभियान में सबसे अधिक ध्यान फैंसी नंबर प्लेट वाले वाहनों पर दिया गया। जांच के दौरान 125 ऐसे वाहनों को चिन्हित किया गया, जिन पर नियमों के विरुद्ध डिजाइनर या अवैध नंबर प्लेट लगी हुई थी। इन सभी के खिलाफ मौके पर ही चालान काटा गया और उन्हें तुरंत सही नंबर प्लेट लगाने की सख्त हिदायत दी गई।

इसके साथ ही दोपहिया वाहनों पर हेलमेट जांच को लेकर भी सख्ती दिखाई गई। सिर्फ चालक ही नहीं बल्कि पीछे बैठे यात्रियों के लिए भी हेलमेट अनिवार्य किया गया है। कई स्थानों पर ऐसे लोग पकड़े गए जो बिना हेलमेट यात्रा कर रहे थे, जिनके खिलाफ जुर्माना लगाया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए यह नियम सख्ती से लागू किया जा रहा है।

चारपहिया वाहनों में काला शीशा ब्लैक फिल्म, लगाने वालों के खिलाफ भी अभियान के दौरान कार्रवाई की गई। पुलिस ने ऐसे वाहनों को रोककर मौके पर ही कार्रवाई की और वाहन मालिकों को नियमों का पालन करने की चेतावनी दी। इसके अलावा सभी वाहनों के आवश्यक दस्तावेज, जैसे ड्राइविंग लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन, इंश्योरेंस और प्रदूषण प्रमाण पत्र की भी जांच की गई। जिन चालकों के पास कागजात अधूरे या अनुपस्थित पाए गए, उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की गई। ट्रैफिक डीएसपी , अरविन्द कुमार सिंह ने बताया कि यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि सभी वाहन चालक अपनी सुरक्षा और दूसरों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नियमों का पालन करें। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य है, वहीं दोपहिया वाहन पर सवार दोनों व्यक्तियों के लिए हेलमेट पहनना जरूरी है। साथ ही फैंसी नंबर प्लेट और काले शीशे का प्रयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित है।

चिरकुंडा : श्रद्धालु भक्तों ने भगवान सूर्य को किया अर्घ्य अर्पित

चिरकुंडा, धनबादः चैती छठ महापर्व का तीसरा दिन है, जिसे संध्या अर्घ्य के रूप में मनाया जाता है। चिरकुंडा तालडांगा हाउसिंग कॉलोनी का मोर्डन तालाब जिसमें प्रत्येक वर्ष के भांति इस वर्ष भी चैती छठ पूजा मनाया जा रहा है।

जिला मत्स्य कार्यालय, खूँटी।

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण की सूचना 2026–27

निदेशक मत्स्य झारखण्ड, राँची के पत्रांक 366 दिनांक 17/03/2026 के आलोक में मत्स्य स्पॉन उत्पादकों/हैचरी संचालकों को सूचित किया जाता है कि तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना के अन्तर्गत पूर्व वर्षों की भांति निबंधित एवं प्रशिक्षित मत्स्य बीज उत्पादकों को मेजर कार्प (रेहु, कतला, मृगल, ग्रास कार्प, कॉमन कार्प) एवं जलाशय के छाड़न में उपरोक्त वर्णित अण्ड बीज (स्पॉन) की आपूर्ति वित्तीय वर्ष 2026–27 के अन्तर्गत किया जाना है। खूँटी जिला में मत्स्य स्पॉन की आपूर्ति हेतु मत्स्य स्पॉन उत्पादकों/हैचरी संचालकों से मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है।

1. विज्ञापनदाता का नाम :– जिला मत्स्य पदाधिकारी, खूँटी।
2. अग्रधन राशि– 50,000/– (पचास हजार) रुपये मात्र का जिला मत्स्य पदाधिकारी, खूँटी के पदनाम से खूँटी में भुगतेय डिमांड ड्राफ्ट।
3. निविदा जमा करने की तिथि एवं समय–दिनांक 01/04/2026 पूर्वाह्न 11.00 बजे तक।
4. निविदा जमा करने का स्थान– जिला मत्स्य कार्यालय, खूँटी।
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय– दिनांक 01/04/2026 अपराह्न 12.30 बजे।
6. निविदा खोलने का स्थान– कार्यालय, उप विकास आयुक्त, खूँटी।
7. निविदा खोलने की विस्तृत शर्तें कार्यालय के सूचना पटट् पर एवं खूँटी के NIC वेबसाईट www.khunti.nic.in पर देखा जा सकता है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी,
खूँटी।

PR 375954 (Fish) 25-26 (D)

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली पब्लिक स्कूल, रांची में वार्षिक समारोह सह ओरिएंटेशन कार्यक्रम का भव्य आयोजन

रांची : दिल्ली पब्लिक स्कूल, रांची के परिसर द्वारा विवेकानंद सभागार में वार्षिक समारोह सह ओरिएंटेशन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। "मैजिकल बबल्स – छोटे बत्तखों से सुंदर हंस तक" थीम पर आधारित इस कार्यक्रम के माध्यम से नन्हे विद्यार्थियों की सीख और विकास यात्रा का सुंदर उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रांची की पंचायती राज निदेशक राजेश्वरी बी रहीं। उन्होंने विद्यालय पत्रिका डिप्स टाइम का विमोचन किया और अपने संबोधन में समग्र शिक्षा, चरित्र निर्माण, अनुशासन और सामाजिक चेतना के महत्व पर जोर दिया। प्राचार्य डॉ. जया चौहान ने अभिभावकों का स्वागत करते हुए विद्यालय और घर के बीच सहयोग को शिक्षा की मजबूत नींव बताया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। नर्सरी बच्चों की नृत्य नाटिका विशेष आकर्षण रही। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

बैंक ऑफ इंडिया, टाटीसिलवे शाखा द्वारा 32 लाख का जीवन बीमा मृत्यु दावा का किया गया निपटान

संवाददाता रांची : अंचल के अंतर्गत बैंक ऑफ इंडिया की टाटीसिलवे शाखा में आज एक महत्वपूर्ण मृत्यु दावा सफलतापूर्वक लाभुक को हस्तांतरित किया गया। इस अवसर पर उप आंचलिक प्रबंधक बनिता महापात्रा, मुख्य प्रबंधक अनुराग वर्मा, शाखा प्रबंधक अजय कुमार, टेरिटरी मैनेजर (सुड लाइफ) शुभम राम एवं क्षेत्रीय प्रमुख (सुड लाइफ) पी. कुमार उपस्थित रहे। बैंक के ग्राहक स्वर्गीय अमित मुंडा ने वर्ष 2024 में सुड लाइफ की जीवन बीमा पॉलिसी ली थी। वर्ष 2026 में उनके आकस्मिक निधन के उपरांत, सुड लाइफ द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए नामिती श्रीमती ज्योति देवी को 30 लाख का मृत्यु दावा भुगतान किया गया। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री जन धन योजना के अंतर्गत 2 लाख की राशि भी प्रदान की गई। कुल 32 लाख की यह आर्थिक सहायता शोकाकुल परिवार के लिए अत्यंत सहायक सिद्ध होगी तथा उनकी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बैंक ऑफ इंडिया एवं सुड लाइफ अपने ग्राहकों की सुरक्षा और कठिन समय में उनके परिवारों के साथ मजबूती से खड़े रहने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध हैं।

नीतीश निर्विरोध चुने गए अध्यक्ष, खीरू ने दी बधाई

संवाददाता रांची: बिहार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पुनः जदयू के अध्यक्ष चुने गए। उनका निर्वाचन निर्विरोध हुआ। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद खीरू महतो ने नीतीश कुमार को बधाई दी है साथ ही उन्हें नए कार्यकाल की शुभकामनाएँ दी। खीरू महतो ने कहा की नीतीश कुमार के नेतृत्व में जदयू का विस्तार राष्ट्रीय फलक पर तय है, पहले की तुलना में नीतीश कुमार संगठन को अब अधिक समय देंगे। वहीं विधायक सरयू राय ने कहा की नीतीश कुमार एक कुशल और श्रेष्ठ नेतृवकर्ता हैं। उन्हें बहुत बहुत बधाई। नीतीश कुमार को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर पूर्व मंत्री राजा पीटर, पूर्व मंत्री सुधा चौधरी, पूर्व विधायक कामेश्वर दास, प्रदेश जदयू नेता आफ़ताब जमिल, श्रवण कुमार, भगवान सिंह, सागर कुमार, धर्मेंद्र सिंह, पी एन सिंह, पिंटू सिंह, रेणु गोपीनाथ, उपेंद्र सिंह, मनोज सिन्हा, अखिलेश राय, त्रिवेणी वर्मा, सुयश पांडे, अजय सोनी, सोमेन दत्ता, आशा शर्मा, रत्ना शर्मा, निर्मल सिंह, शिवानी लता, महेश्वर चौधरी, रामजी प्रसाद एवं अन्य ने उन्हें बधाई दी।

गुरुजनों का गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का परिणाम ही छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन हैः अविनाश गौरव

संवाददाता रांची: डीएवी शिक्षादीप विद्यालय के सभी शाखाओं(जयप्रकाश नगर रातु रोड,हेहल एवं कमड़े)में शैक्षणिक सत्र 2026-27 का शुभारंभ 25 मार्च को एक साथ हो गई। मौके पर विद्यालय के निदेशक शिवनंदन पाठक,संस्थापिका नीलम देवी,संरक्षक ब्रजेश कुमार पाठक एवं छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा(अतिथि)की ओर से बीते शैक्षणिक सत्र में उत्कृष्ठ प्रर्दशन करने वाले छात्र जो 98% अंक लाकर विद्यालय का नाम गौरांवित किया है एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने वाले गुरुजनों को बधाई देकर हौसला बढ़ाई गई।स्वागत संदेश में प्रबंधन कमिटी के अविनाश गौरव ने कहा आगामी सत्र 2026-27 में विद्यालय मे छात्रों के सर्वांगीण विकास को ध्यान को रखते हुए आधुनिक तकनीकी शिक्षा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लैब एवं कंपोजिट लैब आदि आदि की स्थापना की जा रही है जिससे उन्हें आधुनिक और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हो सके।पी.आर.ओ.कुणाल कौशल ने सभी अभिभावकों एवं विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे नए सत्र मे उपस्थित होकर अपने शैक्षणिक जीवन की नई पहल की शुरुआत करें।

मोटापा किडनी के लिए गंभीर खतराः डॉ. रोहित कौशल

रांची : किडनी हमारे शरीर के अत्यंत महत्वपूर्ण अंग हैं, जो खून से अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालने, अतिरिक्त तरल को संतुलित करने और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने का कार्य करती हैं। लेकिन बदलती जीवनशैली और बढ़ता मोटापा किडनी स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, साकेत के यूरोलॉजी एवं किडनी ट्रांसप्लांट विभाग के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. रोहित कौशल ने बताया कि मोटापे के कारण किडनी को सामान्य से अधिक मात्रा में खून फिल्टर करना पड़ता है। इस स्थिति को हाइपरफिल्ट्रेशन कहा जाता है, जिससे किडनी पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है और समय के साथ उनके टिश्यू क्षतिग्रस्त हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि अनहेल्दी खानपान, शारीरिक गतिविधि की कमी और लंबे समय तक बैठकर काम करने की आदतें मोटापे को बढ़ावा दे रही हैं।

झारखंड चैम्बर की कार्यकारिणी बैठक में अहम मुद्दों पर मंथन

इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर को भव्य बनाने, साइबर ठगी और शहरी समस्याओं पर हुई विस्तृत चर्चा

संवाददाता रांची: फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के वर्तमान सत्र की कार्यकारिणी समिति की सातवीं बैठक आज चैंबर भवन में अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। उन्होंने 26 मार्च से 6 अप्रैल तक मोराबादी मैदान में आयोजित होनेवाले इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर में शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की। महासचिव रोहित अग्रवाल ने इस आयोजन को भव्य बनाने में सहयोग के लिए झारखण्ड सरकार के प्रति आभार जताया। यह कहा कि शहरवासियों की मांग पर चैम्बर द्वारा लगातार इस फेयर का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष इसे और भी भव्य रूप दिया जायेगा।

साहेबगंज में हाल ही में एक व्यापारी के साथ हुई साइबर ठगी की घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए संताल परगना प्रमंडल के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष संजय अग्रवाल ने पुलिस प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए अध्यक्ष ने आश्वस्त किया कि वे जल्द ही डीजीपी से मिलकर इस विषय को उनके संज्ञान में लाएंगे। राज्य में रेल कनेक्टिविटी बढ़ाने के सुझाव पर चैम्बर अध्यक्ष ने बताया कि आगामी माह माननीय रेल मंत्री से मिलकर चैंबर द्वारा सुझाव प्रस्तुत किए जाएंगे। भूमि सुधार से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करते हुए सदस्यों द्वारा कहा गया कि गैर-मजरूआ भूमि संबंधी व्यवस्था बहाल करने के माननीय उच्च न्यायालय के आदेश का अब तक अनुपालन नहीं हुआ है।

राज्य में औद्योगिकीकरण को गति देने हेतु सरकार से यह मांग की गई कि जब तक नई औद्योगिक नीति अधिसूचित नहीं हो जाती, तब तक मौजूदा नीति को उसके वर्तमान स्वरूप में ही आगे बढाया जाय। इससे चल रही परियोजनाओं में किसी भी प्रकार की बाधा से बचने में मदद मिलेगी।

बैठक में साउथ छोटानागपुर प्रमंडल के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमेश कुमार चीनी को गुमला नगर परिषद का उपाध्यक्ष निर्वाचित होने पर कार्यकारिणी समिति द्वारा उनका अभिनंदन किया गया। रमेश कुमार ने गुमला में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। साथ ही उन्होंने पिछले पांच माह से गुमला में ब्लड बैंक बंद रहने पर चिंता व्यक्त की, जिस पर अध्यक्ष ने संबंधित विभागीय सचिव से मिलकर इसे शीघ्र चालू कराने का आश्वासन दिया।

नगर निगम द्वारा हाल के दिनों में कुछ कॉमर्शियल अपार्टमेंट्स को एसेसमेंट के नाम पर चिन्हित कर कथित रूप से किए जा रहे भयादोहन के मुद्दे को कार्यकारिणी सदस्य तुलसी पटेल ने उठाया। इस पर महासचिव रोहित अग्रवाल ने महापौर के संज्ञान में इस विषय को लाने की बात कही। यह भी कहा कि नगर निगम बोर्ड में फेडरेशन चैंबर के दो प्रतिनिधियों का मनोनयन सुनिश्चित कराने हेतु प्रयास किया जाएगा। कार्यकारिणी सदस्य विकास विजयवर्गीय ने बिहार की तर्ज पर झारखण्ड में सोलर पावर को बढ़ावा देने का सुझाव दिया। यह कहा कि यदि नेट मीटरिंग की प्रक्रिया को सरल बनाया जाय तो इस क्षेत्र में बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

चैम्बर उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया और राम बांगड़ ने संयुक्त रूप से उप समितियों की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान सत्र में अब तक कुल 124 बैठकों का आयोजन किया जा चुका है। उन्होंने भविष्य में इन गतिविधियों को और बढ़ाने की बात कही। यह भी बताया कि चैंबर द्वारा आयोजित बिजनेस एक्सचेंज मीटिंग के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं तथा इससे सदस्य लाभान्वित हो रहे हैं। सह सचिव नवजोत अलंग एवं रोहित पोद्दार ने चैंबर की सदस्यता हेतु प्राप्त नए आवेदनों को प्रस्तुत किया, जिन्हें स्वीकृति प्रदान की गई। सदस्यों ने ट्रांसपोर्ट नगर के अब तक चालू नहीं होने पर चिंता व्यक्त की। पूर्व अध्यक्ष पवन शर्मा ने कहा कि आवंटन प्रक्रिया को लेकर स्पष्टता का अभाव है। इस पर अध्यक्ष ने संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर शीघ्र कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

बैठक में चैम्बर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, राम बांगड़, महासचिव रोहित अग्रवाल, सह सचिव नवजोत अलग, सह सचिव रोहित पोद्दार, कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष संजय अग्रवाल, रमेश कुमार, कार्यकारिणी सदस्य अमित शर्मा, आस्था किरण, डॉ. अभिषेक रामाधीन, ज्योति कुमारी, मनीष सराफ, मुकेश अग्रवाल, पूजा ढाढा, शैलेश अग्रवाल, तुलसी पटेल, विकास विजयवर्गीय, विनीता सिंघानिया, पूर्व अध्यक्ष ललित केडिया, रंजीत टिबड़ेवाल, पवन शर्मा, किशोर मंत्री, उप समिति चेयरमैन किशन अग्रवाल, शशांक भरद्वाज, माला कुजूर, महेंद्र जैन, तेजविंदर सिंह, रामशंकर बगड़िया, सुबोध चौधरी, डॉ अनल सिन्हा, श्री कृष्ण अग्रवाल, नेहा पटवारी, अमित अग्रवाल उपस्थित थे।

रांची के पिठौरिया में बिजली ग्रिड से 1000 किलो कॉपर कॉइल चोरी, पुलिस जांच में जुटी

रांची: राजधानी रांची के पिठौरिया थाना क्षेत्र में स्थित कान्दू इलाके के बिजली ग्रिड को चोरों ने निशाना बनाते हुए एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। मंगलवार तड़के करीब तीन बजे अज्ञात चोर ग्रिड परिसर में घुस गए और वहां से लगभग एक हजार किलोग्राम कॉपर कॉइल चोरी कर फरार हो गए।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) अमर कुमार पांडे, इंस्पेक्टर असित मोदी और थाना प्रभारी सतीश पांडे मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया।

पुलिस ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी है और आसपास के क्षेत्रों में छानबीन की जा रही है। साथ ही चोरों के सुराग के लिए डॉग स्क्वायड की भी मदद ली जा रही है। प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि चोरी की घटना को योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दिया गया है, क्योंकि इतनी बड़ी मात्रा में कॉपर कॉइल को ले जाना आसान नहीं है।

डीएसपी अमर कुमार पांडे ने बताया कि पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है और जल्द ही इस घटना में शामिल अपराधियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

रांची में 28 मार्च को मनेगा नीलाम्बर पीताम्बर का शहादत दिवस

रांची : खरवार भोगता समाज विकास संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को मोरहाबादी स्थित नीलाम्बर पीताम्बर पार्क में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष दर्शन गंझू ने की, जबकि संचालन केंद्रीय प्रवक्ता देवनारायण गंझू ने किया। बैठक में आगामी 28 मार्च को रांची में आयोजित होने वाले अमर शहीद नीलाम्बर पीताम्बर के शहादत दिवस कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

केंद्रीय अध्यक्ष दर्शन गंझू ने बताया कि 28 मार्च को मोरहाबादी में शहादत दिवस के अवसर पर पूरे झारखंड से खरवार भोगता समाज के लाखों लोग जुटेंगे। पारंपरिक वेशभूषा में ढोल-नगाड़े और मांदर की थाप के साथ विशाल महाजुटान होगा। उन्होंने सभी जिला समितियों के पदाधिकारियों को अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

कार्यक्रम में कई मंत्री और आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों के भी शामिल होने की संभावना है। बैठक में समाज के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

श्री श्री विश्वविद्यालय में मूल्य वर्धित मधुमक्खी उत्पादों पर क्षमता संवर्धन कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता कटक / रांची: ओडिशा के कटकस्थित श्री श्री विश्वविद्यालय में मूल्य वर्धित मधुमक्खी उत्पादों पर एक क्षमता संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मधुमक्खी पालकों को पारंपरिक शहद उत्पादन से आगे बढ़कर आय के नए स्रोत विकसित करने के लिए प्रशिक्षित करना था। यह आयोजन 'फेस्टिवल ऑफ इंस्पिरेशन' के तहत किया गया, जो आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के 45 वर्ष पूर्ण होने तथा गुरुदेव श्री श्री रविशंकर के 70वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन कृषि संकाय की सहायक प्राध्यापिका एवं प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. सीमा त्रिपाठी के नेतृत्व में हुआ। उन्होंने प्रतिभागियों को शहद आधारित नवाचारी उत्पादों के निर्माण और विपणन से जुड़ी व्यावहारिक तकनीकों की जानकारी दी। इस प्रशिक्षण में ओडिशा के कटक, खोर्द्धा, ढेंकानाल, मयूरभंज, जगतसिंहपुर और क्योंझर जैसे जिलों से आए मधुमक्खी पालकों और किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी ने मधुमक्खी पालन में मूल्य संवर्धन और उद्यमिता के प्रति बढ़ती रुचि को दर्शाया। कृषि संकायाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) एस. कुमारस्वामी ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि शैक्षणिक संस्थानों और किसानों के बीच सहयोग से नवाचार, स्थिरता और ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा मिल सकता है। कार्यक्रम को डॉ. शुभ्रज्योति पंडा का भी सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण छात्रों और शिक्षकों द्वारा तैयार किए गए मूल्य वर्धित उत्पादों का प्रदर्शन रहा। इनमें हनी ओट्स लड्डू, बीज़वैक्स लिप बाम, हनी साबुन, हनी चिक्की, हनी से भरी चॉकलेट्स और हनी मफिन्स शामिल थे। इन उत्पादों ने न केवल पोषण के दृष्टिकोण से महत्व को दर्शाया, बल्कि बाजार में उनकी संभावनाओं को भी रेखांकित किया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को नवाचारी और बाजार-उन्मुख उत्पादों के माध्यम से आय के स्रोतों में विविधता लाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही, मधुमक्खियों की परागण, जैव विविधता संरक्षण और खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया तथा वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन अपनाने पर जोर दिया गया। कुलपति प्रो. डॉ. तेजप्रताप एवं कार्मिक निदेशक स्वामी सत्यचैतन्य ने भी कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की।

पारस कैंसर सेंटर में एडवांस कैंसर का इलाज कर 67 वर्षीय महिला को मिली नई जिंदगी

रांची : धुर्वा स्थित पारस कैंसर सेंटर में अत्याधुनिक HIPEC तकनीक के माध्यम से एडवांस ओवरी कैंसर से पीड़ित 67 वर्षीय महिला का सफल इलाज कर चिकित्सकों ने बड़ी चिकित्सा उपलब्धि हासिल की है। जटिल सर्जरी और विशेष कीमोथेरेपी के बाद मरीज की हालत में तेजी से सुधार हुआ और ऑपरेशन के मात्र छह दिन बाद उन्हें स्वस्थ अवस्था में अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। सर्जिकल डॉक्टर अभिनव की टीम के अनुसार मरीज गंभीर अवस्था में अस्पताल पहुंची थी। इलाज की शुरुआत तीन चरणों की कीमोथेरेपी से की गई, जिसके बाद साइटोरिडक्टिव सर्जरी और हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी (HIPEC) तकनीक अपनाई गई। इस प्रक्रिया में सर्जरी के दौरान ट्यूमर हटाने के बाद पेट के भीतर गर्म कीमोथेरेपी दवाओं का संचार किया जाता है, जिससे बची हुई कैंसर कोशिकाओं पर सीधा प्रभाव पड़ता है। इस तकनीक से उन्नत ओवरी कैंसर मरीजों को 15–20 प्रतिशत तक अतिरिक्त जीवन लाभ मिल सकता है। पारस हॉस्पिटल के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ. नीतेश कुमार ने कहा कि अब झारखंड में ही विश्वस्तरीय कैंसर उपचार संभव हो गया है, जिससे मरीजों को बड़े महानगरों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

एसबीयू में जलवायु समाधान पर दो दिवसीय क्लाइमाथॉन का समापन

रांची : राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन रणनीतिक ज्ञान मिशन के तहत आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण-सह-क्लाइमाथॉन का समापन सरला बिरला विश्वविद्यालय (एसबीयू) के सिविल एवं पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग में हुआ। इस आयोजन का संचालन सोशल इनिशिएटिव थ्रू डेवलपमेंट एंड ह्यूमैनिटेरियन एक्शन सीधा द्वारा किया गया, जिसमें छात्रों ने झारखंड की प्रमुख जलवायु चुनौतियों के समाधान प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इम्पैक्ट कैनवास प्रतियोगिता में 12 छात्र समूहों ने खाद्य सुरक्षा, जल, अपशिष्ट प्रबंधन, वन, स्वास्थ्य, जेंडर, खनन, ऊर्जा, उद्योग, परिवहन, आपदा प्रबंधन तथा पारंपरिक पारिस्थितिकी ज्ञान जैसे अहम विषयों पर आधारित समाधान और रोडमैप प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों ने पावरपॉइंट, चार्ट एवं ऑडियो-विजुअल माध्यमों से व्यावहारिक और नवाचारी विचार रखे, जिनमें सतत वानिकी, जल संरक्षण और पारंपरिक ज्ञान के समावेशन पर विशेष जोर दिया गया।

प्रतियोगिता का मूल्यांकन एसबीयू के डीन (इंजीनियरिंग) डॉ. पंकज गोस्वामी, डीन (अनुसंधान एवं विकास) डॉ. वी. एन. एल. दुर्गा, विधि विभागाध्यक्ष डॉ. आलोक कुमार एवं सीधा के सचिव श्री हेमंत कुमार ने नवाचार, उपयोगिता और प्रस्तुति के आधार पर किया।

समापन समारोह में एसबीयू के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक, कुलपति प्रो. सी. जगनाथन, कुलसचिव प्रो. श्रीधर डांडिन, डीन (योजना एवं संगठनात्मक विकास) प्रो. विजय कुमार सिंह, विश्वनाथ शाह (निदेशक-सह-सीईओ, झारपार्क्स), रवि रंजन (पीसीसीएफ वाइल्डलाइफ/एपीसीसीएफ कैंपा) सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में प्रो. गोपाल पाठक ने अंतर-सरकारी जलवायु परिवर्तन पैनल (IPCC) के गठन, उद्देश्यों और वैश्विक जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने ग्लोबल वार्मिंग और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए युवाओं से समाधान आधारित सोच अपनाने का आह्वान किया। प्रतियोगिता में टीम फॉरेस्ट को प्रथम, टीम ट्रेडिशनल इकोसिस्टम नॉलेज को द्वितीय तथा टीम वाटर को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। विजेता टीमों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

एसबीयू के प्रतिकुलाधिपति श्री बिजय कुमार दलान एवं राज्यसभा सांसद सह निदेशक (प्लानिंग एंड डेवलपमेंट) डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे जलवायु समाधान की दिशा में एक सार्थक पहल बताया।

राजभाषा हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन को लेकर एकदिवसीय कार्यशाला आयोजित

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के मुख्यालय स्थित सभागार में राजभाषा हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन एवं संवैधानिक प्रावधानों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला सीसीएल के मानव संसाधन विभाग एवं राजभाषा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई, जिसका विषय "राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी नीति" रहा। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि एम. एफ. हक, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि राजभाषा हिंदी का प्रयोग केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि हमारा संवैधानिक दायित्व है। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदी को दैनिक कार्यालयी कार्यों में अपनाकर ही इसे कार्य-संस्कृति का अभिन्न अंग बनाया जा सकता है।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता डॉ. दिविक दिवेश ने प्रतिभागियों को संविधान के अनुच्छेद 343, राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) तथा संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षणों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। उन्होंने तिमाही प्रगति रिपोर्ट को सही ढंग से भरने, तकनीकी एवं विधिक शब्दावली के सरल हिंदी प्रयोग तथा कार्यालयी कार्यों में हिंदी के व्यावहारिक उपयोग पर विस्तार से चर्चा की।

डॉ. दिवेश ने राजभाषा नोडल अधिकारियों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि हिंदी में टिप्पणी (नोटिंग) और आलेखन (ड्राफ्टिंग) को अनिवार्य रूप से अपनाया जाना चाहिए। साथ ही राजभाषा प्रोत्साहन पुरस्कार योजनाओं की जानकारी देकर कर्मचारियों को हिंदी में अधिकाधिक कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यशाला में विभिन्न विभागों के राजभाषा नोडल अधिकारी एवं सहायक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन भविष्य में शत-प्रतिशत राजभाषा अनुपालन के संकल्प के साथ हुआ।

'नवचेतना रथ' पहुंचा उषा मार्टिन यूनिवर्सिटी

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) एवं प्रभात खबर की संयुक्त पहल "नवचेतना–नशा मुक्ति अभियान" के तहत 'नवचेतना रथ' आज उषा मार्टिन यूनिवर्सिटी पहुंचा। अभियान के तहत यूनिवर्सिटी परिसर में नशे के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूकता फैलाई गई और "नशा मुक्त समाज" का संदेश दिया गया।

विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में कुलपति डॉ. मधूलिका कौशिक, रजिस्ट्रार डॉ. शिव प्रताप वर्मा, शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान नशा मुक्ति विषय पर वाद-विवाद, पेंटिंग प्रतियोगिता, शपथ ग्रहण सहित कई रचनात्मक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सीसीएल एवं प्रभात खबर की ओर से पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर सीसीएल के सीसी एवं पीआर विभाग ने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं और उन्हें नशे से दूर रखना सामाजिक जिम्मेदारी है। सीसीएल अपने अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक निलेंदु कुमार सिंह के नेतृत्व में सामाजिक जागरूकता अभियानों के माध्यम से निरंतर सकारात्मक पहल कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बदल दी बंगाल चुनाव की दिशा : डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा

रांची : पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही सियासी माहौल तेजी से बदल रहा है। डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा का मानना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने हालिया संबोधन से बंगाल चुनाव की दिशा तय कर दी है। 14 मार्च 2026 को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित ऐतिहासिक रैली ने राजनीतिक नैरेटिव पूरी तरह बदल दिया। लाखों लोगों की रिकॉर्ड भीड़ ने यह संकेत दे दिया कि बंगाल परिवर्तन के लिए तैयार है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाली भाषा में भाषण की शुरुआत कर 'बाहरी' होने के आरोपों को खारिज किया और बंगाली अस्मिता से सीधा संवाद स्थापित किया। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर भ्रष्टाचार, अपराध, महिलाओं की असुरक्षा, घुसपैठ और विकास रोकने के गंभीर आरोप लगाए। मोदी ने स्पष्ट कहा कि बंगाल 'जंगलराज' से मुक्ति चाहता है और कानून का राज लौटेगा। महिलाओं की सुरक्षा, युवाओं के रोजगार, पलायन, सीएए, वोटर लिस्ट और केंद्रीय योजनाओं में बाधा जैसे मुद्दों को उठाकर उन्होंने भावनात्मक और तथ्यात्मक दोनों स्तरों पर जनता को संबोधित किया। डॉ. वर्मा के अनुसार, यह रैली केवल राजनीतिक सभा नहीं बल्कि 2026 में सत्ता परिवर्तन की स्पष्ट शुरुआत है, जिसने भारतीय जनता पार्टी को निर्णायक बढ़त दिला दी है।

संक्षिप्त खबरें...

सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया

लोहरदगाः लोहरदगा जिला परिवहन पदाधिकारी जया सांखी मुर्मू के द्वारा शहर क्षेत्र में सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान ऑटो सहित सभी प्रकार के वाहनों की जांच की गई, ऑटो चालकों को सख्त निर्देश दिया गया कि वे अपने वाहन का परमिट या टैक्स का बकाया दण्ड शुल्क भुगतान कर अपने कागजात को जल्द से जल्द दुरुस्त करवाले नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों से कुल लगभग 3,45,500 का दण्ड शुल्क की प्राप्ति की गई । यह अभियान सड़क सुरक्षा नियमों के पालन को सुनिश्चित करने एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से चलाया गया।

बारीडीह में 30 मार्च को भव्य हिंदू सम्मेलन, जागरण और एकता पर रहेगा जोर

जमशेदपुर । बारीडीह दुर्गा पूजा मैदान में 30 मार्च को सर्व हिंदू समाज के तत्वावधान में भव्य "हिंदू सम्मेलन" का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य हिंदू समाज में जागरण, एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करना है। सम्मेलन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, धर्मप्रेमी और समाजसेवी भाग लेंगे। कार्यक्रम के दौरान धर्म, संस्कृति और सामाजिक समरसता को मजबूत करने पर चर्चा होगी, साथ ही युवाओं को परंपराओं से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण के रूप में पूज्य महंत श्री श्री 1008 डॉ. देवाचार्य जी महाराज का सान्निध्य एवं आशीर्वचन प्राप्त होगा, जो श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक मार्गदर्शन देंगे। कार्यक्रम के संयोजक अखिलेश चौधरी के अनुसार, सम्मेलन समाज में सकारात्मक बदलाव और भाईचारे को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं और लोगों से इसमें अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की गई है।

साउथ ईस्टर्न रेलवे के कर्मचारियों को अब एक्सएलआरआई के द्वारा ट्रेनिंग मिलेगी

जमशेदपुर । पहली बार, साउथ ईस्टर्न रेलवे (SER) ने कर्मचारियों को स्पेशल ट्रेनिंग देने की पहल की है. साउथ ईस्टर्न रेलवे ने जमशेदपुर में एक्सएलआरआई (Xavier Labour Relations Institute) के साथ एक एग्रीमेंट साइन किया है. दक्षिण पूर्व रेलवे के जीएम ने बताया कि ट्रेनिंग के लिए रेलवे के पुराने स्कूल भवन को सेंटर बनाया गया है. ट्रेनिंग सेंटर मे रेलवे कर्मचारियों को रेल से जुड़ी सभी तकनीक के अलावा अन्य विषयों पर ट्रेनिंग दी जाएगी, जिससे रेल क्षेत्र का बेहतर विकास होगा. इस मौके पर साउथ ईस्टर्न रेलवे के जेनरल मैनेजर अनिल मिश्रा ने टाटानगर में मल्टीडिसिप्लिनरी डिवीजनल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट का उद्घाटन किया. इस दौरान चक्रधरपुर रेलवे डिवीजन के DRM और दूसरे सीनियर अधिकारी भी मौजूद थे .

जमशेदपुर समेत पुरे कोल्हान में छठ व्रतियों ने डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया और सुःख शांति व समृद्धि की कामनाएं की

जमशेदपुर । छठ महापर्व हिंदू धर्म का सबसे कठिन व्रत माना जाता है । इसमें छठ व्रती 36 घंटे का निर्जला व्रत रखती हैं । सूर्य देव और छठी मईया की उपासना से जुड़ा यह आस्था का महापर्व हैं । छठ पूजा साल में दो बार मनाया जाता है । चैत्र महीने में चैती छठ और कार्तिक महीने में कार्तिकी छठ के रूप में इसे मनाया जाता है। इस साल 22 मार्च को नहाय खाय के साथ चैती छठ पूजा की शुरुआत हुई है । चार दिवसीय चैती छठ का मंगलवार के दिन यानी 24 मार्च को तीसरा दिवस है । आज व्रत रखकर व्रतधारी डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया । छठ ऐसा एकमात्र पर्व है , जब डूबते हुए सूर्य को भी अर्घ्य देकर पूजा की जाती है । मंगलवार को छठ व्रती महिलाएं और पुरुष निर्जला व्रत रखकर और कमर तक पानी में डूबकर सूर्य देव को अर्घ्य दिया और परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और संतान के लंबी उम्र की कामना किया।

रामनवमी पर अखाड़ों की भव्य तैयारी, सजे तोरण द्वार और निकली आकर्षक कलश यात्रा

जमशेदपुर । रामनवमी को लेकर शहर में धार्मिक उत्साह चरम पर है। विभिन्न अखाड़ा समितियों द्वारा भव्य सजावट के साथ आकर्षक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। साकची बाल मंदिर अखाड़ा भालूबासा स्थित श्री श्री बजरंग विजय अखाड़ा द्वारा विद्युत तोरण द्वार सजाया गया, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। वहीं सोनारी ललन अखाड़ा द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चियां पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुईं। कलश यात्रा के दौरान भगवान हनुमान की झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही, जिसे देखने के लिए रास्ते भर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। इसके अलावा शहर के अन्य अखाड़ा समितियों द्वारा भी रामनवमी को लेकर साज-सज्जा की गई है और जगह-जगह भव्य झांकियां निकाली जा रही हैं, जिससे पूरे शहर में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है।

छठव्रतियों और पूर्व विधायक ने फीता काटकर किया उद्घाटन

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चौपारण(हजारीबाग): प्रखंड के ग्राम पंचायत दैहर अंतर्गत ग्राम लाल किसुन चक में 15वें वित्त आयोग की राशि से निर्मित छठ घाट का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर छठ व्रती विभा सिंह, पूर्व विधायक अकेला यादव एवं पंचायत के मुखिया भ्रमदेव भुइयां ने संयुक्त रूप से फीता काटकर छठ घाट का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला-पुरुष उपस्थित रहे और छठ घाट के निर्माण पर खुशी जताई। ग्रामीणों ने कहा कि इस घाट के निर्माण से छठ पर्व के दौरान व्रतियों को काफी सुविधा मिलेगी तथा पूजा-अर्चना सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सकेगी। इस अवसर पर पूर्व विधायक अकेला यादव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विकास बेहद आवश्यक है। छठ घाट के निर्माण से श्रद्धालुओं को काफी सहूलियत होगी और पर्व को बेहतर तरीके से मनाया जा सकेगा।

जिला स्तरीय स्वास्थ्य आरोग्य दूत सम्मान समारोह में उत्क्रमित उच्च विद्यालय दैहर की शिक्षिकाएं हुई सम्मानित

कोयलांचल संवाद संवाददाता चौपारण(हजारीबाग): जिला मुख्यालय स्थित नगर भवन में सोमवार को जिला स्तरीय स्वास्थ्य आरोग्य दूत सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों में स्वास्थ्य जागरूकता और जनकल्याण से जुड़े कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उत्क्रमित उच्च विद्यालय दैहर की दो शिक्षिकाओं रजनी रंजन रेशमन और विभा कुमारी को उनके सराहनीय कार्यों के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए वहीं समाजसेवी नागेन्द्र कुमार ने दोनों शिक्षिकाओं को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

रक्तदान सबसे बड़ा दान- डॉ ताराचंद

उपायुक्त ने ब्लड डोनेशन कैंप नियमित आयोजित करने पर दिया जोर, रक्तदाताओं और आरोग्य दूतों को उपायुक्त ने किया सम्मानित

लोहरदगा। विद्यालय स्वास्थ्य एवं कल्याण कार्यक्रम अंतर्गत उत्कृष्ट विद्यालय एवं उसके हेल्थ एण्ड वेलनेस एंबेसडर और रक्तदाताओं को सम्मानित करने हेतु आज सम्मान समारोह का आयोजन समाहरणालय सभाकक्ष में किया गया।

इस कार्यक्रम में संबोधित करते हुए उपायुक्त डॉ ताराचंद ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है क्योंकि यह किसी को जीवन देता है। रक्तदान से किसी प्रकार की कमजोरी नहीं होती है। साथ ही, समय-समय पर लाल रक्त कोशिकाएं और श्वेत रक्त कोशिकाएं स्वयं को रिप्लेस करती रहती हैं। एक स्वस्थ मानव शरीर में 5-6 लीटर रक्त होता है जिसमें एक बार रक्तदान करने पर एक यूनिट में 350 मिली रक्त दान किया जाता है। इसका कोई दुष्प्रभाव हमारे शरीर पर नहीं पड़ता है।

सड़क दुर्घटना में सबसे अधिक आवश्यकता

उपायुक्त ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में रक्त की सबसे अधिक आवश्यकता पड़ती है। इसके बाद प्रसव के समय गर्भवती महिलाओं को और फिर थैलेसीमिया व अन्य मरीजों को रक्त की आवश्यकता पड़ती है। हमें नियमित रूप से रक्तदान शिविर आयोजित करने होंगे जिससे लगातार हमारे पास खून की उपलब्धता रहे।

आज के कार्यक्रम में 35 विद्यालयों के दो-दो स्वास्थ्य आरोग्य दूतों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। वहीं रक्तदान शिविर आयोजन में बेहतर करनेवाले संगठन व संस्था, कई अवसरों पर रक्तदान करनेवाले रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके लिए उपायुक्त की ओर से भी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर डालसा सचिव राजेश कुमार, सिविल सर्जन डॉ राजू कच्छप, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, बड़ी संख्या में रक्तदाता व स्वास्थ्य आरोग्य दूत व अन्य उपस्थित थे।

कस्तूरबा विद्यालय को मिला नया भवन, छह कमरों के निर्माण का हुआ शिलान्यास

ओरमांझी : चुटुपालु पंचायत स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में मंगलवार को विकास की दिशा में अहम कदम उठाया गया। खिजरी विधायक राजेश कच्छप की अनुशंसा पर विद्यालय परिसर में छह कमरों वाले नए भवन के निर्माण का शिलान्यास किया गया।

हालांकि निर्धारित कार्यक्रम में विधायक की उपस्थिति नहीं हो सकी, लेकिन उनके प्रतिनिधि और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फीता काटकर एवं नारियल फोड़कर विधिवत शिलान्यास किया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे। अतिथियों का स्वागत गुलदस्ता एवं माला पहनाकर किया गया।

विद्यालय की प्राचार्य किरण बारला ने नए भवन के लिए विधायक के प्रति आभार जताते हुए कहा कि कक्षाओं की कमी के कारण पढ़ाई में परेशानी हो रही थी, जो अब दूर होगी। उन्होंने विद्यालय में शौचालय की कमी का भी मुद्दा उठाते हुए इसके समाधान की मांग की।

जिला परिषद सदस्य कमिश्नर मुंडा ने कहा कि शिक्षा के मंदिर में बच्चों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए विधायक सदैव चिंतित रहते हैं। उन्होंने कहा कि विधायक ने जो वादा किया था, उसे आज पूरा कर दिखाया है। साथ ही बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने और क्षेत्र का नाम रोशन करने की प्रेरणा दी।

कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष तुलसी खरवार ने विधायक की सराहना करते हुए कहा कि वे अपने वादों को पूरा करने वाले जनप्रतिनिधि हैं। वहीं विधायक प्रतिनिधि हरिमोहन महतो ने बच्चों को बेहतर शिक्षा के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर मुखिया वीरेंद्र मुंडा, मुबारक अंसारी, गोपाल उरांव, पंचायत समिति सदस्य रीना मुंडा, जानकी देवी, सुरेश प्रसाद साहू, बाबूलाल महली, रामटहल महतो , रवि साहू, पूजा कच्छप, शिव प्रसाद साहू, रानी देवी, जूलीता देवी, सोनी देवी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नए भवन के निर्माण से छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलने की उम्मीद है, जिससे उनके शैक्षणिक स्तर में सुधार आएगा।

लालगढ़ पीएम श्री विद्यालय में एफएलएन मेला का आयोजन, मेधावी छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : लालगढ़ पीएम श्री राजकीयकृत मध्य विद्यालय मेंनएफएलएन (फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमरेसी) मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में प्रारंभिक स्तर पर भाषाई व संख्यात्मक दक्षता का विकास करना था। मेले के दौरान एफएलएन किट के माध्यम से विभिन्न स्टॉल लगाए गये,जिसमें बच्चों को खेल-खेल में पढ़ाई के जरिये साक्षरता व गणितीय ज्ञान से अवगत कराया गया। इस अवसर पर बच्चों ने सामाजिक कुरीतियों और बुराइयों के खिलाफ नाटक व रूपक प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। साथ ही भक्ति गीत व आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। इससे पहले कार्यक्रम का उद्घाटन शिक्षाविद् हरिशंकर मिश्रा,प्रधानाध्यापक विनोद पांडेय,बीआरसी अखिलेश दुबे व मनोज पाठक ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता एसएमसी अध्यक्ष ललिता देवी व संचालन सीआरपी किशोर दुबे ने किया। हरिशंकर मिश्र ने विद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुये कहा कि लालगढ़ पीएमश्री जिला का पहला विद्यालय है,जिसने नई शिक्षा नीति के अनुरूप इस तरह का आयोजन कर बच्चों को बेहतर शैक्षणिक माहौल प्रदान करने की दिशा में सराहनीय पहल किया है। उन्होंने बताया कि सरकार का लक्ष्य वर्ष 2026-27 तक कक्षा तीन तक के सभी बच्चों को पूर्ण साक्षरता व संख्यात्मक ज्ञान से सुसज्जित करना है। प्रधानाध्यापक बिनोद कुमार पाण्डेय ने कहा कि विद्यालय का लक्ष्य बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देकर उन्हें आत्मनिर्भर और उज्ज्वल भविष्य के लिये तैयार करना है। उन्होंने बताया कि यहां के विद्यार्थी मुख्यमंत्री स्कॉलरशिप और इंस्पायर अवार्ड जैसी प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नौ छात्र-छात्राओं को अतिथियों द्वारा शील्ड देकर सम्मानित किया गया। मौके पर श्रीकांत ओझा,मंजू देवी,प्रतिमा कुमारी,राजू गुप्ता,अभिमन्यु चौधरी,डेविड सुरीन, मंदीप पासवान,विजय सिंह,पप्पू चौधरी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

चतरा में पीएम श्री योजना के तहत जिला स्तरीय उन्मुखीकरण सह आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता मेला का हुआ आयोजन

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चतराः पीएम श्री योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय उन्मुखीकरण सह आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता मेला का भव्य आयोजन जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय चतरा में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ चतरा उपायुक्त कीर्तिश्री जी एवं उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यालय प्रबंधन समिति का सशक्तिकरण एवं उन्मुखीकरण, सहकर्मी अधिगम को बढ़ावा देना तथा विद्यार्थियों की प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना था।

इस कार्यक्रम में सिमरिया विधायक उज्ज्वल कुमार दास, चतरा विधायक जनार्दन पासवान, सांसद प्रतिनिधि प्रफुल रंजन, विधायक प्रतिनिधि मिथिलेश सिंह, चतरा नगर परिषद अध्यक्ष अताउर रहमान उर्फ बाबू भाई, जिला परिषद उपाध्यक्ष ब्रजकिशोर तिवारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश कुमार मिश्रा, जिला शिक्षा अधीक्षक, एडीपीओ राकेश कुमार पांडे सहित कई गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में 14 पीएम श्री विद्यालयों द्वारा आकर्षक स्टॉल लगाए गए, जिनमें FLN से संबंधित शिक्षण-अधिगम सामग्री का प्रभावी प्रदर्शन किया गया। इन स्टॉलों के माध्यम से विद्यालयों के बीच उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों का आदान-प्रदान हुआ, जिससे नवाचार एवं बेहतर शिक्षण पद्धतियों को बढ़ावा मिला।

इस अवसर पर सी एस ओ पार्टनर उत्सव आनंद ने पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। साथ ही झारखंड शिक्षा परियोजना से जुड़े मनोज कुमार विश्वकर्मा, रोहित कुमार सहित अन्य कर्मियों ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई।

इस कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों ने आयोजन को अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताते हुए भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों के निरंतर आयोजन पर बल दिया।

खेतको में रामनवमी पर्व को लेकर बीडीओ व थाना प्रभारी ने आखाडा एवं रूठ का किया निरीक्षण निरीक्षण

कथाराः पेटरवार प्रखंड के खेतको पंचायत में मंगलवार को रामनवमी त्यौहार को लेकर थाना प्रभारी राजू कुमार मुंडा एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी संतोष महतो की उपस्थिति में आखाडा एवं जुलूस रुठ का निरीक्षण किये।इस मौके पर बीडीओ संतोष महतो ने कहा कि रामनवमी जुलूस समयानुसार निकालने का प्रयास करे साथ ही शांतिपूर्ण जुलूस को घुमावें।वही आगे आदेश देते हुए कहा कि रामनवमी त्यौहार शांति सौहार्द के साथ मनावें।यदि कोई उदण्ड व्यक्ति जुलूस में खलल डालने का प्रयास करता है तो वैसे व्यक्ति चिंहित कर मेरे संज्ञान में दिया जाय जिस पर हमलोग करवाई कर सके। खेतको पंचायत के वासियों ने बताया कि हिन्दू मुस्लिम का गांव है शुरू से हमलोग भाई चारगी बना कर चले है किसी प्रकार जुलूस घुमाने में कोई दिक्कत नही होगा यदि उदंडता करता है तो हमलोग उस व्यक्ति को बकसेगें नही ।ओर उस तरह के उवद्र्व फैलाने वाले व्यक्ति को पकड़े जाने पर कड़ी से कड़ी करवाई करवाने का काम किया जायेगा।

मुडमा में 'मातृशक्ति महावीर मंडल' का गठन, महिलाओं को मिली नई जिम्मेदारी

मांडरः मांडर प्रखंड के मुड़मा गांव स्थित महावीर मंदिर परिसर में मंगलवार को महावीर मंडल मुड़मा के तत्वावधान में (मातृशक्ति) महिला मंडल के गठन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मनोहर साहु ने की, जबकि इसका संचालन एवं मार्गदर्शन अम्बिका प्रसाद साधु ने किया। इस अवसर पर विनोद साधु, संजय साहू एवं राम तिलक साधु सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बैठक में मुड़मा ग्राम के विभिन्न महिला समूहों एवं सनातनी माताओं-बहनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यों को संगठित और प्रभावी ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से महिला मंडल के गठन पर सर्वसम्मति बनी।

बैठक में संगठन का नाम "मातृशक्ति महावीर मंडल मुड़मा" रखा गया तथा पदाधिकारियों का चयन सर्वसम्मति से किया गया। इसमें पूनम देवी को अध्यक्ष, रीना गुप्ता को सचिव एवं बिमला देवी को कोषाध्यक्ष चुना गया।

इसके अलावा इंदू देवी को संरक्षक, शांति देवी को संयोजक, वीणा देवी एवं उषा देवी को सह-संयोजक, सावित्री देवी एवं रीना देवी को उपाध्यक्ष, सोनी देवी एवं धरमी उराइन को उपसचिव, चिन्ता देवी को संगठन सचिव तथा उषा देवी को संगठन प्रभारी के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि इस संगठन के माध्यम से महिलाओं को सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का अवसर मिलेगा और समाज के विकास में उनकी भूमिका और सशक्त होगी।

बनलोटवा में श्री बजरंगबली प्राण प्रतिष्ठा सह उद्घाटन, भक्ति और उत्साह का माहौल

ओरमांझी : प्रखंड के बनलोटवा गांव में मंगलवार को यज्ञ समिति बनलोटवा द्वारा श्री श्री बजरंगबली प्राण प्रतिष्ठा सह उद्घाटन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। धार्मिक अनुष्ठान के दौरान पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद रामटहल चौधरी एवं भाजपा नेत्री आरती कुजूर शामिल हुए। प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ।

इस अवसर पर धार्मिक झांकी भी आकर्षण का केंद्र रही, जिसमें ओरमांझी के उप मुखिया संतोष कुमार ने भगवान शिव का रूप धारण किया, वहीं शांति देवी ने मां दुर्गा और सुनील महतो ने भगवान हनुमान का रूप धारण कर उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में दुर्गा शंकर साहू, राजेश गुप्ता, मुखिया संघ के अध्यक्ष दीपक बड़ाईक, चतुर साहू, राजधानी साहू, मुखिया वीरेंद्र मुंडा, अजय साहू, रणधीर चौधरी, चंद्र मोहन महतो सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को सफल बनाने में मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष रंजीत कुमार, सचिव अशोक महतो, कोषाध्यक्ष प्रेमनाथ भोक्ता, मुख्य संरक्षक पारस महतो, संयोजक शंकर महतो तथा समिति के अध्यक्ष देवदान महतो और सचिव कमलनाथ महतो का सराहनीय योगदान रहा।

पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही और भक्तिमय वातावरण में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

चतरा उपायुक्त ने जनता दरबार में आमजनों की समस्याओं पर की सुनवाई, त्वरित निष्पादन के दिये निर्देश

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चतराः जिला प्रशासन द्वारा आयोजित जनता दरबार में मंगलवार को विभिन्न प्रखंडों से आए आमजनों की समस्याओं की सुनवाई की गई। समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में आयोजित इस कार्यक्रम में लोगों ने अपनी समस्याएं उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी के समक्ष प्रस्तुत कीं।

जनता दरबार के दौरान भूमि विवाद, सड़क निर्माण, कृषि, स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग से संबंधित मामलों सहित अन्य प्रशासनिक विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए। उपायुक्त ने सभी आवेदनों का अवलोकन करते हुए संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजनों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

उपायुक्त ने कहा कि जनता दरबार आम नागरिकों के लिए प्रशासन तक अपनी समस्याएं सीधे पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है, जिससे समस्याओं के त्वरित समाधान के साथ-साथ प्रशासन के प्रति जनविश्वास भी सुदृढ़ होता है।

उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन चतरा द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को पूर्वाह्न 11:30 बजे से अपराह्न 12:30 बजे तक समाहरणालय में नियमित रूप से जनता दरबार का आयोजन किया जाता है।

चतरा उपायुक्त ने समीक्षा बैठक कर सड़क सुरक्षा एवं अवैध खनन पर कड़ी कार्रवाई के दिए निर्देश

जिला मुख्यालय के समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त कीर्तिश्री जी की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति एवं अवैध खनन के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई की विस्तृत समीक्षा की गई।

खनन विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में फरवरी माह तक 71 प्राथमिकी दर्ज करते हुए 152 वाहनों को जप्त किया गया तथा अवैध परिवहन में पकड़े गए 201 वाहनों से 39,13,900 की दंड राशि वसूल की गई है। वहीं, वित्तीय वर्ष 2024-25 में फरवरी माह तक 89 प्राथमिकी दर्ज, 150 वाहन जप्त एवं 186 वाहनों से 30,42,823 की दंड राशि वसूली गई थी।

समीक्षा के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक, चतरा ने पाया कि चालू वर्ष में प्राथमिकी दर्ज करने की गति अपेक्षाकृत धीमी है। इस पर सभी अंचल अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित औचक छापामारी अभियान चलाते हुए अवैध खनन एवं परिवहन के मामलों में सख्ती से प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया गया।

उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं अंचल अधिकारियों को कैटेगरी-1 बालूघाटों से प्राप्त राजस्व की मासिक विवरणी विहित प्रपत्र में अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। जिला खनन पदाधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि खान एवं भूतत्व विभाग, झारखण्ड, रांची द्वारा निर्गत दिशा-निर्देशों के आलोक में संबंधित प्रपत्र उपलब्ध कराए जा चुके हैं, किंतु अब तक कई कार्यालयों से अनुपालन प्रतिवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। इस पर उपायुक्त ने सभी संबंधित कार्यालयों को ससमय प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का कड़ा निर्देश दिया।

संक्षिप्त खबरें...

कटिहार में हाईवा-ट्रैक्टर की जोरदार टक्कर:महिला-पुरुष घायल, हालत गंभीर

कटिहारः कटिहार के कुरसेला थाना क्षेत्र में NH-31 पर एक हाईवा ट्रक और ट्रैक्टर की टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में एक महिला और एक पुरुष घायल हो गए। यह घटना बिषरी स्थान के समीप हुई, जहां तेज रफ्तार हाईवा ट्रक ने ट्रैक्टर को टक्कर मार दी। घायलों की पहचान ट्रैक्टर सवार मुन्नी देवी और भूटान ऋषि के रूप में हुई है। दुर्घटना के तुरंत बाद, दोनों घायलों को समेली स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद, उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। घटना के बाद हाईवा और ट्रैक्टर दोनों के चालक फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

समृद्धि यात्रा : 'अरे बीच में क्या कर रहे हो, सुनो

रोहतास में सभा के दौरान गुस्से में दिखे नीतीश, बोले- सुनोगे तभी ना जानोगे

कैमूर : सीएम नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा कैमूर और रोहतास पहुंची। रोहतास CM ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, पहले की सरकार एकदम फालतू थी। कोई काम नहीं करती थी। पहले की स्थिति डराने वाली थी। लोग शाम में घरों से बाहर नहीं निकलते थे।

वो लोग हिंदू-मुस्लिम झगड़े करवाते थे। पढ़ाई, स्वास्थ्य, सड़कों का बुरा हाल था। बिजली बहुत कम जगहों पर थी। उसने गड़बड़ की, उसके बाद हम लोग आए। हमने विकास के काम किए। अब कोई डर का माहौल नहीं है।

सभी के बीच में एक दूसरे से बात कर रहे लोगों को देख सीएम ने मंच से कहा, अरे बीच में क्यों कर रहे हो। सब आराम से सुनो ना, क्या हो रहा है। सुनोगे तभी ना जानोगे देश में क्या हो रहा है। मैं तब से देख रहा हूं, बीच में कुछ लोग आपस में बातें कर रहे हैं। इससे पहले कैमूर में मंत्री अशोक चौधरी ने कहा, बिहार में आने वाले समय में जो भी सरकार बनेगी वो नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में ही चलेगी।

सम्राट चौधरी ने कहा, कैमूर के पहाड़ों पर हाई सिक्योरिटी जेल बनाएंगे। सबसे खूंखार आतंकवादियों को उसमें बंद करेंगे।

सीएम की स्पीच की बड़ी बातें

»वो हिंदू-मुस्लिम झगड़े करवाते थेः पुरानी सरकार में आए दिन हिंदू-मुस्लिम झगड़े होते थे। हमारी सरकार आई तो हमने तेजी से कब्रिस्तानों की घेराबंदी करवानी शुरू की। झगड़े बंद हुए। इसके बाद कहीं कहीं मंदिरों को लेकर भी विवाद होने लगा। हमने मंदिरों की भी बाउंड्री बनवाई। आज देखिए सब जगह शांति है। पुराने वालों के जैसा झगड़ा झंझट अब कहीं नहीं है।

»स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़कों के लिए काम कियाः 2005 के पहले बिहार में कोई काम नहीं हुआ था। हमारी सरकार आई तो स्वास्थ्य के क्षेत्र में तेजी से काम किया गया। मेडिकल कॉलेज खुलवाए गए। बेड बढ़वाए गए। स्कूलों के लिए काम हुए। शिक्षकों की संख्या बढ़ाई गई। गांवों को सड़कों के जरिए शहरों से जोड़ा गया। पुल-पुलिया का काम करवाया गया। आज देखिए कहीं से कहीं जाने में आपको कितना कम समय लगता है।

»जंगलराज की याद दिलाई, लालू पर हमलाः पहले वाली सरकार को कभी भूलिएगा नहीं। उन लोगों का समय बहुत डराने वाला था। लोग शाम में डर के मारे घरों से नहीं निकलते थे। महिलाएं सुरक्षित नहीं थीं। सब जगह उनके लोगों की पैरवी और सुनवाई होती थी। उन लोगों ने जनता के लिए कुछ नहीं किया सिर्फ अपनों को बढ़ावा दिया।

»मुफ्त बिजली, सोलर लगा रहेः बिहार में पहले बिजली का बहुत बुरा हाल था। आज देखिए हम आपको मुफ्त बिजली दे रहे हैं। गांव-गांव तक बिजली पहुंचा दी गई है। अब आपकी छतों पर सोलर लगा रहे हैं। इसके लिए भी आपको कुछ खर्च नहीं आएगा। सब काम सरकार करवा रही है।

»युवाओं को नौकरी-रोजगार दिएः हमने 50 लाख युवाओं को नौकरी और रोजगार दिया है। आने वाले 5 सालों में हमने 1 करोड़ नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य रखा है। अबकी बार युवाओं को नौकरी-रोजगार का लक्ष्य और बढ़ाएंगे।

»PM मोदी की तारीफ कीः PM मोदी लगातार बिहार आ रहे हैं। सब काम देख रहे हैं। केंद्र सरकार हमारी बहुत मदद कर रही है। आगे भी ये मिलती रहेगी। बिहार में अब विकास ही विकास होगा। पुराने वालों ने कुछ किया था। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सड़क जो भी क्षेत्र हो लगातार काम हो रहे हैं।

बेतिया में 5 घरों पर छापा, 42 गैस सिलेंडर जब्तः

जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम, उपभोक्ताओं को राहत की उम्मीद

बेतियाः बेतिया में एलपीजी गैस की कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। बस स्टैंड के समीप पांच घरों में एक साथ छापेमारी कर 42 छोटे-बड़े गैस सिलेंडर बरामद किए गए, जिन्हें अवैध रूप से जमा कर रखा गया था।

पांच घरों में एक साथ छापेमारी

मिडिल ईस्ट में संभावित युद्ध और गैस आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए प्रशासन पहले से सतर्क था। इसी क्रम में विशेष अभियान चलाकर बस स्टैंड इलाके में पांच घरों को चिन्हित कर एक साथ छापेमारी की गई।

छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में एलपीजी सिलेंडर बरामद हुए, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया।

कालाबाजारी के लिए किया जा रहा था भंडारण

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इन सिलेंडरों का उपयोग कालाबाजारी के लिए किया जा रहा था। प्रशासन ने सभी 42 सिलेंडरों को जब्त कर लिया है और मामले में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

अधिकारियों का कहना है कि आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अधिकारियों की मौजूदगी में कार्रवाई

इस छापेमारी अभियान में रविंद्र कुमार सिन्हा, विकास कुमार और विवेक दीप अपने दल-बल के साथ मौजूद रहे।

पूरी कार्रवाई प्रशासनिक निगरानी में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई गई।

अवैध कारोबारियों में मचा हड़कंप

प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद अवैध गैस कारोबार से जुड़े बिचौलियों में हड़कंप मच गया है। वहीं आम लोगों ने इस कार्रवाई का स्वागत किया है और प्रशासन के प्रति भरोसा जताया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की सख्ती से गैस की कालाबाजारी पर रोक लगेगी और उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी।

'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर काम

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं को समय पर और उचित मूल्य पर गैस उपलब्ध कराना उसकी प्राथमिकता है। इसके लिए लगातार निगरानी और छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।

आगे भी जारी रहेगा अभियान

अधिकारियों ने संकेत दिया है कि इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि गैस आपूर्ति व्यवस्था को बाधित करने या कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कदम उठाए जाएंगे।

उपभोक्ताओं को राहत की उम्मीद

इस कार्रवाई के बाद उपभोक्ताओं को राहत मिलने की उम्मीद जगी है। प्रशासन का मानना है कि लगातार सख्ती से ही बाजार में संतुलन बना रहेगा और जरूरतमंद लोगों तक एलपीजी गैस की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी।

समस्तीपुर में चैती छठ पर उमड़ा जनसैलाब

बूढ़ी गंडक पर व्रतियों ने डूबते हुए सूरज को दिया अर्घ्य; मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस बलों की तैनाती रही

समस्तीपुरः समस्तीपुर में चैती छठ के मौके पर आज शहर के बूढ़ी गंडक नदी किनारे छठ व्रतियों ने डूबते हुए सूरज को अर्घ्य दिया। इस मौके पर बड़ी संख्या में बूढ़ी गंडक नदी के पुरानी दुर्गा स्थान, मारवाड़ी घाट, मगर दही घाट, बहादुरपुर आदि जगहों पर लोग अर्घ्य देने के लिए पहुंचे।

इस दौरान दंड प्रणाम करते हुए भी वर्ती घाटों की ओर आते हुए दिखाई पड़े।

पर्व को देखते हुए अलग-अलग सामाजिक संगठन के साथ ही नगर निगम प्रशासन की ओर से भी घाटों की सफाई कराई गई थी। इसके अलावा नदी की ओर जाने वाले रास्ते को भी साफ कराया गया। यहां बता दें कि समस्तीपुर में चैती छठ भी धूमधाम के साथ मनाया जाता है। जिस कारण नदी किनारे लोगों की भीड़ होती है।

अलग-अलग छठ घाटों पर दिखा आस्था का सैलाब

नदी के साथ ही जिले के ग्रामीण क्षेत्र से भी चैती छठ धूमधाम के साथ मनाए जाने की जानकारी मिल रही है। बूढ़ी गंडक तट के पुरानी दुर्गास्थान घाट के साथ ही आसपास के विभिन्न छठ घाटों पर भी आस्था का सैलाब देखने को मिला।

पुलिस वालों की भी की गई थी तैनाती

घाटों पर जुटने वाली भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से छठ घाटों पर जगह-जगह मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस बलों की भी तैनाती की गई थी।

इधर दरभंगा में चैती छठ की दिखी धूम

दरभंगा में चैत महीने के पावन अवसर पर चैती छठ पर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। आज व्रतियों ने डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर लोक आस्था के इस महापर्व की गरिमा को और बढ़ाया। शहर से लेकर गांव तक छठ घाटों पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा वातावरण छठी मैया के गीतों से गूंज उठा।

शहर के काली मंदिर परिसर स्थित तालाब में छठ पूजा की विशेष धूम देखी गई, जहां बड़ी संख्या में व्रती महिलाएं और पुरुष जल में खड़े होकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दे रहे थे। घाटों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था और साफ-सफाई के साथ सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे। कमतौल थाना क्षेत्र के मधुपुर गांव में भी चैती छठ को लेकर भक्तिमय माहौल देखने को मिला।

सिलेंडर क्राइसिस-12 जिलों में कांग्रेस ने फूंका प्रधानमंत्री का पुतला

पटना : बिहार में गैस क्राइसिस को लेकर मंगलवार को कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। खगड़िया, मुंगेर, समस्तीपुर, दरभंगा, मुजफ्फरपुर और भागलपुर समेत 12 से ज्यादा जिलों में कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे।

समस्तीपुर में महिला कार्यकर्ता हाथ में खाली सिलेंडर लेकर सड़कों पर उतरीं और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। समस्तीपुर, आरा, बेगुसराय और औरंगाबाद में PM मोदी का पुतला फूंका गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे, 'नरेंद्र मोदी शर्म करो', 'सिलेंडर की कालाबाजारी बंद करो।'

गैस सिलेंडर की किल्लत को लेकर मुजफ्फरपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आक्रोश सड़कों पर दिखा। शहर के सरायगंज टावर पर एकत्रित कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के विरोध में जमकर नारेबाजी की और पुतला दहन कर विरोध जताया।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा कि गैस की कमी से आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लंबी लाइनों के बावजूद लोगों को सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। कांग्रेस नेताओं ने सरकार से जल्द व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की।

समस्तीपुर में गैस सिलेंडर की किल्लत और पेट्रोलियम पदार्थों की बढ़ती कीमतों के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को जुलूस निकालकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मोहम्मद अबू तमीम कर रहे थे। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस महिला सेल की कार्यकर्ता खाली गैस सिलेंडर लेकर पहुंचीं। वे सिलेंडर को सिर पर रखकर विरोध प्रदर्शन कर रही थीं।

इंदौर-पटना एक्सप्रेस ट्रेन से कटकर 3 मजदूरों की मौत

बक्सर : उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में गहमर और बारा रेलवे स्टेशन के बीच ट्रेन की चपेट में आने से बिहार के 3 मजदूरों की मौत हो गई। ये मजदूर बक्सर के चौसा थर्मल पावर प्लांट में काम करते थे। घटना रविवार शाम की बताई जा रही है। तीनों मजदूर डाउन लाइन पर चल रहे थे तब यह घटना हुई।

गहमर रेलवे स्टेशन के डिप्टी स्टेशन मास्टर ने पुलिस को मेमो के माध्यम से सूचना दी कि ट्रेन संख्या 19321 इंदौर-पटना एक्सप्रेस डाउन ट्रैक पर 3 व्यक्तियों को रन ओवर कर गई है। सूचना मिलते ही गहमर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और उच्च अधिकारियों के साथ फील्ड यूनिट को सूचित किया। शव के टुकड़े होने के कारण उन्हें कलेक्ट कर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेजा गया।

परिजनों ने बताया कि ये तीनों मजदूर एल एंड टी के अंडर इंसुलर टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के तहत चौसा थर्मल पावर प्लांट में पिछले एक साल से दैनिक मजदूरी पर काम कर रहे थे। उन्हें प्रतिदिन 630 रुपये मजदूरी मिलती थी।

सोमवार शाम को परिजनों के पहुंचने के बाद तीनों मृतकों की पहचान हो सकी। मृतकों में मुजफ्फरपुर का करमा डीह तुर्की निवासी जयनाथ सहनी (33), वैशाली का किशुनपुर टेलोर निवासी पप्पू कुमार (33) और मुजफ्फरपुर का किशुनपुर मधुबन निवासी गुलचंद कुमार (38) शामिल हैं।

खलासी के रूप में काम करता था गुलचंद

मृतक गुलचंद कुमार के भाई दीपचंद ने बताया कि गुलचंद पिछले एक साल से थर्मल पावर प्लांट में इंसुलेशन विभाग में खलासी के रूप में काम कर रहा था। उसके साथ पप्पू कुमार भी काम करता था। गुलचंद की मौत की खबर सुनते ही उसकी पत्नी चिंकी कुमारी बेहोश हो गई। गुलचंद के परिवार में एक बेटा और एक बेटी है।

दो सालों से यहां काम कर रहे थे जयनाथ

वहीं जयनाथ सहनी के साला अमरनाथ ने बताया कि जयनाथ करीब दो सालों से यहां काम कर रहे थे। रविवार को छुट्टी होने के कारण तीनों साथी खरीदारी के लिए भतौरा गए थे और रेलवे ट्रैक के रास्ते वापस लौट रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। जयनाथ के परिवार में पत्नी पिंकी देवी सहित तीन बेटियां और एक बेटा हैं, जिनका रो-रोकर बुरा हाल है।

बिहार दिवस पर नरकटियागंज में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमःस्कूली बच्चों ने दी छठ पूजा आधारित प्रस्तुति

नरकटियागंजः नरकटियागंज अनुमंडल कार्यालय के सभागार में सोमवार रात बिहार दिवस के अवसर पर एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एसडीएम अभिजीत कुमार गोविंदा, बीडीओ सूरज कुमार सिंह और सभापति रीना देवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग प्रस्तुतियां दीं, जिन्होंने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। बच्चों ने गीत, नृत्य और नाटक के माध्यम से बिहार की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और विरासत की आकर्षक झलक पेश की।

विशेष रूप से स्कूली बच्चियों द्वारा छठ पूजा पर आधारित प्रस्तुति ने सभी का ध्यान आकर्षित किया और दर्शकों ने तालियों से उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में प्रस्तुत झांकियों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के जरिए बिहार की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को जीवंत रूप में प्रदर्शित किया गया।

इस दौरान एसडीएम अभिजीत कुमार गोविंदा ने अपने संबोधन में बिहार के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और विकास की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने युवाओं को राज्य के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिकारी, जनप्रतिनिधि, शिक्षक, अभिभावक और आम लोग उपस्थित रहे। आयोजन के अंत में सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

क्लास रूम में लड़ाई, छात्रा को इतना पीटा कि मर गई

सीतामढ़ीः सीतामढ़ी में क्लासरूम में बच्चों के बीच हुई मारपीट में एक छात्रा की मौत हो गई। मामला जिले के सोनबरसा के सहोरवा मध्य स्कूल का है। छात्रा की पिटाई का आरोप उसकी दो सहेलियों पर लगा है।

पिता जितेंद्र कुमार राय ने बताया, 'सोमवार को उनकी बेटी स्मृति कुमारी (11) की स्कूल में अपनी क्लास की 2 लड़कियों के साथ लड़ाई हो गई। देखते ही देखते झगड़ा मारपीट में तब्दील हो गया। स्मृति को इतना पीटा गया कि वो अधमरी हो गई। पहले उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, वहां से बेहतर इलाज के लिए उसे पटना लाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।'

पिता का आरोप है कि टीचर ने लड़ाई रुकवाने की जगह छात्राओं को उकसाया। पुलिस ने मंगलवार को शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है।

क्लास का पंखा चालू करने को लेकर हुई लड़ाई

पिता जितेंद्र कुमार ने बताया, रोज की तरह मेरी बेटी स्मृति स्कूल गई थी। क्लास पहुंचने पर स्मृति ने कहा कि पंखा चालू कर दो, लेकिन दो लड़कियों ने कहा, पंखा नहीं चलेगा। इस बात पर लड़ाई बढ़ी। उन दोनों बच्चियों ने कहा कि तुम्हें मारेंगे। मेरी बेटी ने कहा मारो। इसके बाद दोनों छात्राओं और स्मृति कुमारी के बीच हाथापाई शुरू हो गई।

पिता का आरोप है कि दोनों छात्राओं ने मिलकर स्मृति की जमकर पिटाई कर दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना की सूचना मिलने पर जितेंद्र राय स्कूल पहुंचे और घायल बेटी को इलाज के लिए पहले सोनबरसा, फिर सीतामढ़ी ले गए। पटना ले जाते समय गांधी पुल पर स्मृति ने दम तोड़ दिया।

शिक्षक बोले- जो जीतेगा वो पीटेगा

मृतका के पिता ने शिक्षकों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है, 'जब बच्चों ने मारपीट की जानकारी शिक्षकों को दी, तब भी किसी ने बीच-बचाव नहीं किया। इतना ही नहीं बच्चों के बेहोश होने पर बच्चों के साथ उसे भेजा गया। छोटे बच्चे किसी तरह टांगकर मेरी बेटी को ला रहे थे।'

पिता का दावा है कि यदि समय रहते शिक्षक हस्तक्षेप करते, तो उनकी बेटी की जान बच सकती थी। घटना के समय स्कूल में शिक्षक हरे राम सिंह, जोगेंद्र सहनी और एक सहायक शिक्षक मौजूद थे।

वहीं छात्रा की मौत के बाद स्कूल प्रबंधन मीटिंग की बात कह रहा है। जिसका पिता ने खंडन किया। उन्होंने कहा, वहां काम करने वाले स्टाफ ने मुझे बताया कि जब बच्चियों में लड़ाई हुई तब कोई मीटिंग नहीं चल रही थी।

मुंगेर में फंदे से लटका मिला युवक का शव

खरना प्रसाद खाकर सोया था, पुलिस जांच में जुटी

मुंगेरः मुंगेर में तारापुर-खड़गपुर मुख्य मार्ग स्थित कादरगंज टेलीफोन एक्सचेंज के समीप मंगलवार सुबह एक 24 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। युवक का शव घर के कमरे में पंखे से रस्सी के सहारे लटका हुआ पाया गया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और परिजनों में कोहराम मच गया।

मृतक की पहचान आयुष कुमार के रूप में हुई है। घटना की सूचना पर हवेली खड़गपुर थाना के एसआई शिवम स्वराज मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस आत्महत्या और हत्या दोनों पहलुओं को ध्यान में रखते हुए छानबीन कर रही है।

पंखे से लटका हुआ पिता को मिला बेटे का शव

मृतक के पिता रूपेश ठाकुर ने बताया कि मंगलवार सुबह जब वह छत पर बने कमरे में गए, तो देखा कि उनका पुत्र पंखे से लटका हुआ है और उसके पैर चौकी को छू रहे थे। उन्होंने आशंका जताई कि यह आत्महत्या नहीं बल्कि सुनियोजित हत्या है, जिसे आत्महत्या का रूप दिया गया है।

उन्होंने बताया कि आयुष ने पिछले वर्ष इंटरमीडिएट परीक्षा पास की थी और फिलहाल उनके साथ दुकानदारी में हाथ बंटाता था। मंगलवार को ही उसे भागलपुर स्थित बीएसएसी नर्सिंग कॉलेज में नामांकन के लिए जाना था, लेकिन उससे पहले ही यह घटना हो गई।

दबी जुबान में प्रेम प्रसंग का मामला भी चर्चा में

स्थानीय लोगों के बीच दबी जुबान में प्रेम प्रसंग का मामला भी चर्चा में है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम (एफएसएल) को घटनास्थल पर बुलाया है, जो विभिन्न बिंदुओं पर साक्ष्य जुटाएगी। एसआई शिवम स्वराज ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है और परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

डीएम सर, स्कूल में टीचर नहीं हैं, कैसे करें पढ़ाई?

नालंदा में 40 KM का सफर तय कर कलेक्ट्रेट पहुंचे बच्चे, कहा- पढ़ाई पूरी तरह ठप पड़ी है

नालंदाः नालंदा के सरमेरा प्रखंड के छात्र-छात्राएं स्कूल में शिक्षकों की भारी कमी और बाधित पढ़ाई की शिकायत लेकर डीएम से मिलने पहुंचे। इनके स्कूल का नाम उत्क्रमित मध्य विद्यालय, धनावां डीह (धनावाडी) है। बच्चे करीब 40 किलोमीटर का सफर तय कर जिलाधिकारी (DM) से मिलने आज बिहार शरीफ पहुंचे।

तीन शिक्षकों के भरोसे 200 बच्चे, सिलेबस भी अधूरा

जिलाधिकारी को सौंपे गए सामूहिक आवेदन और अपनी आपबीती सुनाते हुए कक्षा 8वीं की छात्रा नव्या कुमारी और सृष्टि कुमारी ने बताया कि उनके स्कूल में पिछले कई साल से शिक्षकों की भारी कमी है।

स्कूल में लगभग 200 बच्चे नामांकित हैं, लेकिन उन्हें पढ़ाने के लिए केवल तीन ही शिक्षक मौजूद हैं- जिनमें एक हेड मास्टर और दो अन्य शिक्षक शामिल हैं। शिक्षक भी प्राथमिक कक्षाओं (1 से 5) में व्यस्त रहते हैं, जिस कारण मध्य विद्यालय के बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह ठप पड़ी है।

परीक्षा में हुई भारी कठिनाई, साल भर से मांग की जा रही अनदेखी

कक्षा 6 के छात्र हिमांशु कुमार ने बताया कि शिक्षकों की अनुपलब्धता के कारण उनका सिलेबस समय पर पूरा नहीं हो पाया, जिसकी वजह से हाल ही में हुई वार्षिक परीक्षाओं में उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

छात्राओं का आरोप है कि स्कूल में एक भी महिला शिक्षिका नहीं है और जो पहले थे उनका भी तबादला हो गया। "जब टीचर ही नहीं होंगे तो हम पढ़ेंगे कैसे और हमारा भविष्य कैसे बनेगा?"

आवेदन देकर की कार्रवाई की मांग

छात्रों ने जिलाधिकारी को एक लेटर सौंपा है, जिस पर स्कूल के लगभग 57 छात्र-छात्राओं के हस्ताक्षर और नाम दर्ज हैं। पत्र में स्पष्ट रूप से लिखा गया है कि स्कूल प्रशासन से बार-बार शिकायत के बावजूद अब तक कोई सुधार नहीं हुआ है। बच्चों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि वे स्वयं या उनका कोई प्रतिनिधि स्कूल का दौरा करें ताकि उन्हें वास्तविक स्थिति का पता चल सके।

सम्पादकीय

कोयलांचल संवाद

रांची, बुधवार, 25 मार्च, 2026

www.ksnewsupdates.com

मोदी-शाह बनाम ममता बंगाल की सियासत में खुला युद्ध

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा भाजपा के ऊपर तीखा हमला किया है। ममता बनर्जी ने कहा,अघोषित रूप से पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाकर रखा गया है। एसआईआर के माध्यम से 63 लाख लाख मतदाताओं को मतदान से वंचित किया जा रहा है। मतदाता सूची अभी तक प्रकाशित नहीं हुई है। जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची मे नहीं थे। उन मामलों की सुनवाई अभी चल रही है। सुप्रीम कोर्ट ने जो निर्देश चुनाव आयोग को दिए थे। चुनाव आयोग ने उनका पालन नहीं किया। इसके बाद भी पश्चिम बंगाल में चुनाव कराए जा रहे हैं।यह स्थिति आपातकाल की तरह है। चुनाव आयोग राज्य सरकार से विचार विमर्श किए बिना एक तरफा निर्णय ले रहा है। ममता बनर्जी ने तीखा हमला करते हुए कहा, अब जो भी अच्छा बुरा पश्चिम बंगाल में होगा। उसके लिए चुनाव आयोग और केंद्र सरकार ही जिम्मेदार होगी। जिस तरह से अधिकारियों को हटाया गया है। उसके कारण पश्चिम बंगाल की सारी प्रशासनिक व्यवस्था चरमरा गई है ।चुनाव अधिसूचना जारी होने के बाद सारे निर्णय चुनाव आयोग द्वारा लिए जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में कानून व्यवस्था से लेकर हर स्थिति के लिए चुनाव आयोग और केंद्र सरकार ही जिम्मेदार होगी। ममता बनर्जी जिस तरह से आक्रामक हुई हैं। उससे लगता है,इन्हेंने दिल्ली में जो कुछ केजरीवाल सरकार के साथ हुआ था। उसको ध्यान में रखकर सबक लिया है। केजरीवाल सरकार भी कोई निर्णय नहीं ले पा रही थी।उप राज्यपाल और चुनाव आयोग के माध्यम से सारे निर्णय लिए जा रहे थे। सारा ठीकरा केजरीवाल के सिर पर फोड़ा गया। जिस तरह से महाभारत में अभिमन्यु को चक्रव्यूह में घेर कर मारा गया था। इसी तरह से केजरीवाल को चक्रव्यूह में फंसाकर, वोट काटकर चुनाव आयोग द्वारा पक्षपात कार्यवाही करके सुंयोजित तरीके से आम आदमी पार्टी को हराया गया था। वर्तमान स्थिति को देखते हुए ममता बनर्जी अपनी बलि नहीं देना चाहती हैं। ऐसा लगता है ममता दीदी काली माई के रोद्र रूप को धारण करके, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और ज्ञानेश कुमार से लड़ने के लिए चुनाव मैदान में अस्त्र-शास्त्र के साथ आ गई हैं। ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सबसे बड़ा घुसपैठिया कह दिया है। इससे उनके आक्रामक तेवर का पता लगता है। ममता बनर्जी पिछले 6 महीनो से एसआईआर की लड़ाई जमीन से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक लड़ रही हैं। सुप्रीम कोर्ट से भी उन्हें कोई न्याय नहीं मिला। जिन मतदाताओं के नाम कटे हैं, उनकी सुनवाई पूरी नहीं हुई है। मतदाता सूची फाइनल हुए बिना चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसी तरह से चुनाव भी करा दिए जाएंगे। बिहार में भी ऐसा ही किया गया था। मनमाने तरीके से पश्चिम बंगाल के अधिकारियों को भाजपा के इशारे पर बदला जा रहा है। चुनाव कार्य में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों को चुनाव आयोग और गृह मंत्रालय द्वारा धमकाया जा रहा है। इस तरह का आरोप लगाते हुए ममता बनर्जी सड़क पर आकर लड़ाई लड़कर चुनाव मैदान में उतर रही हैं।जनता हमेशा आक्रामक तेवर के नेताओं को स्वीकार करती है। यह बात ममता बनर्जी अच्छी तरह से जानती हैं। ममता बनर्जी ने जिस तरह से भाजपा, चुनाव आयोग और केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला है। उसके बाद केंद्र सरकार, भाजपा और चुनाव आयोग ज्ञानेश कुमार के लिए ममता का मुकाबला करना आसान नहीं होगा। चुनाव में धांधली और मनमानी कर पाना आसान नहीं होगा।इस चुनाव में सत्ता तक पहुंचने के लिए ममता बनर्जी कोई भी कीमत चुकाने के लिए तैयार दिख रही हैं। केंद्रीय चुनाव आयोग और केंद्र सरकार के लिए चक्रव्यूह ममता बनर्जी ने तैयार किया है। उसके बाद केंद्र सरकार, न्यायपालिका और चुनाव आयोग चक्रव्यूह में रहते हुए साख को बचाए रखने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी बन गई है। चुनाव मे क्या होगा, इसको लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।बांग्लादेश में चुनाव आयोग ने शेख हसीना के पक्ष में विपक्ष को दबाने और शेख हसीना को जिताने का काम किया था। उसके परिणाम कुछ समय बाद ही बांग्लादेश में देखने को मिले। शेख हसीना को भारत की शरण लेनी पड़ी। बांग्लादेश का असर पश्चिम बंगाल में चुनाव में देखने को मिल रहा है। इस स्थिति में संवेदनशीलता के साथ निष्पक्षता और पारदर्शी तरीके से चुनाव कराना आयोग के लिए बड़ी चुनौती है।

अस्थिर होती विश्व व्यवस्था

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर खड़ी है। दुनिया एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने वाले संघर्ष नहीं रह गए हैं, बल्कि उनका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा व्यवस्था, पर्यावरण, सृष्टि-संतुलन, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता तक पहुंच रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, ईरान और इजरायल के बीच हमलों का नया दौर, अमेरिका की रणनीतिक भूमिका, रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन-ताइवान तनाव जैसे अनेक घटनाक्रम मिलकर यह संकेत दे रहे हैं कि दुनिया एक बार फिर हथियारों की दौड़ और शक्ति संतुलन की राजनीति की ओर लौट रही है। यह स्थिति केवल राजनीतिक या सामरिक नहीं, बल्कि मानवीय संकट का संकेत भी है, क्योंकि जब दुनिया हथियारों पर ज्यादा खर्च करती है तो विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्र पीछे छूट जाते हैं। आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ़ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है। सुरक्षा की यह मानसिकता वास्तव में असुरक्षा का ही परिणाम है। एक देश हथियार बढ़ाता है तो दूसरा देश भी हथियार बढ़ाता है और इस तरह एक अविश्वास का वातावरण बन जाता है। यह अविश्वास ही युद्ध की जमीन तैयार करता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में दुनिया का सैन्य खर्च कई गुना बढ़ जाएगा और यह पैसा मानव विकास के बजाय विनाश की तैयारी में खर्च होगा। यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए शुभ संकेत नहीं है। पश्चिम एशिया का संकट इस समय दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता दिखाई दे रहा है। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते हमले, समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर तनाव और बड़े देशों की प्रत्यक्ष या परोक्ष भागीदारी ने इस क्षेत्र को युद्ध के कगार पर खड़ा कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समुद्री मार्ग खोलने की चेतावनी को खारिज करते हुए ईरान ने इजरायल पर हमलों का नया दौर शुरू किया है, जिससे यह संकट और अधिक गंभीर हो गया है। यदि यह संघर्ष लंबा चलता है तो इसका प्रभाव केवल इस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा, क्योंकि यह क्षेत्र दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है।

दुनिया की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा तेल और गैस पर निर्भर है और पश्चिम एशिया तेल उत्पादन का सबसे बड़ा क्षेत्र है। यदि वहां युद्ध बढ़ता है या समुद्री मार्ग बाधित होते हैं तो तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। तेल महंगा होगा तो पेट्रोल-डीजल महंगा होगा, परिवहन महंगा होगा, उत्पादन लागत बढ़ेगी और अंततः हर वस्तु महंगी हो जाएगी। यानी एक वैश्विक महंगाई का दौर शुरू हो सकता है। महंगाई बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। इसके साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की ओर भी जा सकती है। पहले से ही कई देश आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और यदि ऊर्जा संकट बढ़ता है तो स्थिति और गंभीर हो जाएगी। भारत जैसे देश भी इस स्थिति से अछूते नहीं रह सकते, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इसी खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति, पेट्रोल-डीजल, गैस और उर्वरकों की उपलब्धता बनाए रखने को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंत्रियों के साथ आपात बैठक कर ऊर्जा आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने और संभावित संकट से निपटने की रणनीति पर चर्चा की। केवल केंद्र सरकार की तैयारी पर्याप्त नहीं होगी, राज्य सरकारों को भी इस स्थिति को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण, आपूर्ति प्रबंधन और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाने होंगे। इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ी चिंता यह है कि दुनिया युद्ध को रोकने के बजाय उसकी तैयारी ज्यादा कर रही है। युद्ध शुरू करना आसान होता है, लेकिन उसे रोकना बहुत कठिन होता है। इतिहास गवाह है कि कई युद्ध ऐसे हुए जो कुछ दिनों के लिए शुरू हुए लेकिन वर्षों तक चलते रहे और उन्होंने पूरी दुनिया को प्रभावित किया। आज भी यदि पश्चिम एशिया का युद्ध फैलता है तो यह केवल दो या तीन देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बड़े देशों की भागीदारी से यह वैश्विक संघर्ष का रूप ले सकता है। इसलिए यह जरूरी हो गया है कि विश्व के बड़े देश आगे बढ़कर युद्ध विराम की पहल करें और वार्ता का रास्ता निकालें। अमेरिका की भूमिका इस पूरे संकट में बहुत महत्वपूर्ण है। यदि अमेरिका चाहे तो वह इजरायल पर दबाव डाल सकता है, ईरान के साथ वार्ता शुरू करा सकता है और संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से युद्ध विराम की दिशा में कदम उठा सकता है।

हिंदी पत्रकारिता के निर्भीक स्तंभ गणेश शंकर विद्यार्थी

डॉ.अशोक कुमार भार्गव

> विद्यार्थी की प्रेरणा से 1924 में कानपुर कांग्रेस अधिवेश में श्यामलाल गुप्त पार्षद द्वारा रचित झंडा गीत विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा का स्वागत गीत के रूप में सामूहिक गायन प्रस्तुत किया गया। यह गीत आज भी देशवासियों के मन में ऊर्जा का संचार करता है। अंग्रेज हुकूमत ने 23 मार्च 1925 को शहीद ऐ आजम भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी की सजा सुना दी। समग्र राष्ट्र शोक संतप्त हुआ। कानपुर में सांप्रदायिक दंगे भड़क गए। सर्व धर्म समभाव को भारत की आत्मा मानने वाले विद्यार्थी स्वयं सेवकों के साथ हिंदू मुस्लिम दंगों की धधकती ज्वाला को शांत करने, पीड़ित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए उनके बीच चले गए। इसी दौरान दंगाइयों ने उनकी नृशंस हत्या कर दी।

निःसंदेह हिंदी पत्रकारिता जगत के निर्भीक, क्रांतिकारी पत्रकार, स्वाधीनता सेनानी, समाजसेवी और कुशल राजनीतिज्ञ गणेश शंकर विद्यार्थी ने आजादी की लड़ाई में अपनी कलम को ही अपना अस्त्र बना लिया। उनके पास सत्ता की ताकत नहीं थी किंतु अपनी बेबाक धारदार कलम से अंग्रेज हुकूमत की दमनकारी नीतियों, सामाजिक अन्याय, शोषण और जमींदारों, सामंतों के अत्याचारों के विरुद्ध राष्ट्रहित जनहित में इंकलाब का उद्घोष किया।

26 अक्टूबर1890 को इलाहाबाद में जन्मे विद्यार्थी का बचपन मध्य प्रदेश के वर्तमान अशोकनगर जिले के मुंगावली में बीता। प्रारंभिक शिक्षा प्रयागराज में हुई।पढ़ाई के दौरान ही उनका विवाह हो गया। कानपुर कर्म स्थली रही। कानपुर के सूती मिल के मजदूरों की दुर्दशा देख उनके हितों के संघर्ष हेतु उन्हें संगठित किया।1908 में कानपुर करंसी में नौकरी की बाद में हाई स्कूल में शिक्षक बने किंतु दोनों ही स्थान पर देश प्रेम को समर्पित अभ्युदय पत्रिका पढ़ने से मना करने पर स्वाभिमानी विद्यार्थी ने नौकरी से त्यागपत्र दे दिया।

1913 में महाराणा प्रताप के पराक्रम से प्रेरित होकर प्रताप नामक साप्ताहिक पत्र प्रारंभ किया। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने आशीष स्वरुप प्रताप के लिए यह पंक्तियां प्रेषित की जिसको न निज गौरव तथा निज देश का अभिमान है, वह नर नहीं नर पशु निरा है और मृतक समान है विद्यार्थी ने इसे आरंभ से अंत तक प्रताप का मूल मंत्र बना पत्रकारिता को सामाजिक कर्म का प्रतीक निरूपित किया। प्रताप का समग्र सृजन नैतिक मूल्यों, आदर्शों, जन आंदोलनों और आजादी की लड़ाई के प्रति प्रतिबद्ध था। स्वाधीनता संग्राम के उच्चतम प्रतिमानों से प्रेरित होकर विद्यार्थी ने प्रताप के पहले अंक में प्रताप की नीति लेख लिखा जो आज भी पत्रकारिता के आदर्श घोषणा पत्र के रूप में प्रतिष्ठित है। वे लिखते हैं आज अपने हृदय में नई-नई आशाओं को धारण करके और अपनी उद्देश्यों पर पूर्ण विश्वास रखकर प्रताप कर्म क्षेत्र में आता है। समस्त मानव जाति का कल्याण हमारा परमोद्देश्य हैऔर इसकी प्राप्ति का एक बहुत बड़ा जरूरी साधन हम भारतवर्ष की उन्नति को समझते हैं। वे प्रताप के माध्यम से अपनी ज़िम्मेदारियों को रेखांकित करते हुए लिखते हैं हम अपने देश और समाज की सेवा के पवित्र काम का भार अपने ऊपर लेते हैं। हम अपने भाइयों और बहनों को उनके कर्त्तव्य और अधिकार समझाने का यथाशक्ति प्रयत्न करेंगे। राजा और प्रजा में,एक जाति और दूसरी जाति में, एक संस्था और दूसरी संस्था में बैर और विरोध, अशांति और असंतोष ना होने देना हम अपना परम कर्तव्य समझेंगे। इसी लेख में वे पत्रकारिता के उद्देश्यों को स्पष्ट करते हुए लिखते हैं किसी की प्रशंसा या अप्रशंसा, किसी की प्रसन्नता या अप्रसन्नता, किसी की घुड़की या धमकी हमें अपने सुमार्ग से विचलित न कर सकेगी। सत्य और न्याय हमारे भीतरी पथ प्रदर्शक होंगे। सांप्रदायिक और व्यक्तिगत झगड़ों से प्रताप सदा अलग रहने की कोशिश करेगा। उसका जन्म किसी विशेष सभा, संस्था, व्यक्ति या मत के पालन पोषण,रक्षण या विरोध के लिए नहीं हुआ है किंतु उसका मत स्वातंत्र्य विचार और उसका धर्म सत्य होगा। हम जानते हैं कि हमें इस काम में बड़ी-बड़ी कठिनाइयों को सामना करना पड़ेगा और इसके लिए बड़े भारी साहस और आत्म बल की आवश्यकता है। हमें यह भी अच्छी तरह मालूम है कि हमारा जन्म निर्बलता, पराधीनता और अल्प सत्ता के वायुमंडल में हुआ है तो भी हमारे हृदय में सत्य की सेवा करने के लिए आगे बढ़ने की इच्छा है। हम न्याय में राजा और प्रजा दोनों का साथ देंगे परंतु अन्याय में दोनों में से किसी का भी नहीं। हमारी यह हार्दिक अभिलाषा है कि देश की विविध जातियों,संप्रदायों और वर्णों में परस्पर मेल मिलाप बढ़े। विद्यार्थी का अपने सिद्धांतों और मूल्यों के प्रति समर्पण अद्भुत था। अपने उद्देश्यों से भटकना वे मृत्यु के समान मानते थे। इसीलिए वह स्पष्ट करते हैं कि जिस दिन हमारी आत्मा ऐसी हो जाए कि हम अपने प्यारे आदर्श से डिग जावें, जानबूझकर असत्य के पक्षपाती बनने की बेशर्मी करें और उदारता, स्वतंत्रता तथा निष्पक्षता को छोड़ देने की भीरुता दिखाए,वह दिन हमारे जीवन का सबसे अभागा दिन होगा और हम चाहते हैं कि हमारी उस नैतिक मृत्यु के साथ ही हमारे जीवन का भी अंत हो जाए।

विद्यार्थी की पत्रकारिता का यह कालजयी दर्शन आधुनिक भारतीय पत्रकारिता का प्रकाश स्तंभ है। अपने क्रांतिकारी लेखों और भाषणों के कारण कई बार प्रताप पर उन्हें जुर्माना, सजा, दंड, कुर्की और पांच बार जेल यात्रा की सौगातें प्राप्त हुई। उन्होंने महात्मा गांधी के अहिंसक आंदोलन के समर्थन के साथ ही भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों को हर प्रकार की सहायता उपलब्ध कराई। यद्यपि विद्यार्थी ने स्वराज अखबार से उर्दू में लिखना प्रारंभ किया था किंतु हिंदी के प्रति उनके ममत्व ने उन्हें हिंदी में लिखने हेतु प्रेरित किया।उन्होंने हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के हर संभव प्रयासों में अप्रतिम योगदान दिया। वह भाषा की महत्ता को गंभीरता से समझते थे इसीलिए एक बार बड़ी गहराई में उतर कर उन्होंने लिखा था मुझे देश की आजादी और भाषा की आजादी में से किसी एक को चुनना पड़े तो मैं निःसंकोच भाषा की आजादी चुनूंगा। देश की आजादी के बावजूद भाषा की गुलामी रह सकती है लेकिन अगर भाषा आजाद हुई तो देश गुलाम नहीं रह सकता। क्योंकि भाषा हमारे जातीय जीवन और संस्कृति की रक्षिका, शील का दर्पण और विकास का वैभव है। पराई भाषा चरित्र की दृढ़ता का अपहरण कर लेती है,मौलिकता का विनाश कर देती है और नकल करने का स्वभाव बना कर उत्कृष्ट गुणोंऔर प्रतिभा से नमस्कार करा देती है। उन्होंने हिंदी को साहित्यिक जटिलता से मुक्त कर भारत के स्वाधीनता संग्राम, जन जागरण, सांप्रदायिक सद्भाव,मजदूरों, किसानों और आम आदमी की भाषा बनाया। उनके लेखों में हिंदी सरल बोधगम्य सशक्त विद्रोही भाषा के रूप में विकसित हुई। उन्होंने विक्टर ह्यूगो के प्रसिद्ध उपन्यास नाइंटी थ्री का हिंदी में बलिदान नाम से अनुवाद किया। हिंदी में शेखचिल्ली की कहानियां लिखी। हिंदी साहित्य सम्मेलनों में सक्रिय भागीदारी की और सरस्वती, कर्मयोगी, स्वराज्य, हित वार्ता में उनके क्रांतिकारी लेख प्रकाशित होते रहे।

विद्यार्थी की प्रेरणा से 1924 में कानपुर कांग्रेस अधिवेश में श्यामलाल गुप्त पार्षद द्वारा रचित झंडा गीत विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा का स्वागत गीत के रूप में सामूहिक गायन प्रस्तुत किया गया। यह गीत आज भी देशवासियों के मन में ऊर्जा का संचार करता है। अंग्रेज हुकूमत ने 23 मार्च 1925 को शहीद ऐ आजम भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी की सजा सुना दी। समग्र राष्ट्र शोक संतप्त हुआ। कानपुर में सांप्रदायिक दंगे भड़क गए। सर्व धर्म समभाव को भारत की आत्मा मानने वाले विद्यार्थी स्वयं सेवकों के साथ हिंदू मुस्लिम दंगों की धधकती ज्वाला को शांत करने, पीड़ित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए उनके बीच चले गए। इसी दौरान दंगाइयों ने उनकी नृशंस हत्या कर दी। दो दिन बाद लाशों के ढेर में उनके शव की पहचान की गई। हैवानियत के उस नर्क में आजादी का स्वप्न देखने वाली आंखें सदा के लिए बंद हो गई।

अहंकार की आग मेंझुलसती दुनिया और युद्ध की राख में दबती मानवता का भविष्य

कांतिलाल मांडोत

> आज के समय में जब दुनिया जलवायु परिवर्तन, आर्थिक असमानता और महामारी जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, ऐसे में युद्ध जैसे संघर्ष इन समस्याओं को और गंभीर बना देते हैं। संसाधनों का उपयोग जहां विकास और कल्याण के लिए होना चाहिए, वहीं वे विनाश के उपकरणों में बदल जाते हैं। अहंकार और शक्ति की राजनीति का यह खेल अंततः मानवता को ही नुकसान पहुंचाता है। जो देश युद्ध शुरू करता है, उसे भी इसकी कीमत चुकानी पड़ती है और जिस पर हमला होता है, उसकी स्थिति तो और भी दयनीय हो जाती है। यही कारण है कि कहा जाता है—युद्ध में कोई विजेता नहीं होता, केवल हारने वाले होते हैं।

पश्चिम एशिया काभू-राजनीतिक परिदृश्य एक बार फिर उस मोड़ पर खड़ा है, जहां हर अगला कदम केवल तनाव को और गहरा करने वाला साबित हो सकता है। हाल के घटनाक्रमों में डोनाल्ड ट्रम्प की चेतावनियों, ईरान की आक्रामक प्रतिक्रिया और इजरायल पर हुए हमलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यह संघर्ष अब केवल सीमित क्षेत्रीय टकराव नहीं रह गया, बल्कि वैश्विक स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है।

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर पैदा हुआ विवाद इस संकट का केंद्र बन चुका है। यह मार्ग दुनिया के ऊर्जा आपूर्ति तंत्र की धुरी माना जाता है। यहां किसी भी प्रकार की रुकावट न केवल तेल बाजार को झकझोरती है बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी संकट में डाल देती है। जब अमेरिका ने 48 घंटे का अल्टीमेटम देकर इस मार्ग को खोलने की मांग की, तो यह केवल एक कूटनीतिक बयान नहीं था, बल्कि शक्ति प्रदर्शन का संकेत भी था। दूसरी ओर, ईरान ने जिस तरह से जवाबी हमलों की चेतावनी दी और यह स्पष्ट किया कि उसके ऊर्जा ठिकानों पर हमला हुआ तो वह पूरे क्षेत्र के महत्वपूर्ण ढांचे को निशाना बनाएगा, उसने इस संघर्ष को और अधिक खतरनाक बना दिया है।

विशेष रूप से डीसैलिनेशन प्लांट्स और फ्यूल डिपो जैसे लक्ष्यों की बात करना इस ओर इशारा करता है कि आने वाले समय में यह संघर्ष आम नागरिकों के जीवन पर सीधा प्रभाव डाल सकता है। पानी जैसी बुनियादी जरूरत पर संकट उत्पन्न होना किसी भी क्षेत्र को मानवीय आपदा की ओर धकेल सकता है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे चिंताजनक बात यह है कि दोनों पक्ष अपने-अपने रुख पर अडिग नजर आते हैं। अमेरिका अपनी वैश्विक शक्ति के भरोसे दबाव बनाने की नीति अपनाता रहा है, जबकि ईरान ने यह दिखाने की कोशिश की है कि वह किसी भी कीमत पर पीछे हटने को तैयार नहीं है। यह टकराव केवल सैन्य ताकत का नहीं, बल्कि राजनीतिक अहंकार का भी प्रतीक बन चुका है। इतिहास गवाह है कि जब भी महाशक्तियों ने अपने अहंकार के कारण निर्णय लिए हैं, उसका परिणाम व्यापक विनाश के रूप में सामने आया है। चाहे वह शीत युद्ध का दौर रहा हो या मध्य पूर्व के पिछले संघर्ष, हर बार आम जनता को इसकी सबसे बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। आज भी वही स्थिति दोहराई जाती नजर आ रही है। ईरान द्वारा इजरायल के शहरों पर किए गए मिसाइल हमलों और उसके बाद हुए नुकसान ने यह साबित कर दिया है कि युद्ध में कोई भी पक्ष पूरी तरह सुरक्षित नहीं रह सकता। आधुनिक तकनीक और उन्नत हथियारों के बावजूद, हमलों का प्रभाव सीधे नागरिक क्षेत्रों तक पहुंचता है। अस्पताल, जल संयंत्र, बिजली व्यवस्था और संचार तंत्र—सब कुछ इस आग की चपेट में आ जाता है।

इस संघर्ष में एक और महत्वपूर्ण पहलू वैश्विक प्रतिक्रिया का है। जी-7 देशों द्वारा ईरान के हमलों की निंदा और सऊदी अरब द्वारा ईरानी अधिकारियों को निष्कासित करना यह दर्शाता है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ध्रुवीकरण तेज हो रहा है। ऐसे में किसी भी छोटी घटना का बड़े युद्ध में बदलना अब पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है। अमेरिका का रुख केवल ईरान तक सीमित नहीं दिखता। क्यूबा और वेनेजुएला जैसे देशों के प्रति उसकी नीति यह संकेत देती है कि वह वैश्विक स्तर पर अपने प्रभाव को बनाए रखने के लिए आक्रामक रणनीति अपनाने को तैयार है। क्यूबा के साथ दशकों पुरानी दुश्मनी और उस पर लगाए गए प्रतिबंध इस बात का उदाहरण हैं कि कैसे राजनीतिक मतभेद आम जनता के जीवन को कठिन बना देते हैं। यहां सबसे बड़ा प्रश्न यह उठता है कि क्या शक्ति प्रदर्शन वास्तव में समाधान है? क्या सैन्य कार्रवाई से स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है? इतिहास का उत्तर स्पष्ट है—नहीं। युद्ध कभी समाधान नहीं रहा, बल्कि समस्याओं को और जटिल बनाने का माध्यम बना है। भारत जैसे देशों का दृष्टिकोण इस संदर्भ में महत्वपूर्ण हो जाता है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने तटस्थ और संतुलित विदेश नीति अपनाने की कोशिश की है। यह नीति न केवल रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह वैश्विक शांति के लिए एक सकारात्मक संदेश भी देती है। भारत ने हमेशा संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है, जो आज के समय में सबसे आवश्यक है। जब दुनिया के बड़े देश शक्ति संतुलन की राजनीति में उलझे हुए हैं, तब भारत का यह दृष्टिकोण एक वैकल्पिक मार्ग प्रस्तुत करता है। यह मार्ग बताता है कि संवाद, सहयोग और आपसी सम्मान के आधार पर भी अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मजबूत किया जा सकता है। युद्ध का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि यह केवल सैनिकों तक सीमित नहीं रहता। इसके प्रभाव समाज के हर वर्ग पर पड़ते हैं। बच्चों की शिक्षा बाधित होती है, स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा जाती हैं और आर्थिक गतिविधियां ठप हो जाती हैं। इसके अलावा, युद्ध के बाद पुनर्निर्माण की प्रक्रिया वर्षों तक चलती है, जिसमें अपार संसाधनों की आवश्यकता होती है।

आज के समय में जब दुनिया जलवायु परिवर्तन, आर्थिक असमानता और महामारी जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, ऐसे में युद्ध जैसे संघर्ष इन समस्याओं को और गंभीर बना देते हैं। संसाधनों का उपयोग जहां विकास और कल्याण के लिए होना चाहिए, वहीं वे विनाश के उपकरणों में बदल जाते हैं। अहंकार और शक्ति की राजनीति का यह खेल अंततः मानवता को ही नुकसान पहुंचाता है। जो देश युद्ध शुरू करता है, उसे भी इसकी कीमत चुकानी पड़ती है और जिस पर हमला होता है, उसकी स्थिति तो और भी दयनीय हो जाती है। यही कारण है कि कहा जाता है—युद्ध में कोई विजेता नहीं होता, केवल हारने वाले होते हैं। इसलिए आज जरूरत है कि विश्व के सभी देश अपने मतभेदों को संवाद के माध्यम से सुलझाने का प्रयास करें। कूटनीति और सहयोग ही वह रास्ता है जो स्थायी शांति की ओर ले जा सकता है। यदि समय रहते यह समझ नहीं आई, तो आने वाला भविष्य और भी भयावह हो सकता है। एक ऐसा भविष्य, जहां विकास के स्थान पर विनाश की कहानियां लिखी जाएंगी और जहां मानवता केवल संघर्षों की राख में अपना अस्तित्व तलाशती नजर आएगी।

जल बचाने को लेकर एक वैज्ञानिक चर्चा!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

हाल ही में दुनिया भर में विश्व जल दिवस मनाया गया।ग्लोबल साइंस एकेडमी ने सार्वजनिक स्वास्थ्य, लैंगिक न्याय और सभ्यतागत मूल्यों को समुद्री कानून से जोड़कर जल बचाने की अंतरराष्ट्रीय कौशिश को हवा दी है।इस अवसर पर 5+5 ओशन डिकेड कॉन्फ्रेंस की डिजिटल प्रोसीडिंग्स भी लॉन्च की गई। यह आयोजन भारत और दक्षिण एशिया की समुद्री रणनीति में एक बड़े परिवर्तनकारी बदलाव का संकेत कहा जा रहा है। यह तकनीकी चर्चा ईद के बाद सांस्कृतिक चिंतन और नवरात्रि के पवित्र त्योहार के दौरान आयोजित की गई। इस कार्यक्रम ने पारंपरिक आर्थिक विमर्श से ऊपर उठकर समुद्री कानून 2026 सार्वजनिक स्वास्थ्य और मानवीय सुरक्षा के बीच के अंतर्संबंधों को रेखांकित किया है।चर्चा सत्र की अध्यक्षता करते हुए ग्लोबल साइंस एकेडमी के संस्थापक निदेशक और मुंसिफ टीवी के ब्यूरो हेड डॉ. अनिल प्रताप सिंह ने जल को केवल एक संसाधन के रूप में नहीं, बल्कि एक मौलिक सभ्यतागत मूल्य के रूप में परिभाषित किया। ऋग्वेद के श्लोकों और महात्मा गांधी के विचारों का उल्लेख करते हुए डॉ. सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि बीबीएनजे समझौते का कार्यान्वयन समानता पर आधारित होना चाहिए।उन्होंने कहा, सार्वजनिक स्वास्थ्य को समुद्री कानून के भीतर समाहित किया जाना चाहिए। तटीय शासन बीमारियों, विस्थापन और शोषण की जमीनी हकीकतों को नजरअंदाज नहीं कर सकता। आज, हम सिद्धांतों से आगे बढ़कर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हाशिए पर रहने वाले लोगों—ओशन विडो से लेकर मछली पकड़ने वाले समुदायों—की आवाज वैश्विक रिकॉर्ड में दर्ज हो।कार्यक्रम में छह महत्वपूर्ण कार्यात्मक ढांचों पर प्रकाश डाला गया, जो भविष्य में एकेडमी की वकालत की दिशा तय करेंगे। डॉ. शिल्पा नंदी और डॉ. सतरूपा पाल ने समुद्री त्रासदियों के कानूनी अंतराल में खोई हुई महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक अदृश्यता और तस्करी के प्रति उनकी संवेदनशीलता को उजागर किया। डॉ. तुलिका चक्रवर्ती और डॉ. पत्राली सिन्हा ने हाशिए पर रहने वाले मछली पकड़ने वाले समुदायों में एचआईवी/एसटीआई सम्बन्धी देखभाल और प्रजनन स्वास्थ्य में मौजूद गंभीर कमियों पर विचार मंथन कर उन्हें दूर करने के उपाय सुझाए गए।डॉ सोमीरन दास और डॉ. सोमनाथ भट्टाचार्य ने टिकाऊ शासन के लिए समुदाय-संचालित और सांस्कृतिक रूप से स्वीकार्य समाधानों पर जोर दिया। जबकि डॉ. सतरूपा पाल और डॉ. शिल्पा नंदी के शोध ने अनियंत्रित तटीय पर्यटन में निहित स्वास्थ्य और सुरक्षा जोखिमों के प्रति आगाह किया। डॉ. आलोक राय और डॉ. सोमीरन दास ने राष्ट्रीय सुरक्षा निगरानी को मानव तस्करी और अवैध मछली पकड़ने के नेटवर्क के खिलाफ सक्रिय लड़ाई से जोड़ा।सत्र में विन्निपेग, कनाडा से डॉ. अवनीश जॉली ने ग्लोबल नॉर्थ का दृष्टिकोण साझा किया। उन्होंने बताया कि कैसे जल शासन में स्वदेशी ज्ञान और सार्वजनिक स्वास्थ्य को एकीकृत करने का मेनिटोबा मॉडल दक्षिण एशियाई प्रणालियों के लिए मार्गदर्शक हो सकता है।

नमक सेवन संभलकर करें

आजकल हमारे स्वास्थ्य के गड़बड़ होने में अनचाही सामग्री का सेवन करना। जी हा, जैसे बाजार का नमकीन, चाट, रेडीमेड वेफर्स, पिज्जा, बर्गर आदि खाद्य पदार्थ जो वर्तमान में नियमित रूप से सेवन किया जाता हैं जो हमारे लिए नुक्सानदायक होता हैं पर हम जिव्हा के लालच वश सब खाते हैं। होटल में नियमित खाना खाना आपकी सेहत के लिए हानिकारक के साथ गंभीर बीमारियों को आमंत्रण देना भी हैं। निर्णय आपका हैं। नमक की पर्याप्त मात्रा शरीर के लिए आवश्यक होती है इसलिए वयस्कों को दिन में कम से कम 5 -6 ग्राम नमक खाना चाहिए। यह लगभग एक चम्मच के बराबर होता है।

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए नमक पोषक तत्व का कार्य करता है, लेकिन हाई बीपी से ग्रसित लोगों को डॉक्टर द्वारा नमक से परहेज करने को कहा जाता है। नमक के ज्यादा सेवन को लेकर सबकी धारणाएं अलग अलग हो सकती हैं। दरअसल, नमक एक प्राकृतिक खनिज है, जो सोडियम और क्लोरीन से भरपूर होता है। इसमें सोडियम की मात्रा 40% और क्लोरीन की मात्रा 60% होती है। यह दोनों ही तत्व शरीर के लिए आवश्यक होते हैं। जब शरीर में नमक की कमी हो जाती है, तो ऐसे मरीज को लो ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। इसके अतिरिक्त दिल की मांसपेशियां और शरीर का पाचन तंत्र भी गड़बड़ा सकता है।

नमक की सही मात्रा का सेवन है जरूरी

नमक की पर्याप्त मात्रा शरीर के लिए आवश्यक होती है इसलिए वयस्कों को दिन में कम से कम 6 ग्राम नमक खाना चाहिए। यह लगभग एक चम्मच के बराबर होता है। वही 1 से 3 साल के बच्चों को 1 दिन में 2 ग्राम नमक दिया जाना चाहिए और 4 से 6 साल के बच्चों को दिन में 3 ग्राम नमक की आवश्यकता होती है। 7 से 10 साल के बच्चों को 1 दिन में 5 ग्राम नमक खाना चाहिए और 11 साल से अधिक उम्र वालों को दिन में 6 ग्राम नमक जरूर खाना चाहिए।

जिनमें नमक की कमी होती है, उन्हें अक्सर सिरदर्द, पेट में ऐंठन, मांसपेशियों में कमजोरी, चिड़चिड़ापन, दस्त या कब्ज लगना, दिल की धड़कन का तेज होना और शरीर में सुस्ती और थकान महसूस होती है। नमक की कमी होने पर यदि इसका तत्काल इलाज नहीं किया गया, तो रोगी को मस्तिष्क में सूजन या मस्तिष्क को अन्य नुकसान भी हो सकता है। कई मामलों में नमक की कमी मौत का कारण भी बन सकती है।

नमक की कमी से होने वाले रोग

जिन लोगों को नमक की कमी होती है, उन्हें अक्सर मांसपेशियों में ऐंठन, चक्कर आना, चिड़चिड़ापन हो सकता है। अत्यधिक गंभीर स्थिति में मरीज को कोमा और शॉक लगने का भी जोखिम हो सकता है।

नमक की कमी से ऐसे करें बचाव

नमक की कमी होने पर गर्मियों के मौसम में अधिक से अधिक पानी पीना चाहिए। पर्याप्त मात्रा में नमक का सेवन करना चाहिए। इन सभी बातों को यदि ध्यान रखेंगे तो नमक की कमी से होने वाले रोगों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

नमक की कमी का ये है इलाज

नमक की कमी दूर करने के लिए सोडियम क्लोराइड का घोल दिया जाता है या सोडियम क्लोराइड की बोतल चढ़ाई जाती है। नमक की कमी को पर्याप्त मात्रा में नमक खाकर और पर्याप्त मात्रा में पानी पीकर दूर किया जा सकता है। सिरदर्द, मतली और दौरा पड़ने जैसे लक्षण महसूस हो रहे हो तो इसके लिए भी डॉक्टर से परामर्श ले

अधिक नमक खाने से सेहत को होते हैं ये नुकसान,

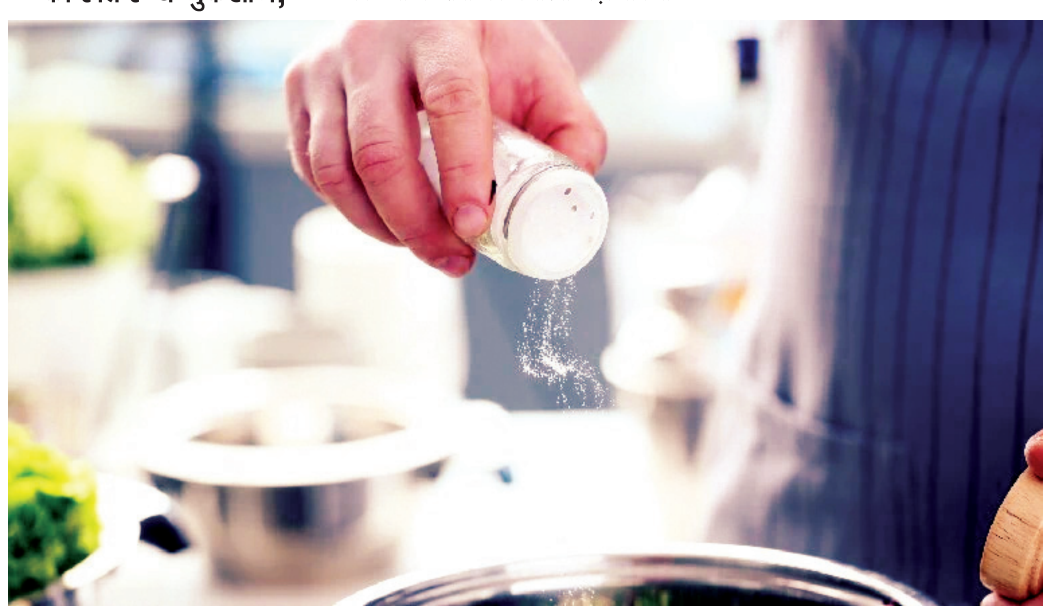

निरोग बने रहने के लिए ध्यान रखें ये बातें

- जरूरत से ज्यादा नमक सेहत को पहुंचा सकता हैं ये नुकसान। सेहतमंद बने रहने के लिए सोडियम जरूरी है, पर इसकी अधिक मात्रा दिल और किडनी के रोगों की गंभीरता बढ़ा सकती है। नमक संभलकर खाएं।
- हमारी सेहत के लिए सोडियम जरूरी है, पर इसकी अधिक मात्रा दिल और किडनी के रोगों की गंभीरता बढ़ा सकती है। यही वजह है कि डॉक्टर भी नमक संभलकर खाने की सलाह देते हैं।
- कम या ज्यादा नमक खाने का स्वाद बिगाड़ सकता है। उसी तरह शरीर की सेहत के लिए भी नमक का बहुत ज्यादा या कम होना अच्छा नहीं रहता। सोडियम का कम सेवन कई तरह से शरीर को लाभ पहुंचाता है लेकिन वहीं अगर शरीर में इसकी अधिकता हो जाए तो ये सेहत को कई तरह के नुकसान भी पहुंचा सकता है।

भोजन में नमक ज्यादा खाने के नुकसान-

- खून में सोडियम की मात्रा अधिक होने से रक्तसंचार काफी तेजी से होता है, जिससे बीपी बढ़ जाता है। लगातार ऐसा रहना हार्ट अटैक की आशंका को बढ़ा देता है।
- नमक पानी को सोखता है। हाई बीपी के मरीज जब ज्यादा नमक खाते हैं तो संतुलन बनाने के लिए नमक पानी को सोखता है, जिससे खून में नमक और पानी की मात्रा बढ़ जाती है तथा धमनियों पर दबाव बढ़ता है। ऐसे में दिल और किडनी को अधिक मेहनत करनी पड़ती है।
- पाचन क्रिया के दौरान जो तत्त्व शरीर के लिए हानिकारक होते हैं, किडनी रक्त से उन्हें छानकर बाहर निकालती है। शरीर में सोडियम की मात्रा बढ़ने से ब्लड में यूरिया बढ़ जाता है। इससे किडनी में संक्रमण की आशंका बढ़ती है और किडनी को मेहनत ज्यादा करनी पड़ती है। इससे किडनी को स्थायी नुकसान भी पहुंच सकता है।
- जिन्हें त्वचा से जुड़ी परेशानियां रहती है, उन्हें भी कम नमक खाना चाहिए। सोडियम की ज्यादा मात्रा से त्वचा में जलन, खुजली, लालीपन व संक्रमण की आशंका बढ़ जाती है।

कच्चा नमक है रोगों का घर

कई बार खाने में नमक कम होने पर हम नमक ऊपर से डाल लेते हैं। भोजन में ऊपर से मिलाया हुआ नमक कच्चा होता है, जो तनाव, सिरदर्द, हाईबीपी के साथ त्वचा की समस्याओं को भी बढ़ाता है। सब्जी पकाते वक्त खाने में डाला गया नमक, कच्चे नमक की तुलना में कम नुकसान करता है।

सेंधा नमक खाएं-

आयुर्वेद में सेंधा नमक को सबसे शुद्ध और हल्का माना गया है। यह नमक शरीर को ठंडा रखता है और पाचन सही रखता है। सेंधा नमक को इम्युनिटी के लिए भी अच्छा माना जाता है। सेंधा नमक शरीर से बढ़े हुए वजन को भी कम करता है। इस नमक में सोडियम कम और पोटैशियम ज्यादा होता है, जो बीपी को काबू रखता है।

ध्यान रखें ये बातें-

- रोजाना 5 ग्राम से अधिक नमक न खाएं।
- भोजन में ऊपर से नमक न मिलाएं।
- घर का बना खाना खाएं। नमक प्रिजर्वेटिव का काम करता है। बाजार के डिब्बाबंद भोजन, आचार और चटनी आदि का सेवन कम करें।
- फल व मेवे बिना नमक मिलाए खाएं।
- नमक के साथ पानी सेवन अनुपातिक होना चाहिए ।

विद्या और धन की प्राप्ति होती है बृहस्पति की पूजा से

इस दिन ब्रह्स्पतेश्वर महादेव जी की भी पूजा होती है। व्रहस्पति वार के व्रत में दिन में एक समय ही बिना नमक का भोजन करना चाहिए। अच्छा होगा भोजन चने की दाल का बना हुआ हो। इस दिन पूजा करने वाले पीले वस्त्र और पीले पुष्प धारण करें। भगवान विष्णु और बृहस्पति गुरू की पीले रंग के फूल, चने की दाल, पीले कपड़े तथा पीले चन्दन से पूजा करनी चाहिए। साथ ही इस व्रत मे केले का पूजन भी करना चाहिए।

बृहस्पति देवता को भगवान विष्णु का ही एक रूप माना जाता है। गुरूवार को भगवान बृहस्पति की पूजा होती है। इसदिन गुरु की पूजा से विद्या और धन दोनों की प्राप्ति होती है। बृहस्पति देवता को बुद्धि और शिक्षा का देवता माना जाता है। बृहस्पति जहां भगवान विष्णु का ही रूप हैं वहीं भगवान विष्णु जी धन की देवी लक्ष्मी के पति भी हैं। अतः गुरूवार को बृहस्पति देव की पूजा करने से धन, विद्या, पुत्र और अन्य मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। इससे परिवार में सुख तथा शांति बनी रहती हैं। बहुत से अविवाहित लोग गुरूवार का व्रत जल्दी विवाह करने के लिये भी करते हैं।

इस दिन ब्रह्स्पतेश्वर महादेव जी की भी पूजा होती है। व्रहस्पति वार के व्रत में दिन में एक समय ही बिना नमक का भोजन करना चाहिए। अच्छा होगा भोजन चने की दाल का बना हुआ हो। इस दिन पूजा करने वाले पीले वस्त्र और पीले पुष्प धारण करें। भगवान विष्णु और बृहस्पति गुरू की पीले रंग के फूल, चने की दाल, पीले कपड़े तथा पीले चन्दन से पूजा करनी चाहिए। साथ ही इस व्रत मे केले का पूजन भी करना चाहिए। गुरूवार को सुबह उठकर बृहस्पति देव का पूजन करना चाहिए। इसके लिए स्नान आदि करके पीले फूल, चने की दाल, मुनक्का, पीली मिठाई, पीले चावल और हल्दी चढ़ा कर भगवान को प्रसन्न करें फिर केले के पेड़ की पूजा करें। बृहस्पतिवार की व्रत का पाठ करें और उनकी आरती करें। कथा पूजन के दौरान किसी से भी बात ना करें। गुरुवार को भगवान बृहस्पति की पूजा का विधान है। इस दिन गुरू भगवान और विष्णु जी की पूजा और व्रत करने से ऋण मुक्ति, शीघ्र विवाह और संपत्ति प्राप्ति होती है। बृहस्पति देव को बुद्धि का कारक भी माना गया है अतः इस पूजा से ज्ञान में भी वृद्धि होती है। इसके अलावा ऐसा भी कहा जाता है कि विष्णु जी की पूजा से मनाकामनायें पूर्ण होती हैं और अच्छा स्वास्थ भी प्राप्त होता है।

ऐसे करें पूजा

इस दिन केले के पेड़ की पूजा करना अच्छा माना जाता है। गुरुवार के दिन पूजा और व्रत रखने वालों को पीले वस्त्र धारण कर के सुबह उठकर बृहस्पति देव का पूजन करना चाहिए। पूजा में पीली वस्तुएं जैसे पीले फूल, चने की दाल, मुनक्का, पीली मिठाई, पीले चावल और हल्दी चढ़ा का प्रयोग किया जाता है। इस व्रत में केले के पेड़ की पूजा की पूजा का सर्वाधिक महत्व होता है। पूजा के बाद बृहस्पतिवार की कथा का श्रद्धा पूर्वक पाठ करना चाहिए। इससे मनोकामना की पूर्ति होती है। इसके लिए कन्याओं को भोजन कराएं, पीली चुनरी या पीला रुमाल भेंट करें। अच्छे स्वास्थ्य और पारिवारिक सुख शांति के लिए विष्णु जी को चने की दाल चढ़ाई जाती है। यदि विवाह में किसी भी प्रकार की समस्या आ रही हो तो गुरुवार का व्रत करना चाहिए और विष्णु जी को जुड़े हुए फल चढ़ायें, साथ ही कर्ज से मुक्त होने के लिए आम लगे हुए आम के बौर से पूजा करें। गुरु ग्रह को सुदृढ़ करने के लिए इन आसान उपायों का पालन करें। सबसे पहले गुरुवार का व्रत रखें। इस दिन पीले वस्त्र पहनें और बिना नमक का पीला ही भोजन करें जैसे बेसन के लड्डू, आम बेसन की रोटी आदि। गुरु बृहस्पति की पूजा करें। इसमें केसरिया चंदन, पीले चावल, पीले फूल व भोग में पीले पकवान या फल अर्पित करें। अंत में वृहस्पति भगवान की आरती करें।

ऑस्टियोपोरोसिस से बचाता है सीबीएफ-बीटा प्रोटीन

शोधकर्ताओं ने एक ऐसी प्रणाली की पहचान की है जो बताता है कि बुजुर्गो की हड्डियों में कमजोरी क्यों आ जाती है। साथ ही शोधकर्ताओं ने ऐसा तरीका खोज निकाला है, जिसके जरिए बढ़ती उम्र के साथ हड्डियां कमजोर होने के इलाज में काम आ सकता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऑस्टियोपोरोसिस यानी हड्डी के पतलेपन और डेंसिटी में कमी के कारण हड्डी टूटने का खतरा बढ़ जाता है। यह बुजुर्गो की एक प्रमुख स्वास्थ्य समस्या है। अक्सर ये हालात बोन मैरो में फैट सेल्सर की वृद्धि के साथ पैदा होते हैं। बर्मिंघम के अलबामा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर यू-पिंग ली के एक अध्ययन में सामने आया है कि सीबीएफ-बीटा नामक एक प्रोटीन हड्डियों के बनने में मददगार कोशिकाओं को शरीर में बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एक परीक्षण में पाया गया कि युवाओं की तुलना में वृद्ध लोगों की बोन मैरो सेल्स में सीबीएफ-बीटा का स्तर कम पाया गया। इस निष्कर्ष से पता चलता है कि इस प्रणाली में खराबी आने पर, कोशिकाएं हड्डियों को बनाने में मदद करना बंद कर देती हैं और फैट सेल्स को बनाने में मदद करती हैं। ली ने कहा कि सीबीएफ-बीटा नाम के प्रोटीन को बनाए रखना ह्यूमन लाइफ रिलेटिड ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने में मदद कर सकता है।शोधकर्ताओं का कहना है कि इस प्रणाली की जानकारी होने से कम से कम साइड इफेक्ट के साथ ह्यूमन बोन मेरो का इलाज किया जा सकता है।

उम्र के हिसाब से बदलती है बच्चों की जरुरतें

यह बात बिल्कुल सही है कि एक रात में ही बच्चे में अलग सोने की आदत नहीं विकसित की जा सकती। मां के साथ सोने से बच्चे को खुशनुमा और सुरक्षा का अहसास होता है। इसके लिए आपको शुरुआत करनी होगी। वैसे तो इसके लिए कोई निर्धारित समय नहीं है लेकिन कई बार बच्चे खुद भी इस बात को समझने लगते हैं कि उन्हें अकेला सोना चाहिए।

बच्चों को स्वभाव और जरूरत उम्र के हिसाब से बदलती रहती है। उनकी जरूरतों को समझना अभिभावकों की पहली जिम्मेदारी है। छोटे बच्चों को अपने साथ सुलाना आपकी और बच्चे दोनों की जरूरत है लेकिन जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होता जाता है, उसे अलग सुलाने की आदत डालें। 8 ज्यादा से ज्यादा 10 साल की उम्र तक बच्चे में अलग सोने की आदत विकसित करें। इससे वह मजबूत होगा,उससे अंदर का डर निकल जाएगा। आप भी इस जरूरत को समझते हैं लेकिन बच्चो को इसके लिए तैयार नहीं कर पा रहे तो जानें कब करें बच्चे को अलग सुलाने की शुरुआत।

कब और कैसे करें शुरुआत

यह बात बिल्कुल सही है कि एक रात में ही बच्चे में अलग सोने की आदत नहीं विकसित की जा सकती। मां के साथ सोने से बच्चे को खुशनुमा और सुरक्षा का अहसास होता है। इसके लिए आपको शुरुआत करनी होगी। वैसे तो इसके लिए कोई निर्धारित समय नहीं है लेकिन कई बार बच्चे खुद भी इस बात को समझने लगते हैं कि उन्हें अकेला सोना चाहिए। आप 8 साल की उम्र के बाद ऐसी कोशिश कर सकते हैं।

एकदम नहीं धीरे-धीरे करें शुरुआत

बच्चे से इस बारे में बात करें। धीरे-धीरे बीच में एक दिन उसे अकेला सुलाएं। बीच-बीच में उसका ध्यान भी रखें। उसे इस चीज की आदत पड़नी शुरु हो जाएगी।

उसकी पसंद से सजाएं कमरा

बच्चे को सजा हुआ कमरा पसंद होता है। उसकी पसंद के हिसाब से उसका कमरा सजाएं। कमरे में जरूरत का हर सामान मौजूद होना चाहिए। आप कम बजट में क्रिएटिव तरीके से भी उसकी जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। इससे कमरे में उसकी मन लगा रहेगा।

अलग सोने के फायदे

अगर बच्चा अकेला सोता है तो उसमें आत्मविश्वास आना शुरु हो जाता है। इसके साथ उसके मन से डर निकलना शुरु हो जाता है। उसे अपने काम खुद करने की आदत पड़ जाती है। इससे भविष्य में उसे लाभ होगा।

ऑस्ट्रेलिया भेजने के नाम पर 7 लाख की ठगी

यमुनानगर,(ईएमएस)। हरियाणा के यमुनानगर जिले में विदेश भेजने के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। जगाधरी थाना पुलिस ने इस संबंध में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता अशोक कुमार, निवासी कल्याणनगर, ने आरोप लगाया है कि चंडीगढ़ के सेक्टर-22 स्थित एक निजी फर्म ने उसे ऑस्ट्रेलिया भेजने का झांसा देकर करीब 7 लाख रुपये ठग लिए।

पीड़ित के अनुसार, उसने मोबाइल पर एक विज्ञापन देखा था जिसमें ईवीएम/ईवीएस ग्रुप नाम की फर्म द्वारा विदेश भेजने का दावा किया गया था। दिए गए नंबर पर संपर्क करने के बाद उसे फर्म के कार्यालय बुलाया गया। 24 अप्रैल 2025 को वह चंडीगढ़ स्थित दफ्तर पहुंचा, जहां उसे ऑस्ट्रेलिया भेजने के लिए कुल 10 लाख रुपये खर्च बताए गए।

आरोप है कि फर्म के कहने पर उसने अलग-अलग किश्तों में लगभग 7 लाख रुपये जमा करा दिए। इसके बाद भी लंबे समय तक वीजा प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी। जब उसने इस बारे में संपर्क किया तो उसे बार-बार यह कहकर टाल दिया गया कि अन्य युवकों के साथ समूह में भेजा जाएगा, इसलिए देरी हो रही है। काफी समय बीत जाने के बाद जब पीड़ित ने दोबारा संपर्क किया तो फोन उठाना भी बंद कर दिया गया। बाद में जब वह कार्यालय पहुंचा, तो उसे बताया गया कि उसका वीजा नहीं लगा। रुपये वापस मांगने पर आरोपियों ने टालमटोल की और अंततः पैसे लौटाने से इनकार कर दिया। पीड़ित का यह भी आरोप है कि आरोपियों ने उसे झूठे केस में फंसाने की धमकी दी। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की भूमिका की पड़ताल की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि विदेश भेजने के नाम पर ठगी के मामलों में बढ़ोतरी हो रही है, इसलिए लोगों को सतर्क रहने और किसी भी एजेंसी को पैसे देने से पहले उसकी सत्यता की जांच करने की सलाह दी गई है।

फर्जी आईएएस बनकर दूसरी शादी करने वाला दूल्हा निकला 10वीं पास

इटावा,(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां खुद को आईएएस अधिकारी बताकर एक युवक ने दूसरी शादी कर ली। बाद में खुलासा हुआ कि वह न तो अधिकारी है और न ही उच्च शिक्षित, बल्कि केवल हाईस्कूल (10वीं) पास है। आरोपी की पहचान अर्जुन उर्फ प्रीतम निषाद के रूप में हुई है, जो बकेवर क्षेत्र के अंदावा की मड़ैया का निवासी बताया जा रहा है। उसने गोरखपुर के एक परिवार की युवती से खुद को आईएएस अधिकारी बताकर शादी की। इतना ही नहीं, उसने अपने माता-पिता को मृत बताकर भी परिवार को गुमराह किया, जबकि वे जीवित हैं।

जांच में सामने आया कि प्रीतम पहले से ही शादीशुदा है। उसकी पहली शादी औरैया जिले के दौलतपुर गांव की एक युवती से हुई थी और उसने उसे तलाक भी नहीं दिया था। इसके बावजूद उसने दूसरी शादी रचाकर न सिर्फ धोखाधड़ी की, बल्कि कानून का भी उल्लंघन किया।

शादी के बाद जब वधू पक्ष के लोग बेटी की विदाई के लिए इटावा पहुंचे, तब सच्चाई धीरे-धीरे सामने आने लगी। जिस मकान को आरोपी अपना बता रहा था, वह दरअसल किराए का निकला। विदाई के अगले ही दिन पूरे झूठ का पर्दाफाश हो गया। सच्चाई सामने आते ही लड़की पक्ष ने जमकर हंगामा किया और अपनी बेटी को वापस ले गए। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। अभय नारायण राय ने बताया कि आरोपी की तलाश के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घटना के बाद इलाके में इस जालसाजी की खूब चर्चा हो रही है। आरोपी के परिजनों ने भी उसके इस कृत्य को शर्मनाक बताते हुए कहा कि उसने पूरे परिवार की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाई है।

अस्तित्व बचाने के लिए तीन बच्चे जरूरी:मोहन भागवत

मथुरा (ईएमएस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने भारत में घुसपैठ को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए लोगों से संदिग्ध अवैध प्रवासियों की जानकारी अधिकारियों को देने और यह सुनिश्चित करने का आहवान करते हुए कहा है कि ऐसे लोगों को देश में रोजगार न मिले। यूपी के मथुरा जिले के वृंदावन के रुक्मिणी विहार स्थित नव-निर्मित 'जीवनदीप आश्रम' का लोकार्पण करने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने अमेरिका और चीन जैसे देशों की 'आक्रामक' प्रवृत्ति की निंदा की और भारत को अन्य दृष्टिकोणों के प्रति अधिक उदार बताया। संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि अस्तित्व बचाने के लिए तीन बच्चे जरूरी हैं और घर वापसी करने वालों का स्वागत हो। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि यदि ऐसे उपाय लागू किए जाएं तो पांच से दस वर्षों में स्थिति में सुधार संभव है और घटती जन्म दर स्थिर हो सकती है। संघ प्रमुख ने तीन संतान नीति पर जोर देते हुए कहा कि उच्च जन्म दर आवश्यक है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर परिवार के स्वास्थ्य के लिए तीन बच्चों की सलाह देते हैं, क्योंकि बचपन में होने वाले मेलजोल से बच्चों में सामाजिक कौशल और समूह में सामंजस्य स्थापित करने की क्षमता विकसित होती है। उन्होंने जनसंख्या संबंधी अध्ययनों का हवाला देते हुए कहा कि तीन से कम प्रजनन दर दीर्घकालिक जोखिम पैदा कर सकती है। उन्होंने कहा कि कम जन्म दर वाले कई देशों ने अपनी जनसंख्या वृद्धि दर तीन से ऊपर ले जाने के प्रयास किए हैं। परिवारों को दो बच्चों तक सीमित रहने के बजाय तीन बच्चों का लक्ष्य रखना चाहिए। हालांकि, कोई भी नीति बनाते समय जनहित सर्वोपरि होना चाहिए। भागवत ने जबरन धर्मांतरण को रोकने का आह्वान करते हुए कहा कि सरकार कानून बना सकती है, लेकिन समाज को भी इसे रोकने की जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने दावा किया कि अनेक धर्मांतरित लोग मूल रूप से हिंदू रहे हैं और यदि वे वापस आना चाहते हैं तो उनका स्वागत किया जाना चाहिए।

सीएम मान का रंधावा सुसाइड मामले की जांच सीबीआई को सौंपने से इंकार

अमृतसर,(ईएमएस)। पंजाब के अमृतसर में वेयरहाउस के डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (डीएम) गगनदीप सिंह रंधावा के सुसाइड मामले ने राज्य की राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इंकार कर दिया है। चंडीगढ़ में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि सरकार पहले ही सख्त कदम उठा चुकी है और कानून के अनुसार कार्रवाई जारी है। सीएम मान ने बताया कि आरोपी पूर्व मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर से इस्तीफा लेकर गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच के लिए चीफ सेक्रेटरी स्तर की कमेटी गठित की गई है, जो पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच करेगी। उन्होंने दोहराया कि उनकी सरकार में "मंत्री और संतरी सभी के लिए कानून एक समान है" और किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

एलपीजी सिलिंडर डिलीवर पर एक्स्ट्रा पैसे की मांग तो यूजर्स करें अधिकारों का इस्तेमाल

उपभोक्ता हेल्पलाइन पर करें शिकायत, यूजर्स वही कीमत दें जो आधिकारिक रूप से तय हो

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दुनिया के कई हिस्सों में चल रहे युद्ध और बढ़ते तनाव की वजह से तेल और गैस सप्लाई पर असर पड़ा है। इसका सीधा असर अब आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर नजर आने लगा है। कई जगहों पर गैस सिलेंडर समय पर नहीं मिल पा रहे हैं और डिलीवरी में देरी आम बात है। इसी बीच एक और समस्या सामने आ रही है, जो लोगों की परेशानी को और बढ़ा रही है। कुछ यूजर्स शिकायत कर रहे हैं कि सिलेंडर लेने के समय उनसे अतिरिक्त पैसे मांगे जा रहे हैं या बिना डिलीवरी के ही सिस्टम में सिलेंडर डिलीवर दिखाया जाता है यानी जहां एक तरफ एलपीजी की कमी है, वहीं दूसरी तरफ कुछ जगहों पर इसका गलत फायदा उठाने की कोशिश की जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऐसी स्थिति में अक्सर लोग समझ नहीं पाते कि क्या करें और कहां शिकायत करें। सिलिंडर देने पर एक्स्ट्रा पैसे मांगने या डिलीवरी में देरी होने पर आप शिकायत कर सकते हैं और कैसे अपने अधिकारों का इस्तेमाल कर सकते हैं। गैस सिलेंडर की कीमत सरकार और ऑयल कंपनियों द्वारा तय की जाती है। इसमें डिलीवरी चार्ज भी शामिल होता है। अगर डिलीवरी बॉय या एजेंसी आपसे तय कीमत से ज्यादा पैसे मांगती है, तो यह पूरी तरह गलत है। यूजर्स को सिर्फ वही कीमत देनी चाहिए, जो आधिकारिक रूप से तय हो।

अगर आपसे एक्स्ट्रा पैसे मांगे जा रहे हैं या डिलीवरी में देरी हो रही है, तो आप अपनी गैस एजेंसी से सीधे संपर्क करें। कई बार समस्या वहीं हल हो जाती है। अगर वहां से समाधान नहीं होता है, तो आप संबंधित गैस कंपनी के कस्टमर केयर नंबर पर शिकायत दर्ज कर सकते हैं। इसके अलावा आप राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर भी शिकायत कर सकते हैं, जहां आपकी समस्या दर्ज कर कार्रवाई की जाती है। आप ऑनलाइन पोर्टल के जरिए भी शिकायत दर्ज कर सकते हैं, जो आसान और तेज तरीका है।

ऑनलाइन शिकायत करना सबसे आसान है। आप गैस एजेंसियों की वेबसाइट पर जाकर कस्टमर केयर सेक्शन में शिकायत दर्ज कर सकते हैं। इसके अलावा उपभोक्ता हेल्पलाइन की वेबसाइट या ऐप के जरिए भी आप अपनी समस्या लिखकर सबमिट कर सकते हैं। अगर ऑनलाइन शिकायत करना संभव नहीं है तो आप गैस कंपनियों के कस्टमर केयर नंबर पर कॉल करके भी अपनी समस्या बता सकते हैं। इंडेन हेल्पलाइनः 1800-233-3555, भारत गैस हेल्पलाइनः 1800-22-4344, एचपी हेल्पलाइनः 1800-233-3555 इन नंबरों पर कॉल कर आप अपनी बुकिंग नंबर और समस्या की जानकारी दे सकते हैं। जब भी आप शिकायत करें, तो अपनी कंज्यूमर आईडी, बुकिंग नंबर और समस्या की पूरी जानकारी जरूर दें। इसके साथ अगर आपके पास कोई मैसेज, बिल या स्क्रीनशॉट है, तो उसे भी सुरक्षित रखें। इससे आपकी शिकायत जल्दी और सही तरीके से सुलझाई जा सकती है।

कोल्ड स्टोरेज हादसे पर पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई मालिक, मैनेजर समेत 12 पर एफआईआर

प्रयागराज,(ईएमएस)। प्रयागराज के फाफामऊ क्षेत्र में स्थित कोल्ड स्टोरेज में हुए दर्दनाक हादसे के बाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई कर मालिक, मैनेजर सहित 12 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इस मामले में समाजवादी पार्टी सरकार में पूर्व मंत्री रहे अंसार अहमद को हिरासत में लेकर पूछताछ हो रही है।

यह हादसा तब हुआ जब आदर्श कोल्ड स्टोरेज में अमोनिया टैंक फट गया, जिसके बाद पूरी इमारत भरभराकर ढह गई। इस दुर्घटना में चार मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि लगभग 17 लोग घायल हो गए। मृतकों में तीन मजदूर बिहार के निवासी बताए जा रहे हैं। घायलों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार, मामले में पूर्व मंत्री अंसार अहमद, उनके भतीजे और कोल्ड स्टोरेज मैनेजर उस्मान, करीबी सहयोगी असलम बाबा, मंजूर, अलाउद्दीन, जावेद, मोहम्मद इरफान और पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या सहित कई गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। सभी आरोपी फाफामऊ के चंद्रपुर इलाके के रहने वाले हैं।

एफआईआर में कई गंभीर लापरवाहियों का उल्लेख किया गया है। जांच में सामने आया है कि कोल्ड स्टोरेज की हालत जर्जर थी और काम कर रहे मजदूरों को किसी प्रकार का प्रशिक्षण नहीं दिया गया था। सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई थी और मरम्मत के लिए कोई तकनीकी विशेषज्ञ मौजूद नहीं था। इसके अलावा, अधिक मुनाफा कमाने के लिए निर्धारित क्षमता से कहीं अधिक सामान भरा गया था, जिससे हादसे का खतरा बढ़ गया। घटना के दूसरे दिन भी राहत और बचाव कार्य जारी है। अमोनिया गैस के रिसाव का असर आसपास के क्षेत्रों तक महसूस किया गया, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर मौजूद रहकर हर पहलू की गहन जांच कर रही हैं।

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि मामले की जांच तेजी से की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। यह हादसा प्रशासनिक लापरवाही और सुरक्षा मानकों की अनदेखी का गंभीर उदाहरण बनकर सामने आया है।

कश्मीर की अलगाववादी नेता आसिया अंद्राबी को उम्रकैद की सजा

दो सहयोगियों को भी 30-30 साल की जेल

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली की कड़कड़डूमा अदालत ने कश्मीर की अलगाववादी नेता आसिया अंद्राबी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। वहीं उसकी दो सहयोगियों सोफी फहमीदा और नाहिदा नसरीन को 30-30 साल की जेल की सजा दी गई। तीनों को इससे पहले जनवरी में गैरकानूनी गतिविधियां (निवारण) अधिनियम (यूएपीए) के तहत दोषी ठहराया गया था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश चंदर जीत सिंह की अदालत ने सजा पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह फैसला सुनाया। अदालत ने अपने पूर्व निर्णय में कहा था कि आसिया अंद्राबी और उसकी सहयोगियों ने कश्मीर को भारत से अलग करने की साजिश रची और देश विरोधी गतिविधियों में शामिल रहीं। 14 जनवरी को अदालत ने तीनों आरोपियों को यूएपीए की विभिन्न धाराओं—धारा 20 (आतंकवादी संगठन का सदस्य होना), धारा 38 (आतंकवादी संगठन से जुड़ाव) और धारा 39 (आतंकवादी संगठन का समर्थन) के तहत दोषी ठहराया था। इसके अलावा, भारतीय दंड संहिता की धारा 153ए, 153बी, 120बी, 505 और 121ए के तहत भी इन्हें अपराधी पाया गया। इस मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की ओर से वरिष्ठ सरकारी वकील ने कड़ी सजा की मांग की थी। एजेंसी का कहना था कि आरोपी देश के खिलाफ गंभीर साजिशों और गतिविधियों में शामिल रही हैं, इसलिए उन्हें ऐसी सजा दी जानी चाहिए जो समाज में एक कड़ा संदेश दे और भविष्य में इस तरह के अपराधों पर रोक लगे। गौरतलब है कि तीनों आरोपियों को जुलाई 2018 में गिरफ्तार किया गया था। लंबे समय तक चली सुनवाई और साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने यह फैसला सुनाया, जिसे देश विरोधी गतिविधियों के खिलाफ एक सख्त कानूनी कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है।

पैकेटबंद जूस युवाओं को बना रहा है बीमार : सांसद राघव चड्ढा

नई दिल्ली (ईएमएस)। संसद में सांसद राघव चड्ढा ने दावा किया है कि बाजार में जो पैकेटबंद जूस बीमारियों का घर है। इसमें ऐसे रसायन है जो बीमारी करते है। कंपनियां डिब्बे पर सही जानकारी नहीं देती जिसके कारण युवाओं को यह आसानी से बीमारियों का शिकार बनाता है।

चड्ढा ने इसके लिए तीखा सवाल करते हुए कहा कि बाजार में जो पैकेटबंद जूस हम पीते है उसकी पैकेजिंग से हमें लगता है कि यह बहुत ही ताजा और शुद्ध है। लेकिन वास्तव में वह बेहद खराब है। इस जूस में चीनी का घोल रहता है जो युवाओं को डायबिटीज, मोटापा और लाइफस्टाइल की कई बीमारियों का घर बनाता है।

चड्ढा ने सरकार से सवाल का जवाब मांगते हुआ कहा कि भारत का कंज्यूमर ब्रांड एक बड़ी बीमारी का शिकार है। जब हम फ्रूट जूस खरीदते हैं तो डिब्बे पर एकदम बढ़िया फ्रेश फ्रूट जूस की तस्वीर रहती है। यह बहुत अच्छी लगती है और इससे लगता है कि जूस बहुत ताजा है। लेकिन डिब्बे के पीछे छोटे-छोटे अक्षरों लिखा रहता है कि यह पिक्चर मार्केटिंग के लिए है। सरकार इस तरह के भ्रामक प्रचार पर पाबंदी लगाए।

जूस के डिब्बे पर एफएसएसएआई की मुहर लगी है तो हम यह मान कर चलते हैं कि यह जूस सही होगा। एफएसएसएआई मार्क नहीं है तो इसका मतलब है कि इसकी शुद्धता की गारंटी नहीं है। पैकेटबंद जूस में कई तरह के प्रिजर्वेटिव्स, एडेड शुगर, हाई फ्रूक्टोज कॉर्न सिरप, कलर मिलाए जाते हैं। उपभोक्ताओं को साफ तौर से पता होना चाहिए कि वे जो खरीद रहे हैं, वह असली फ्रूट जूस है या फिर चीनी और प्रिजर्वेटिव से बना ड्रिंक।

नवरात्रि पर वैष्णो देवी मंदिर में लग रही श्रद्धालुओं की भीड़ प्रशासन ने किए सुरक्षा इंतजाम

जम्मू,(ईएमएस)। नवरात्रि के पावन अवसर पर वैष्णो देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। भक्तगण माता के दर्शन कर रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक तीर्थयात्रियों की संख्या में इस बार वृद्धि देखी जा रही है। इसके बावजूद यात्रा व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित की जा रही है। कटरा स्थित बेस कैंप से लेकर भवन तक जाने वाला पूरा मार्ग श्रद्धालुओं से भरा है।

प्रशासन ने बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने और यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, आवागमन और ठहरने की व्यवस्था को मजबूत किया गया है ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। भीड़ को देखते हुए 21 मार्च की शाम को यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को रोकना पड़ा था। हालांकि स्थिति सामान्य होते ही 22 मार्च की सुबह से रजिस्ट्रेशन फिर से शुरू कर दिया गया। प्रशासन का कहना है कि आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ सकती है, जिसे ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त प्रबंध किए जा रहे हैं। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे यात्रा के दौरान तय दिशा-निर्देशों का पालन करें और सहयोग करें, ताकि सभी को सुरक्षित और सुगम दर्शन का लाभ मिल सके।

ईरान से कच्चे तेल पर छूट मिलते ही भारत ने कर ली तेल खरीद को लेकर पहली डील

नई दिल्ली,(ईएमएस)। तेल की बढ़ती कीमतों के बीच हाल ही में अमेरिका ने ईरानी तेल पर लगे प्रतिबंधों में अस्थायी छूट दे दी है। इस छूट के बाद भारत ने ईरान से तेल खरीद को लेकर पहली डील पक्की कर ली है। यह डील 50 लाख बैरल कच्चे तेल की खरीद को लेकर हुई है। हालांकि, यह सौदा भारत को काफी महंगा साबित हुआ है। दुनिया के सबसे बड़े रिफाइनिंग कॉम्प्लेक्स का संचालन करने वाली भारत की रिलायंस इंडस्ट्रीज ने ईरान के साथ तेल खरीद की डील की है। रिपोर्ट के मुताबिक, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने ईरान का 50 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदा है। सूत्र ने बताया कि इस कच्चे तेल की कीमत वैश्विक क्रूड बेंचमार्क ब्रेंट फ्यूचर्स के मुकाबले करीब 7 डॉलर प्रति बैरल अधिक पर तय हुई। हाल के वर्षों में चीन की रिफाइनरियां भारी मात्रा में ईरानी तेल खरीदती रही हैं। ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते चीन तक यह तेल ब्लैक मार्केट के जरिए पहुंचता है और अक्सर इस किसी दूसरे देश के तेल के रूप में रीब्रांड कर बेचा जाता है। अमेरिकी प्रशासन ने शुक्रवार को समुद्र में पहले से मौजूद ईरानी तेल की खरीद के लिए 30 दिन की अस्थायी छूट दी थी। यह छूट उन जहाजों पर लदे तेल पर लागू होती है, जो 20 मार्च तक लोड हो चुके हैं और 19 अप्रैल तक बंदरगाहों पर उतारे जाएंगे। ईरानी कंपनी के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज का समझौता भारत की मई 2019 के बाद ईरानी तेल की पहली खरीद है। ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते भारत ने ईरान से तेल खरीद बंद की थी। दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल आयातक और उपभोक्ता भारत ने ईरान से तेल की यह खरीद तब की है, जब मिडिल ईस्ट में युद्ध के चलते तेल की किल्लत जारी है। भारतीय रिफाइनरियों ने इस महीने सप्लाई की कमी को कम करने के लिए अमेरिका की छूट के बाद 4 करोड़ बैरल से ज्यादा रूसी कच्चा तेल खरीदा है।

महिला आरक्षण कानून में संशोधन को लेकर विशेष सत्र बुला सकती हैं मोदी सरकार, विपक्ष से चर्चा करने की जिम्मेदारी खुद शाह ने संभाली

नई दिल्ली,(ईएमएस)। महिला आरक्षण कानून में संशोधन के लिए मोदी सरकार की तैयारी जोरों पर जारी है। विपक्षी दलों के साथ भी मोदी सरकार बात कर रही है। इस बीच मंगलवार को विपक्षी दलों ने भी बैठक कर केंद्र सरकार से पूछा है कि आखिर आप इसमें क्या बदलाव चाहते हैं। यदि आप हमें विस्तार से बताया, तभी हम अपनी राय दे सकते और बताएंगे कि हम समर्थन कर पाएंगे अथवा नहीं। इस बारे में कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विपक्ष की ओर से संसदीय कार्य मंत्री को खत लिखा है। अब खबर है कि केंद्र सरकार इस संबंध में कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों को साधना चाहती है। इस कारण केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह खुद विपक्षी दलों से बात कर रहे हैं।

वहीं केंद्र सरकार के कुछ सूत्रों के हवाले से बताया गया हैं कि महिला आरक्षण के संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए विशेष सत्र भी बुलाया जा सकता है। मोदी सरकार कई संभावनाओं पर फिलहाल विचार कर रही है। पहला यह कि सहमति बन जाए, तब इसी सत्र को बढ़ाकर बिल लाए जांए। ऐसा ना होने पर फिर क्या विशेष सत्र लाया जा सकता है या फिर मॉनसून सेशन तक इंतजार किया जाए। दरअसल मोदी सरकार मसले पर जल्दबाजी में इसलिए भी दिख रही है, क्योंकि सीटें बढ़ने की स्थिति में परिसीमन होगा और चुनाव आयोग को लंबी मशक्कत करनी होगी। ऐसी स्थिति में कम से कम दो साल का समय चाहिए। 2026 का मार्च चल ही रहा है।

यदि अब अगले कुछ महीनों में बिल को मंजूरी मिली, तब पूरी प्रक्रिया होते-होते 2029 के आम चुनाव करीब आ जाएंगे। इसके बाद मोदी सरकार पर्याप्त समय लेकर चलना चाहती है। किसी विवाद से बचने के लिए केंद्र सरकार ने फिलहाल 2011 की जनगणना को ही आधार मानकर आरक्षण लागू करने का फैसला लिया है। इसके अलावा उसी के आधार पर सीटों की संख्या भी बढ़ेगी। इस कदम से दक्षिण भारत के राज्यों की चिंता भी दूर होगी। तमिलनाडु में एमके स्टालिन से लेकर आंध्र में चंद्रबाबू नायडू तक इस पर चिंता जता चुके हैं। उनका कहना था कि दक्षिण के राज्यों ने आबादी को सफलतापूर्वक नियंत्रित किया है। इसके बाद उनकी सीटों का अनुपात कम हुआ, तब यह जनसंख्या नियंत्रण के उपायों को लागू करने की एक सजा जैसा होगा।

अब जब मोदी सरकार ने 2011 को ही आधार वर्ष मान लिया है, तब फिर दक्षिण के राज्यों को राहत मिली है। अब टीडीपी, वाईएसआर और डीएमके जैसे दलों के समर्थन की सरकार को उम्मीद है। खबर है कि लोकसभा में महिला आरक्षण लागू करने के लिए सीटों को 50 फीसदी बढ़ाया जाएगा। इस तरह कुल सीटों की संख्या 816 होने का अनुमान है और यूपी की संख्या 120 हो जाएगी। महाराष्ट्र से 72 सांसद और बिहार के 60 सांसद और इसी तरह बंगाल में सीटों की संख्या 42 से बढ़कर 63 हो जाएगी।

किम जोंग बोले- परमाणु हथियार रखने का फैसला सही था:ईरान पर हमले ने हमें सच साबित किया, जीत मजबूत ताकत से तय होती है

प्योंगयांग. नॉर्थ कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन ने देश के पास परमाणु हथियार होने को लेकर खुशी जताई है। सरकारी मीडिया के मुताबिक उन्होंने कहा कि अमेरिका और इजराइल के ईरान पर किए गए हमले साबित करते हैं, कि उनके देश का परमाणु हथियार रखने का फैसला सही था। किम ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध दिखाता है कि आज की दुनिया में सिर्फ मजबूत सैन्य ताकत ही किसी देश को सुरक्षित रख सकती है। उन्होंने यह बयान सोमवार को संसद में लंबे भाषण के दौरान दिया। अपने भाषण में किम ने दक्षिण कोरिया के प्रति सख्त रुख दोहराया और कहा कि वह अपने देश की परमाणु ताकत को और मजबूत करेंगे, ताकि अमेरिका को रोका जा सके।

किम जोंग बोले- और ज्यादा परमाणु हथियार बनाएंगे

किम जोंग उन का यह भाषण मंगलवार को लिखित रूप में जारी हुआ है। इसमें उन्होंने कहा कि 2019 में ट्रम्प के साथ बातचीत टूटने के बाद परमाणु हथियार बढ़ाने का फैसला उनका सबसे सही कदम था। किम ने कहा कि नॉर्थ कोरिया अब अमेरिका के खिलाफ एकजुट मोर्चे में और ज्यादा सक्रिय भूमिका निभाएगा। हालांकि उन्होंने ट्रम्प का नाम सीधे नहीं लिया, लेकिन यह जरूर कहा कि उनके विरोधी टकराव चाहते हैं या शांति, यह उन पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि नॉर्थ कोरिया हर स्थिति के लिए तैयार है। किम ने देश को आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था बनाने, ज्यादा परमाणु हथियार और उन्हें ले जाने वाली मिसाइलें बनाने पर जोर दिया। किम ने यह भी कहा कि परमाणु हथियारों की वजह से नॉर्थ कोरिया अब ज्यादा सुरक्षित है और इसी वजह से वह अपने संसाधनों का इस्तेमाल आर्थिक विकास के लिए भी कर पा रहा है। अमेरिका दुनियाभर में जो आक्रामक कदम उठा रहा है, उससे साफ होता है कि उनका परमाणु हथियार बढ़ाने का फैसला गलत नहीं है। आज की स्थिति साफ दिखाती है कि दुश्मनों की बातों में न आकर परमाणु हथियार सुरक्षित रखने का फैसला भी सही था। नॉर्थ कोरिया को अब कोई भी खतरा नहीं है। जरूरत पड़ी तो हम दूसरे देशों के लिए खतरा बन सकते हैं। किसी देश की प्रतिष्ठा, हित और जीत सिर्फ सबसे मजबूत ताकत से ही तय होती है। हम अपने देश को एक परमाणु शक्ति के रूप में और मजबूत करते रहेंगे।

साउथ कोरिया को दुश्मन देश का दर्जा देंगे किम

साउथ कोरिया को लेकर उन्होंने कहा कि हम उसे सबसे बड़ा दुश्मन मानेंगे और पूरी तरह नजरअंदाज करेंगे। अगर साउथ कोरिया कोई भी कदम उठाता है जो उनके देश को नुकसान पहुंचाता है, तो उसे कड़ी सजा दी जाएगी। कई दशकों से अमेरिका और उसके सहयोगी देश, प्रतिबंध और बातचीत के जरिए नॉर्थ कोरिया को परमाणु कार्यक्रम छोड़ने के लिए मनाने की कोशिश करते रहे हैं, लेकिन अब तक सभी प्रयास असफल रहे हैं। व्हाइट हाउस में दोबारा आने के बाद ट्रम्प ने किम से फिर बातचीत करने की इच्छा जताई है। हालांकि, किम का कहना है कि बातचीत तभी हो सकती है, जब अमेरिका आधिकारिक तौर पर नॉर्थ कोरिया को परमाणु शक्ति के रूप में मान्यता दे। नॉर्थ कोरिया लंबे समय से यह कहता रहा है कि अगर लीबिया के मुअम्मर गद्दाफी और इराक के सद्दाम हुसैन के पास परमाणु हथियार होते तो उनका अंत इस तरह नहीं होता।

2019 में अमेरिका-नॉर्थ कोरिया की बातचीत टूटी थी

अमेरिका और नॉर्थ कोरिया के बीच परमाणु कार्यक्रम छोड़ने को लेकर साल 2018 में बातचीत शुरू हुई थी। इसे लेकर जून 2018 में सिंगापुर में पहली बार ट्रम्प और किम जोंग उन की ऐतिहासिक मुलाकात हुई थी। इसके बाद फरवरी 2019 में वियतनाम के हनोई में दूसरी बैठक हुई, लेकिन यहीं बातचीत टूट गई, क्योंकि दोनों पक्ष शर्तों पर सहमत नहीं हो पाए। इसके बाद नॉर्थ कोरिया ने कहा था कि अमेरिका पर भरोसा नहीं किया जा सकता और सुरक्षा के लिए उसे अपनी सैन्य ताकत बढ़ानी होगी। इसी सोच के तहत उसने अपने परमाणु हथियार और मिसाइल कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का फैसला किया। नॉर्थ कोरिया का मानना है कि मजबूत परमाणु क्षमता ही उसे बाहरी हमलों से बचा सकती है।

नॉर्थ कोरिया के पास अमेरिका तक पहुंचने वाली मिसाइलें हैं

इसके बाद नॉर्थ कोरिया ने धीरे-धीरे अपनी पुरानी रणनीति पर वापसी कर ली। उसने मिसाइल टेस्टिंग बढ़ा दी और अपने परमाणु कार्यक्रम को आगे बढ़ाने लगा। कई बार लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों का भी परीक्षण किया गया। फिलहाल नॉर्थ कोरिया के पास कुल कितनी मिसाइलें हैं, इसका सटीक आंकड़ा सार्वजनिक नहीं है। लेकिन एक्सपर्ट्स के अनुमान के मुताबिक नॉर्थ कोरिया के पास सैकड़ों बैलिस्टिक मिसाइलें हैं, जिनमें शॉर्ट रेंज, मीडियम रेंज और और लंबी दूरी (आईसीबीएम) की मिसाइलें शामिल हैं। आईसीबीएम यानी लंबी दूरी की मिसाइलें ऐसी हैं, जो अमेरिका तक पहुंचने की क्षमता रखती हैं। नॉर्थ कोरिया ने ह्वासोंग-15, ह्वासोंग-17 और ह्वासोंग-18 जैसी मिसाइलों की टेस्टिंग की है। इन मिसाइलों की रेंज लगभग 10,000 से 15,000 किलोमीटर तक मानी जाती है। इसका मतलब है कि ये अमेरिका के बड़े हिस्से तक पहुंच सकती हैं। कुछ रिपोर्ट्स यह भी मानती हैं कि नॉर्थ कोरिया के पास करीब 50–100 के आसपास परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम मिसाइलें हो सकती हैं, लेकिन यह पक्का आंकड़ा नहीं है।

लागार्डिया एयरपोर्ट हादसा: फौलादी फायर ट्रक से टकराकर तबाह हुआ विमान का कॉकपिट?

न्यूयॉर्क(ईएमएस)। लागार्डिया एयरपोर्ट पर एयर कनाडा के सीआरजे-900 विमान और एक भारी-भरकम फायर ट्रक के बीच हुई भीषण टक्कर ने विमानन विशेषज्ञों और आम लोगों को हैरान कर दिया है। इस हादसे में विमान का अगला हिस्सा यानी कॉकपिट पूरी तरह मलबे में तब्दील हो गया, जिससे दोनों पायलटों की जान चली गई। सवाल यह उठ रहा है कि जमीन से काफी ऊंचाई पर दिखने वाला विमान का कॉकपिट एक ट्रक से टकराकर इतनी बुरी तरह कैसे ध्वस्त हो गया?

विमानन इंजीनियरों के अनुसार, इसके पीछे मुख्य कारण विमान की बनावट और रिलेटिव हाइट (सापेक्ष ऊंचाई) का गणित है। अमूमन विमानों की कुल ऊंचाई उनकी पूंछ से मापी जाती है। सीआरजे-900 जैसे रीजनल जेट की कुल ऊंचाई भले ही 7.5 मीटर हो, लेकिन इसका कॉकपिट जमीन से मात्र 3.5 से 4 मीटर की ऊंचाई पर स्थित होता है। वहीं, एयरपोर्ट रेस्क्यू फायर फाइटिंग ट्रक की ऊंचाई भी लगभग 3 से 3.5 मीटर होती है। रविवार रात हुई इस टक्कर में विमान और ट्रक के ऊपरी हिस्से लगभग एक ही स्तर पर थे, जिससे सीधा प्रहार कॉकपिट पर हुआ। हादसे की भयावहता का दूसरा बड़ा कारण दोनों वाहनों का द्रव्यमान और गतिज ऊर्जा है। विमान का कॉकपिट एल्युमीनियम और हल्के कंपोजिट मटेरियल से बना होता है ताकि वजन कम रहे और ईंधन की बचत हो सके। इसके विपरीत, फायर ट्रक का वजन 30 से 40 टन तक होता है और इसका ढांचा मोटे स्टील से तैयार किया जाता है। जब 39 किमी/घंटा की रफ्तार से रोलआउट कर रहा विमान इस फौलादी ट्रक से टकराया, तो कम गति के बावजूद भारी वजन के कारण उत्पन्न मोमेंटम ने कॉकपिट के परखच्चे उड़ा दिए।

क्या इस्लामाबाद में निकलेगा ईरान-अमेरिका युद्ध का समाधान! व्हाइट हाउस का बयान

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रही जंग लगातार जारी है। इन सब के बीच हाल की कुछ रिपोर्टों में बताया गया है कि जंग रोकने को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत पाकिस्तान के इस्लामाबाद में हो सकती है। हालांकि इसकी पुष्टि करने से व्हाइट हाउस ने इनकार किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट से संपर्क कर पूछा कि कुछ रिपोर्टों के मुताबिक क्या अमेरिका के शीर्ष अधिकारी इस्लामाबाद में ईरानी अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। इस पर लेविट ने कहा कि ये संवेदनशील कूटनीतिक चर्चाएं हैं और अमेरिका प्रेस के जरिए बातचीत नहीं करेगा। यह एक बदलती हुई स्थिति है और मुलाकातों के बारे में लगाए जा रहे अंदाजों को तब तक अंतिम नहीं माना जाना चाहिए, जब तक कि व्हाइट हाउस द्वारा उनकी औपचारिक घोषणा न की जाए।

रिपोर्ट के मुताबिक लेविट की यह टिप्पणी कुछ प्रकाशनों में अधिकारियों के हवाले से उन खबरों के बाद आई, जिनमें कहा गया था कि पिछले महीने शुरू हुए ईरान-अमेरिका युद्ध को खत्म करने पर बातचीत इस्लामाबाद में हो सकती है। खबरों में एक पाकिस्तानी अधिकारी और एक दूसरे सूत्र का हवाला दिया, वहीं इजराइल ने चैनल का हवाला देते हुए एक इजराइली अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि ईरान और अमेरिका इस हफ्ते के आखिर में इस्लामाबाद में बातचीत के लिए मिल सकते हैं। उन्होंने बताया कि वैंस के अलावा, ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर अमेरिका का प्रतिनिधित्व करेंगे और ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघर गालिबफ तेहरान से आने वाले प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। खास बात यह है कि पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने सोमवार को कहा था कि उन्होंने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से बात की और इस क्षेत्र में शांति लाने में इस्लामाबाद की मदद का वादा किया।

इस जंग के बीच सोमवार को समाधान की कुछ उम्मीद जगी जब ट्रंप ने दावा किया कि ईरान किसी समझौते के लिए उत्सुक है और कुशनर-विटकॉफ ने रविवार को एक ईरानी नेता के साथ बातचीत की थी। हालांकि ट्रंप ने उस नेता का नाम नहीं बताया, लेकिन ईरान के मोहम्मद बाघर गालिबफ ने बाद में ट्रंप के दावों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि कोई बातचीत नहीं हुई थी। ईरानी नेता ने एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा कि फेक न्यूज का इस्तेमाल वित्तीय और तेल बाजारों में हेरफेर करने और उस दलदल से निकलने के लिए किया जाता है, जिसमें अमेरिका और इजराइल फंसे हुए हैं।

तेहरान और अमेरिका के बीच शांति के लिए मध्यस्थता वाली खबरें फेक: ईरान

वॉशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिका और ईरान के बीच चल रही जंग जल्द ही शांति में बदल जाएगी। इसके लिए कई देश मध्यस्थता कर रहे हैं और बातचीत कर शांति बहाल हो जाएगी। इस तरह की राहत भरीं खबरें हकीकत में बदलतीं इससे पहले ही ईरान ने साफ कर दिया कि ये सिर्फ अटकलें और भ्रामक खबरें है। ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बघेर गालिबाफ ने सीधे संवाद की खबरों को खारिज करते हुए इन्हें फेक न्यूज करार दिया। ईरान का रुख फिलहाल सख्त बना हुआ है, लेकिन अमेरिका के इस रुख के बाद वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है और कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गई हैं। भले ही ईरान ने प्रस्ताव मिलने की बात स्वीकार की है, लेकिन अंतिम समझौते तक पहुंचने की राह अब भी कूटनीतिक दांव-पेचों में फंसी नजर आती है। वहीं दूसरी तरफ बताया जा रहा है कि ईरान के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की है कि उन्हें मध्यस्थों के माध्यम से अमेरिका की ओर से कुछ महत्वपूर्ण प्रस्ताव मिले हैं।

इधर खबरें चल रहीं है कि ईरान इन प्रस्तावों की गंभीरता से समीक्षा कर रहा है। अधिकारी के अनुसार, अमेरिका की ओर से भेजे गए कुछ बिंदुओं पर विचार किया जा रहा है, जिससे यह संकेत मिलता है कि लंबे समय से जारी गतिरोध और प्रत्यक्ष टकराव के बावजूद दोनों देशों के बीच पर्दे के पीछे कूटनीतिक संवाद का रास्ता खुला है। यह घटनाक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ समझौते की संभावना जताई थी। हालांकि खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष जारी है और इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं, लेकिन अब ईरान ने भी स्वीकार किया है कि मध्यस्थों के जरिए अमेरिका का प्रस्ताव उन तक पहुंचा है। इससे पहले ईरान किसी भी तरह की बातचीत से इनकार करता रहा था। बताया जा रहा है कि अमेरिका की ओर से ईरान को 15 बिंदुओं का एक ड्राफ्ट भेजा गया है, जिसमें तनाव कम करने की रूपरेखा तैयार की गई है। क्षेत्रीय शांति के लिए तुर्की और मिस्र जैसे देश सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने तुर्की के विदेश मंत्री हाकान फिदान से फोन पर चर्चा की है। फिदान ने कतर, सऊदी अरब, पाकिस्तान और यूरोपीय संघ के अधिकारियों के साथ भी संपर्क साधा है। दूसरी ओर, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतेह अल सीसी ने भी स्पष्ट किया है कि उन्होंने ईरान को तनाव कम करने के लिए कड़े संदेश भेजे हैं। मिस्र के अधिकारियों के अनुसार, इन संदेशों का मुख्य उद्देश्य ऊर्जा के बुनियादी ढांचे पर हमलों को रोकना है, ताकि वैश्विक अर्थव्यवस्था को बड़े संकट से बचाया जा सके। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एक चौंकाने वाले बयान में कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच सकारात्मक बातचीत हुई है, जिसके बाद उन्होंने ऊर्जा ढांचों पर होने वाले संभावित हमलों को पांच दिनों के लिए टालने का निर्णय लिया। ट्रंप ने दावा किया कि बातचीत बेहद मजबूत रही है और लगभग सभी मुद्दों पर सहमति बन सकती है।

कोलंबिया में वायुसेना का विमान टेकऑफ के दौरान हुआ दुर्घटनाग्रस्त, 125 लोग थे सवार

बोगोटा,(ईएमएस)। दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहां वायुसेना का एक शक्तिशाली लॉकहीड सी-130 हरक्यूलिस विमान टेकऑफ के दौरान भीषण हादसे का शिकार हो गया। यह दुर्घटना पुतुमायो के प्यूर्टो लेगुइज़ामो इलाके में हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उड़ान भरते समय विमान अचानक अनियंत्रित होकर गिर पड़ा और देखते ही देखते उसमें भीषण आग लग गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया और आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया।

कोलंबिया के रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज़ ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि विमान में बड़ी संख्या में सैन्य जवान सवार थे। प्रारंभिक सूचनाओं में भारी जनहानि की आशंका जताई गई थी, लेकिन राहत एवं बचाव कार्य के साथ स्थिति धीरे-धीरे स्पष्ट हो रही है। वायुसेना के कमांडर कार्लोस फर्नांडो सिल्वा ने एक आधिकारिक संदेश में जानकारी दी कि विमान में 11 चालक दल के सदस्यों सहित कुल 125 लोग सवार थे। गनीमत यह रही कि बचाव टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अब तक कम से कम 48 लोगों को मलबे से सुरक्षित निकाल लिया है, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। हादसे की भयावहता को देखते हुए पूरे इलाके को सील कर दिया गया है। सैन्य और नागरिक राहत टीमें मलबे में फंसे अन्य लोगों की तलाश में जुटी हुई हैं। हालांकि, आग की लपटों ने शुरुआत में बचाव कार्य में काफी बाधा उत्पन्न की थी। विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों का अभी तक सटीक पता नहीं चल पाया है।

टोंगा में आया 7.6 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप, दहशत का माहौल

नुकुअलोफा,(ईएमएस)। दक्षिण प्रशांत महासागर स्थित टोंगा द्वीप समूह के पास मंगलवार तड़के 7.6 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आने से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार यह भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह 4:37 बजे आया। भूकंप का केंद्र टोंगा के वावाउ द्वीप समूह में स्थित नेइआफू से लगभग 153 किलोमीटर पश्चिम में बताया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस भूकंप की गहराई पृथ्वी की सतह से करीब 237 से 238 किलोमीटर के बीच थी, जिसे वैज्ञानिक दृष्टि से गहरा भूकंप माना जाता है। इतनी अधिक गहराई पर आने वाले भूकंप सामान्यतः सतह पर कम विनाशकारी प्रभाव डालते हैं। यही कारण है कि फिलहाल किसी बड़े नुकसान या किसी के हताहत होने की कोई सूचना सामने नहीं आई है। भूकंप के झटकों के बाद संभावित खतरे को देखते हुए प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र (पीटीडब्ल्यूसी) ने स्थिति का आकलन किया। केंद्र ने स्पष्ट किया कि इस भूकंप से सुनामी का कोई खतरा नहीं है, क्योंकि इसका केंद्र धरती के भीतर काफी गहराई में था। आमतौर पर उथले भूकंप ही समुद्र में बड़े स्तर पर हलचल पैदा कर सुनामी का कारण बनते हैं।

एक दिन पहले हिहिफो में आया था भूकंप

गौरतलब है कि इस घटना से एक दिन पहले भी टोंगा के हिहिफो क्षेत्र के पास 6.2 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। हालांकि उस भूकंप से भी किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं आई थी। लगातार आ रहे भूकंपों के कारण स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल जरूर बना हुआ है। वहीं, भूकंपीय गतिविधियों का असर अन्य क्षेत्रों में भी देखा गया। नेपाल में सोमवार को 4.1 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिनका केंद्र सुदूरपश्चिम प्रांत के बजहांग जिले के पास था। आसपास के इलाकों में भी लोगों ने हल्के झटके महसूस किए, हालांकि वहां भी किसी प्रकार के नुकसान की सूचना नहीं है।

ट्रंप का लक्ष्य रहा अधूरा, रणनीति हुई फेल अब दुनियाभर में अमेरिका की साख पर उठे सवाल

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कूटनीतिक और रणनीतिक मोर्चे पर घिरते नजर आ रहे हैं। युद्ध की शुरुआत में अमेरिका ने ईरान की सत्ता परिवर्तन और उसके परमाणु खतरे को जड़ से मिटाने का जो बड़ा लक्ष्य रखा था, वह अब भी अधूरा है। अमेरिकी रक्षा और सुरक्षा अधिकारियों का मानना है कि वर्तमान सैन्य अभियान के जरिए तेहरान को हमेशा के लिए परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना संभव नहीं लग रहा है। वॉशिंगटन में अब इस बात पर चर्चा तेज हो गई है कि क्या अमेरिका वास्तव में उन उद्देश्यों को हासिल कर पाएगा, जिनके लिए यह युद्ध शुरू किया गया था। वर्तमान में होर्मुज की खाड़ी को फिर से खोलना अमेरिका के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता बन गया है। वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का 20 प्रतिशत हिस्सा इसी समुद्री मार्ग से गुजरता है, और इस पर ईरान की पकड़ को ढीला करना ही अब अमेरिका के लिए युद्ध समाप्त करने का एकमात्र सम्मानजनक रास्ता दिखाई दे रहा है। सुरक्षा विशेषज्ञों का आकलन है कि यदि शिपिंग लेन सुरक्षित हो जाती है, तो ऊर्जा संकट कम होगा और भविष्य के खतरों के विरुद्ध ईरान की क्षमताएं भी घटेंगी। हालांकि, इजराइली अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि ईरान फिर से बैलिस्टिक मिसाइल या परमाणु हथियार विकसित करने की दिशा में बढ़ता है, तो भविष्य में सैन्य कार्रवाई की संभावना बनी रहेगी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान अब युद्ध समाप्त करने के लिए समझौता करना चाहता है और इस संबंध में एक ईरानी नेता के साथ संपर्क बना हुआ है। ट्रंप ने होर्मुज की खाड़ी खोलने के लिए पांच दिन की अतिरिक्त मोहलत दी है और चेतावनी दी है कि ऐसा न होने पर ईरान के पावर प्लांट्स पर हमले किए जाएंगे।

उत्तरी इजरायल में सैनिक लेबनान सीमा के पास अपने टैंकों के साथ नजर आ रहे। ये सभी आतंकी संगठन हिज्बुल्ला के खिलाफ अभियान चला रहे हैं।

खुफिया रिपोर्ट में खुलासा: नेतन्याहू ने कहा था खामेनेई को मारकर ले सकते है साजिश का बदला

वॉशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच हुई एक गोपनीय और निर्णायक फोन कॉल ने मध्य पूर्व के इतिहास को हमेशा के लिए बदल दिया है। इस बातचीत के बाद ही ईरान पर संयुक्त सैन्य हमलों को अंतिम मंजूरी दी गई, जिसके परिणामस्वरूप 28 फरवरी को ऑपरेशन एपिक फ्यूरी शुरू हुआ। इस सैन्य अभियान का सबसे बड़ा और चौंकाने वाला परिणाम ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के रूप में सामने आया है। खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, नेतन्याहू ने ट्रंप को विश्वास दिलाया था कि खामेनेई को उनके तेहरान स्थित कंपाउंड में निशाना बनाने का यह सबसे सटीक समय है, जिससे न केवल एक तानाशाही व्यवस्था का अंत होगा, बल्कि ट्रंप की हत्या की साजिशों का बदला भी लिया जा सकेगा।

इस सैन्य कार्रवाई की भूमिका कई महीनों से तैयार की जा रही थी। जून 2025 में इजराइल और अमेरिका ने मिलकर ईरान के परमाणु और मिसाइल ठिकानों पर हमले किए थे, जिसे ट्रंप ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम की समाप्ति बताया था। हालांकि, दिसंबर में मार-ए-लागो में हुई बैठक और फरवरी में वाशिंगटन यात्रा के दौरान नेतन्याहू ने ट्रंप को ईरान के बढ़ते बैलिस्टिक मिसाइल खतरे से आगाह किया। वेनेजुएला में अमेरिकी सफलता और ईरान के भीतर भड़के नागरिक विद्रोह ने ट्रंप को कड़ा कदम उठाने के लिए प्रेरित किया। अंततः 27 फरवरी को ट्रंप ने अंतिम आदेश जारी किए और अगले ही दिन तेहरान पर बमबारी शुरू हो गई, जिसमें खामेनेई के मारे जाने की पुष्टि हुई।

व्हाइट हाउस के अनुसार, इस व्यापक ऑपरेशन का मुख्य उद्देश्य ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल उत्पादन क्षमता, उसकी नौसेना और परमाणु हथियारों के विकास की संभावनाओं को पूरी तरह नष्ट करना था।

कूटनीति हो रही सफल, पांच दिन के सीजफायर से बातचीत का मंच हुआ तैयार

वॉशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिका और ईरान के बीच जारी भीषण सैन्य संघर्ष के बीच कूटनीतिक गलियारों से राहत भरी खबर आ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर हमलों को पांच दिनों के लिए रोकने की घोषणा के बाद अब बातचीत का मंच तैयार किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद को इस महत्वपूर्ण शांति वार्ता के केंद्र के रूप में चुना जा सकता है। पर्दे के पीछे इजराइल और पाकिस्तान के अधिकारी दोनों धुर विरोधियों को एक मेज पर लाने की कोशिशों में जुटे हैं। संकेत मिल रहे हैं कि इसी हफ्ते इस्लामाबाद में उच्च स्तरीय प्रतिनिधियों की बैठक हो सकती है। इस संभावित बैठक की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अमेरिका की ओर से उपराष्ट्रपति जेडी वांस, विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेयर्ड कुशनर जैसे कद्दावर नेताओं के इस्लामाबाद पहुंचने की चर्चा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर लगातार ईरानी नेतृत्व के संपर्क में हैं ताकि क्षेत्र में स्थिरता बहाल की जा सके। हालांकि, व्हाइट हाउस ने अभी तक किसी आधिकारिक बैठक की पुष्टि नहीं की है और इसे एक संवेदनशील कूटनीतिक प्रक्रिया करार दिया है। एक तरफ जहां राष्ट्रपति ट्रंप ने सकारात्मक और मजबूत बातचीत का दावा करते हुए सुलह के संकेत दिए हैं, वहीं ईरान का आधिकारिक रुख अब भी सख्त बना हुआ है। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बघेर गालिबाफ ने सीधे संवाद की खबरों को फेक न्यूज बताते हुए इसे बाजार को प्रभावित करने की अमेरिकी चाल करार दिया है। इसके बावजूद, यूरोपीय अधिकारियों का मानना है कि मिस्र, तुर्की और खाड़ी देशों के माध्यम से बैकचैनल यानी अप्रत्यक्ष बातचीत का दौर जारी है। तनाव का मुख्य केंद्र स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बना हुआ है, जहां से दुनिया की 20 प्रतिशत ऊर्जा आपूर्ति होती है। ईरान ने इस मार्ग को लगभग ठप कर दिया है और हमले रुकने तक इसे न खोलने की जिद पर अड़ा है। दूसरी ओर, इजराइल ने भी स्पष्ट किया है कि सैन्य विकल्प अब भी खुले हैं। अब पूरी दुनिया की नजरें इस्लामाबाद पर टिकी हैं, क्योंकि यदि यह वार्ता सफल रहती है तो वैश्विक अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय शांति के लिए यह एक ऐतिहासिक मोड़ साबित होगा।

9 अप्रैल तक संघर्ष समाप्त करने की अमेरिकी योजना

मध्य पूर्व में जारी भीषण युद्ध को लेकर एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। सूत्रों के हवाले से यह दावा किया जा रहा है कि अमेरिका इस युद्ध को आगामी 9 अप्रैल तक समाप्त करने की एक विशेष योजना पर काम कर रहा है। यदि सब कुछ निर्धारित योजना के अनुसार चलता है, तो अगले कुछ दिनों के भीतर क्षेत्र में जारी सैन्य गतिविधियों और तनावपूर्ण माहौल में बड़ी राहत मिल सकती है। इस संभावित समय सीमा के सामने आने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कूटनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है, क्योंकि अब शांति वार्ता और सैन्य अभियानों के बीच बहुत कम समय बचा है। युद्ध विराम की इस कोशिश के केंद्र में पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद को चुना गया है, जहाँ इसी सप्ताह के अंत में अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष वार्ता होने की संभावना है। दरअसल, इस समय सीमा के पीछे एक दिलचस्प कूटनीतिक कारण भी बताया जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इजराइल के स्वतंत्रता दिवस (21-22 अप्रैल) के अवसर पर देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान इजराइल प्राइज से नवाजे जाने की योजना है। इस समारोह की सफलता के लिए युद्ध का थमना अनिवार्य है, और माना जा रहा है कि ट्रंप इस सम्मान समारोह से पहले क्षेत्र में स्थिरता सुनिश्चित करना चाहते हैं। हालांकि, जमीनी हकीकत अब भी चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। इजराइल डिफेंस फोर्स के अधिकारियों का कहना है कि उनकी सैन्य कार्रवाई यहूदी त्योहार पासओवर (1 से 8 अप्रैल) तक जारी रह सकती है। साथ ही, यह भी संकेत मिले हैं कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे गुप्त संपर्कों की पूरी जानकारी सभी सहयोगियों के साथ साझा नहीं की गई है। ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बघेरी इस बातचीत की कमान संभाल रहे हैं, जबकि ईरान का आधिकारिक रुख अब भी किसी भी सीधी बातचीत से इनकार करने का है। 28 फरवरी को शुरू हुए इस युद्ध ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया है। विशेष रूप से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बंद होने से दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत तेल और एलएनजी आपूर्ति बाधित हुई है, जिससे ईंधन की कीमतें आसमान छू रही हैं। अमेरिका ने पहले ही ईरान को चेतावनी दी थी कि यदि जलडमरूमध्य नहीं खोला गया, तो उसके पावर प्लांट्स को निशाना बनाया जाएगा, जिसके जवाब में ईरान ने पूरे मध्य पूर्व के ऊर्जा और जल ढांचे को तबाह करने की धमकी दी थी। अब 9 अप्रैल की डेडलाइन इस विनाशकारी संघर्ष को रोकने की दिशा में एक आखिरी उम्मीद के रूप में देखी जा रही है।

मियामी ओपने टेनिस के चौथे दौर में पहुंचते ही सिनर ने बनाये रिकार्ड

मियामी (ईएमएस)। इटली के टेनिस स्टार जैनिक सिनर ने मियामी ओपने टेनिस के चौथे दौर में पहुंचते ही दो रिकार्ड अपने नाम किये हैं। सिनर ने तीसरे दौर में फ्रांस के कोरेंटिन माउटे को 6-1, 6-4 से हराकर एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार 26 सेट जीतने का रिकॉर्ड बनाने के साथ ही सर्बिया के अनुभवी खिलाड़ी नोवाक जोकोविच का लगातार 24 सेट जीतने का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।सिनर ने मियामी ओपन के दूसरे दौर में जीत के साथ ही जोकोविच के 24 सेट के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। इसके बाद तीसरे दौर में जीत दर्ज करते ही वह जोकोविच से आगे निकल गए। इस मैच को सिनर ने एकतरफा अंदाज में जीता। सिनर ने पिछले साल नवंबर में पेरिस मास्टर्स से जीत का सिलसिला शुरू किया। उन्होंने बिना एक भी सेट गंवाए खिताब जीता था। इसके बाद उन्होंने इंडियन वेल्स में भी बिना सेट खोये जीत हासिल की। मियामी में दो जीत के साथ अब वह लगातार 13 मास्टर्स 1000 मैच भी जीत गये हैं।अब सिनर का अगला मुकाबला एलेक्स मिशेलसन से होगा, जिन्होंने एलेजांद्रो ताबिलो को हराकर अगले दौर में जगह बनाई। सिनर के पास अब इंडियन वेल्स के अलावा मियामी ओपन जीतने का अवसर है। अंतिम बार ये उपलब्धि साल 2017 में रोजर फेडरर ने हासिल की थी। सिनर इस टूर्नामेंट में अगर लगातार जीतते हैं तो उनके पास विश्व का नंबर-1खिलाड़ी बनाने का अवसर है। इस टूर्नामेंट में नंबर एक की दौड़ में उनके प्रतिद्वंद्वी कार्लोस अल्कारेज तीसरे दौर में सेबेस्टियन कोर्डा से हारकर पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।वहीं एक अन्य मुकाबले में फ्रासिस टिफोई ने जाकुब मेंसिक को 7-6, 4-6, 7-6 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया है। टियाफो अगले दौर में टेरेंस एटमाने का सामना करेंगे।

फ्लोरिडा में मियामी ओपन टेनिस में अमेरिका की कोको गाफ मैच अंक मिलने के बाद उत्साहित होती हुई।

फ्लोरिडा में मियामी ओपन टेनिस में कनाडा की विक्टोरिया मबोको बैंकहैंड शॉट लगाती हुई।

बेंगलुरु भगदड़ के मृतकों को अनूठी श्रद्धांजलि:
चिन्नास्वामी स्टेडियम में 11 सीटें हमेशा खाली रखी जाएंगी

बेंगलुरु के एम चिन्नस्वामी स्टेडियम में खेले जाने वाले आईपीएल और इंटरनेशनल मैचों में 11 सीटें हमेशा खाली रखी जाएंगी। वहीं, स्टेडियम के एंट्री गेट पर स्मारक पट्टिका (मेमोरियल प्लाक) और हर मैच से पहले एक मिनट का मौन भी रखा जाएगा, जिसमें दोनों टीमें हिस्सा लेंगी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) ने पिछले साल एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुए भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए यह खास पहल की है। 4 जून 2025 को आरसीबी की पहली आईपीएल ट्रॉफी जीत के जश्न के दौरान स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने में 11 लोगों की मौत हो गई थी।

भगदड़ वाली घटना की याद में आरसीबी और केएससीए ने स्टेडियम में एक स्मारक पट्टिका (मेमोरियल प्लाक) लगाने और 11 सीटों को हमेशा खाली रखने का फैसला किया है। ये सीटें इंटरनेशनल मैच में भी उन 11 लोगों की याद में कभी बेची नहीं जाएंगी। वहीं, स्मारक पट्टिका को स्टेडियम के एंट्री गेट के पास लगाया जाएगा, ताकि यह जगह हमेशा श्रद्धांजलि का प्रतीक बनी रहे। इसके अलावा, आईपीएल मैच से पहले पीड़ितों के नाम प्रदर्शित किए जाएंगे और एक मिनट का मौन भी रखा जाएगा, जिसमें दोनों टीमें हिस्सा लेंगी।

काफी समय से बात चल रही थी- वेंकटेश प्रसाद

कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद ने इस पहल की पुष्टि करते हुए कहा कि इस दुखद घटना को याद करना भी पीड़ादायक है, लेकिन काफी समय से स्मारक बनाने पर चर्चा चल रही थी। उन्होंने कहा कि 11 लोगों की याद को सम्मान देना जरूरी है, न कि पुराने जख्मों को कुरेदना। स्टेडियम की गेट पर लगने वाली स्मारक पट्टिका को इंग्लैंड के मशहूर हिल्सबरो मेमोरियल की तर्ज पर तैयार किया जा रहा है। हिल्सबरो मेमोरियल को लिवरपूल एफसी के 97 फैंस की याद में बनाया गया था। दरअसल, 15 अप्रैल 1989 को FA कप सेमीफाइनल के दौरान हिल्सबरो स्टेडियम में हुए भीषण हादसे में इन फैंस की जान चली गई थी, जिसके बाद उनकी स्मृति में यह मेमोरियल बनाया गया।

स्टेडियम में मैच कराने पर रोक लग गई थी

भगदड़ हादसे के बाद जस्टिस जॉन माइकल डी कुन्हा कमेटी ने इस स्टेडियम को बड़े आयोजनों के लिए असुरक्षित बताया था, जिसके चलते यहां मैच कराने पर रोक लगा दी गई थी। इसके कारण आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 के मुकाबले भी बेंगलुरु से हटाकर नवी मुंबई में आयोजित किए गए। वहीं, घरेलू टी-20 लीग महाराजा टी-20 ट्रॉफी को भी बेंगलुरु की बजाय मैसूर में शिफ्ट करना पड़ा था। हालांकि, पिछले सप्ताह स्टेडियम को दोबारा मैचों के आयोजन की मंजूरी मिल गई है।

स्टेडियम में मैच कराने की मंजूरी : कर्नाटक सरकार ने एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल 2026 के मैचों के आयोजन को मंजूरी दे दी है। यहां 28 मार्च को मेजबान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच ओपनिंग मैच खेला जाएगा। 4 दिन पहले बीसीसीआई ने आईपीएल के शुरुआती 20 मैचों का शेड्यूल जारी किया था। इनमें से 2 मैच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने हैं। शेड्यूल जारी करते समय बीसीसीआई ने कहा था कि बेंगलुरु में आईपीएल मैच सरकार की परमीशन पर निर्भर करेंगे।

बीसीसीआई ने आईपीएल के लिए जारी किये दिशा निर्देश

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल 2026 के लिए नये दिशा निर्देश जारी किये है। बोर्ड ने ये कदम इसलिए उठाया है जिससे खिलाड़ियों की मनमानी पर रोक लगायी जा सके। बीसीसीआई ने अपने नए आदेश में कहा है नये नियमों का पालन सभी को करना होगा। इसके तहत अब हर टीम के खिलाड़ी केवल टीम बस में ही यात्रा कर सकेंगे। इसके अलावा मैच के दिन किसी भी अभ्यास सत्र की अनुमति नहीं दी जाएगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, बोर्ड ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भी अलग इंतजाम किया है, जहां टीमों को मेन चौक के दोनों तरफ अभ्यास के लिए दो-दो विकेट दिए जाएंगे। इस दौरान कोई भी टीम विरोधी टीम को दिए गए अभ्यास विकेट का इस्तेमाल नहीं कर सकेगी। टीम मैनेजर्स को नये दिशा निर्देशों की प्रति भेज दी हैं। इसमें कहा गया है कि टीमों को प्रैक्टिस एरिया में 2 नेट और मेन स्क्वायर पर 1 साइड विकेट मिलेगा, जहां वे रेंज हिटिंग कर सकें। मुंबई वेन्यू के लिए, अगर दोनों टीमें एक ही समय पर अभ्यास कर रही हैं, तो हर टीम को 2 पिचें मिलेंगी। वहीं कोई भी ओपन नेट अलाउड नहीं होगा। अगर कोई टीम अपना अभ्यास जल्दी खत्म भी कर लेती है तब भी दूसरी टीम को उस पिच का इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं होगी। मैच के दिनों में किसी अभ्यास की अनुमति नहीं होगी।मैच वाले दिन मेन चौक पर कोई फिटनेस टेस्ट नहीं होगा। अभ्यास के दौरान केवल मान्यता प्राप्त स्टाफ को ड्रेसिंग रूम और फील्ड ऑफ प्ले में आने की अनुमति रहेगी। खिलाड़ी के परिवार के सदस्य और दोस्त अलग गाड़ी में सफर कर सकते हैं और हॉस्पिटैलिटी एरिया से टीम का अभ्यास देख सकते हैं। एक्सटेंडेड सपोर्ट स्टाफ (थ्रो डाउन स्पेशलिस्ट/नेट बॉलर) के लिए सूची बोर्ड को मंजूरी के लिए भेजनी होगी। मंजूरी मिलने के बाद, नॉन-मैच डे एक्रेडिटेशन जारी किए जाएंगे। खिलाड़ी अभ्यास के लिए आते समय टीम बस का इस्तेमाल करेंगे। टीमें दो बैच में सफर कर सकती हैं। इसके अलावा मैच के दिन के लिए भी दिशा निर्देश जारी किये गये हैं। प्लेयर एंड मैच ऑफिशियल्स एरिया से मान्यता प्राप्त स्टाफ के लिए मैच वाले दिन अपना एक्रेडिटेशन लाना जरूरी है। पहली बार एक्रेडिटेशन न लाने पर चेतावनी दी जाएगी। दूसरी बार, टीम पर पैसे का जुर्माना लगाया जाएगा। हिटिंग नेट देने के बाद भी, खिलाड़ी एईडी बोर्ड पर हिट करते रहते हैं जिसकी अनुमति नहीं रहेंगी। खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ एलईडी बोर्ड के सामने न बैठें।

एकदिवसीय में सबसे सफल कप्तानों में नंबर एक पर हैं पोंटिंग

मुम्बई (ईएमएस)। एकदिवसीय क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग से लेकर न्यूजीलैंड के स्टीफन फ्लेमिंग, भारत के महेन्द्र सिंह धोनी और श्रीलंका के अर्जुन रणतुंगा सहित कई कप्तान क्रिकेट जगह में छाये रहे हैं पर अगर सबसे सफल कप्तान की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया के पोंटिंग नंबर एक पर हैं। साल 2002 से 2012 के बीच पोंटिंग ने 230 मैचों में कप्तानी की, जिसमें से उनकी कप्तानी ने टीम ने रिकॉर्ड 165 मैचों में जीत हासिल की। उनकी जीत का प्रतिशत 71.73 प्रतिशत रहा, जो अब तक सबसे अधिक है। पोंटिंग की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई टीम केवल 51 मैच ही हारी है। उनके दौर में ऑस्ट्रेलियाई टीम काक हराना किसी के लिए भी असंभव सा काम था। 2.17 प्रतिशत का उनका 'टाई' रिकॉर्ड उनके मैच समाप्त करने के कौशल को दिखाता है।

स्टीफन फ्लेमिंग

वहीं न्यूजीलैंड के स्टीफन फ्लेमिंग इस सूची में दूसरे नंबर पर हैं। 1997 से 2007 के लंबे सफर में उन्होंने 218 मैचों में टीम की कमान संभाली थी पर उनका जीत का प्रतिशत 44.95 रहा टीम को उन्होंने 98 जीत दिलायी वहीं106 हार । इसके बाद भी उन्हें महान कप्तान इसलिए माना जाता है क्योंकि उन्होंने एक कमजोर टीम को बड़ी टीमों के स्तर तक पहुंचाया। है.

धोनी 200 मैचों के साथ तीसर नंबर पर हैं

भारत के सबसे सफल कप्तान एमएस धोनी 200 मैचों के साथ इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं. साल 2007 से 2018 के बीच धोनी ने भारतीय क्रिकेट को शीर्ष पर पहुंचाया। धोनी ने 110 मैचों में जीत दर्ज की और उनका जीत का प्रतिशत 55 प्रतिशत रहा।धोनी के नेतृत्व में टीम हालांकि 74 मैच हारी पर उसे जीत हासिल करना आ गया। दबाव के क्षणों में उनका शांत रहना और 0.5 प्रतिशत का टाई रिकॉर्ड उनकी मैच फिशित करने की कला दिखाता है। धोनी इस सूची के एकमात्र कप्तान हैं जिन्होंने आईसीसी की तीनों सफेद गेंद ट्रॉफी जीती हैं.

अर्जुन रणतुंगा

श्रीलंकाई क्रिकेट को विश्व विजेता बनाने वाले अर्जुन रणतुंगा ने 193 मैचों में टीम की कप्तानी की। साल 1988 से 1999 के बीच उन्होंने 89 जीत हासिल की। 46.11 फीसदी के जीत प्रतिशत के साथ रणतुंगा ने 1996 में श्रीलंका को विश्व चैंपियन बना दिया। उनकी कप्तानी का दौर श्रीलंका के लिए सबसे बेहतर दौर था, जहां उन्होंने शीर्ष टीमों को भी टक्कर देना सीखा।

पंड्या की जगह पर सूर्यकुमार को कप्तान बनाये मुम्बई : श्रीकांत

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्मणाचारी श्रीकांत ने कहा है आईपीएल के इस सत्र में हार्दिक पंड्या की जगह पर सूर्यकुमार यादव को मुम्बई इंडियंस का कप्तान बनाया जाना चाहिये। पंड्या की कप्तानी में पिछले सत्र में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में कई दिग्गजों का मानना है कि इस बार किसी और को ये जिम्मेदारी दी जानी चाहिये। मुंबई इंडियंस की टीम को इस सत्र में अपना पहला मुकाबला 29 मार्च को कोलकाता नाइटराइडर्स से खेलना है। मुबई ने साल 2024 सत्र में रोहित शर्मा को हटाकर पंड्या को कप्तान बनाया था, तभी से इस फैसले का विराट होता आया है। इसके पीछे कारण ये रहा कि लीग में मुम्बई सबसे नीचे रही। इसके बाद हार्दिक की कप्तानी पर सवाल उठे। पिछले सत्र में टीम प्लेऑफ तक पहुंची पर खिताब नहीं जीत पायी, इसके बाद से ही पंड्या लोगों के निशाने पर हैं है।श्रीकांत ने कहा कि टीम में रोहित और सूर्यकुमार जैसे अनुभवी कप्तान हार्दिक के अंडर खेल रहे हैं, जो एक अजीब स्थिति है। श्रीकांत के अनुसार, एक सत्र के लिए सूर्यकुमार यादव को कप्तान बनाकर देखना चाहिए। इससे टीम की किस्मत बदल सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि पंड्या स्वयं कप्तानी छोड़कर सूर्यकुमार को कप्तान बनने का समर्थन करें तो टीम और बेहतर हो सकती है।

मुंबई इंडियंस टीम : मुंबई इंडियंस की टीम में हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, रयान रिकेल्टन, रॉबिन मिंज, मिशेल सैंटनर, जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, श्रेयस रदरफोर्ड, क्विंटन डी कॉक, शार्दुल ठाकुर, मयंक मार्कंडे समेत कई स्टार खिलाड़ी शामिल हैं।

रियान को राजस्थान रॉयल्स का कप्तान बनाने पर भड़के श्रीकांत

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने कहा है कि राजस्थान रॉयल्स ने अनुभवी खिलाड़ियों के होते हुए भी रियान पराग जैसे युवा खिलाड़ी को कप्तान बनाकर गलती की है। श्रीकांत के अनुसार रविन्द्र जडेज जैसे अनुभवी खिलाड़ी के होते हुए रियन को कप्तानी देने का फैसला समझ से परे है। राजस्थान रॉयल्स आईपीएल के इस सत्र में अपने अभियान की शुरुअत 30 मार्च को चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ मुकाबले से करेगी। श्रीकांत ने रियान को कप्तान बनाए जाने पर कटाक्ष करते हुए कहा, सबको पता है कि उन्हें किस प्रकार से कप्तानी मिली है। कप्तान कैसे बने। टीम में उन्हें राजा की तरह माना जाता है, इसलिए यशस्वी जायसवाल जैसा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर भी उनकी कप्तानी में खेलता दिखेगा। पराग का पिछला सत्र अच्छा नहीं था पर उससे पहले वाले सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया था जिससे फ्रैंचाइजी प्रभावित है। आईपीएल 2025 में संजू सैमसन के फिट नहीं होने पर रियान ने 8 मैचों में कप्तानी की थी।पिछल सत्र में राजस्थान टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और वह पूरे सत्र में केवल मैच जीती थी जिससे वह 9वें स्थान पर रही।रियान ने पिछले सत्र में कुल 393 रन बनाए थे और वह राजस्थान के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे।

आईपीएल नहीं खेल पाये ये पांच दिग्गज

नई दिल्ली. आईपीएल में खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है. इस लीग में दमदार प्रदर्शन के बूते कई खिलाड़ियों की किस्मत रातों-रात चमकी है. आईपीएल की चमक-धमक और करोड़ों की बोलियों ने दुनिया के लगभग हर बड़े क्रिकेटर को अपनी ओर खींचा है, लेकिन क्रिकेट के इतिहास में कुछ ऐसे 'दिग्गज' भी रहे हैं, जिन्होंने इस लीग में कभी नहीं खेला। इसमें ब्रायन लारा और जेम्स एंडरसन जैसे महान क्रिकेटर्स शामिल हैं, जिन्होंने वर्ल्ड क्रिकेट में अपनी अलग ही छाप छोड़ी. आइए ऐसे ही पांच खिलाड़ियों के बारे में आपको बताते हैं।

ब्रायन लारा (वेस्टइंडीज)

आईपीएल का पहला सीजन 2008 में खेला गया था, जबकि ब्रायन लारा ने इंटरनेशनल क्रिकेट से 2007 के टी20 वर्ल्ड कप के ठीक बाद संन्यास ले लिया था. 2008 में जब पहला आईपीएल ऑक्शन हुआ, तब तक लारा क्रिकेट से लगभग दूर हो चुके थे. बहुत कम लोग जानते हैं कि लारा ने 2011 के आईपीएल ऑक्शन में अपना नाम दिया था. उस वक्त उनकी उम्र 41 साल थी और उन्होंने अपना बेस प्राइस $400,000 (लगभग 1.8 करोड़ रुपये) रखा था. हैरानी की बात यह है कि इस महान बल्लेबाज पर किसी भी फ्रेंचाइजी ने बोली नहीं लगाई. हालांकि, भले ही लारा एक खिलाड़ी के तौर पर नहीं खेल सके, लेकिन उन्होंने आईपीएल से दूरी नहीं बनाई. वह सनराइजर्स हैदराबाद के साथ लंबे समय तक जुड़े रहे।

स्टुअर्ट ब्रॉड (इंग्लैंड)

इंग्लिश तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड को भी आईपीएल में खेलने का कभी मौका नहीं मिल सका. ब्रॉड को साल 2011 के ऑक्शन में पंजाब किंग्स ने खरीदा था, लेकिन चोट के कारण वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे. इसके बाद ब्रॉड ने खुद ही आईपीएल से दूरी बना ली और टेस्ट क्रिकेट को ज्यादा प्राथमिकता दी.

एलिस्टर कुक

टेस्ट क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाजों में शुमार एलिस्टर कुक टी20 क्रिकेट में उतने सफल नहीं हो सके. क्रिकेट का सबसे छोटा फॉर्मेट कुक को खास रास नहीं आया. यही वजह रही कि वह कभी आईपीएल का हिस्सा नहीं बने. कुक इंग्लैंड की ओर से टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। उन्होंने अपने करियर में 12,472 रन बनाए.

जेम्स एंडरसन (इंग्लैंड)

इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन का नाम उन खिलाड़ियों में शुमार है, जिन्हें आईपीएल में खेलने का मौका नहीं मिल सका है. एंडरसन ने 42 साल की उम्र में ऑक्शन में अपना नाम भी भेजा था, लेकिन उन्हें खरीदने में किसी भी टीम ने दिलचस्पी नहीं दिखाई थी. एंडरसन टेस्ट क्रिकेट में 700 से ज्यादा विकेट लेने वाले एकमात्र तेज गेंदबाज हैं.

बीसीसीआई ने दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए महिला क्रिकेट टीम घोषित की, अनुष्का और काशवी शामिल

मुम्बई (ईएमएस)। अनुष्का शर्मा और काशवी गौतम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि हाल के दिनों में अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए इन दोनो को टीम में अवसर दिया गया है। टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी। अनुष्का जहां एक अच्छी बल्लेबाज हैं। वहीं काशवी मध्यक्रम की गेंदबाज हैं। काशवी ने पहले ही टेस्ट और वनडे खेला है और उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव है। वहीं अनुष्का पहली बार किसी प्रारुप में शामिल की गई हैं। अनुष्का को घरेलू क्रिकेट के साथह ही महिला प्रीमियर लीग का भी अनुभव है। उन्होंने गुजरात जायंट्स के लिए 7 मैच खेले हैं। दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर भारतीय टीम को 17 अप्रैल से 27 अप्रैल तक पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। तीन शहरों में ये मुकाबले खेले जाएंगे। इनमें से पहले दो मैच डरबन में खेल जाएंगे। इसके बाद दो मुकाबले जोहानिसबर्ग में खेले जाएंगे। वहीं, आखिरी मैच बेनोनी में होगा। पहला मैच 17 अप्रैल को, दूसरा मैच 19 अप्रैल को, तीसरा 22 को, चौथा 25 को और पांचवां मैच 27 अप्रैल को खेला जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका टूर के लिए भारतीय टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेट कीपर), अरुंधति रेड्डी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, श्री चरणी, श्रेयंका पाटिल, काश्वी गौतम, भारती फुलमाली, उमा छेत्री (विकेट कीपर) और अनुष्का शर्मा। इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से 5 जुलाई तक आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 को देखते हुए ये सीरीज अहम मानी जार ही है। इससे टीम के फार्म का पता चलने के साथ ही युवा खिलाड़ियों की क्षमताओं का भी अंदाज होगा।

फरहान को आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड मिला

दुबई (ईएमएस)। हाल में हुए टी20 विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करने वाले पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने फरवरी माह का आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड दिया है। इसी के साथ ही फरहान नवंबर 2024 में हारिस रऊफ के बाद यह अवॉर्ड जीतने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। फरहान ने दो शतक के साथ ही आईसीसी टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। वह टूर्नामेंट के इतिहास में एक ही सत्र में दो शतक लगाने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। फरहान इस पूरे टूर्नामेंट में पाक की ओर से रन बनाने वाले अकेले खिलाड़ी रहे। उन्होंने नामीबिया के खिलाफ ग्रुप स्तर के मुकाबले के अलावा श्रीलंका के खिलाफ शतक लगाया था। फरहान ने टूर्नामेंट में सबसे अधिक कुल 383 रन बनाये। उन्होंने कहा, "आईसीसी टी20 विश्व कप में अवॉर्ड जीतना एक सुखद अहसास है। दुनियाभर के प्रशंसकों ने इससे देखा था जिससे इसमें अवार्ड जीतना खास रहा है।" पाक का प्रदर्शन टी२० विश्वकप में अच्छा नहीं रहा और वह प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच पायी।

गावसकर भी देखना चाहते हैं धुरंधर

मुम्बई (ईएमएस) महान बल्लेबाजा सुनील गावसकर भी फिल्म धुरंधरः द रिवेंज से प्रभावित हैं और उसे देखना चाहते हैं पर उन्हें टिकट नहीं मिल पा रही। इसी को देखते हुए गावस्कर ने फिल्म का हिस्सा रहे अभिनेता राकेश बेदी से टिकट का इंतजाम करने का अनुरोश किया है जिससे बेदी भी हैरान हैं। बेदी ने बताया कि उनकी मुलाकात जब गावस्कर से हुई तो उन्होंने कहा कि मेरे लिए टिकट का इंतजाम करो। बेदी ने सोशल मीडिया पर जारी पर एक वीडियो में कहा, "कल मेरी मुलाकात महान खिलाड़ी गावस्कर से हुई। उन्होंने मुझसे कहा कि उन्हें फिल्म के टिकट नहीं मिल पा रहे हैं। इसलिए मैं प्रयास करुं। मैं उनके लिए टिकट का इंतजाम करने की कोशिश कर रहा हूं।उम्मीद है कि मैं कर पाऊंगा। " गौरतलब है कि इस फिल्म में अभिनय के लिए बेदी की भी जमकर तारीफ हो रही है। उन्होंने इसे लेकर कहा, "मुझे गर्व है कि मैं इस फिल्म धुरंधर का हिस्सा हूं। मुझे कहना पड़ेगा कि धुरंधर ने न सिर्फ रिकॉर्ड तोड़े हैं, बल्कि सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। ये फिल्म भारत ही नहीं, दुनियाभर के लोगों के दिलों में भी गहराई से उतर गई है। ये केवल हिट नहीं है, बल्कि भारतीय जनता पर भी इसका विशेष प्रभाव पड़ा है. फिल्म देखने वालों की प्रतिक्रियाओं और इससे हो रही कमाई से ये अंदाजा होता है।"

वैभव सफल रहे तो रॉयल्स की जीत तय : अश्विन

मुम्बई (ईएमएस)। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि अगर वह बड़ी पारी खेलता है तो राजस्थान रायल्स को जीत मिलनी तय है। वैभव ने गत वर्ष अपने पहले ही सत्र में आक्रामक बल्लेबाजी से सबको हैरान कर दिया था। अब उम्मीद है कि इस नये सत्र में वह और भी बेहतर बल्लेबाजी करेगा। वैभव ने अंडर-19 विश्वप में भी कई अच्छी पारियां खेली थीं जिससे भी उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। ऐसे में अश्विन कहा कहना है कि वैभव रॉयल्स के लिए किसी एक्स फैक्टर की तरह रहेगा। ऐसे में अगर वह क्रीज पर टिक गया तो रॉयल्स को बढ़े स्कारे स रोकना कठिन हो जाएगा। वैभव ने आईपीएल के अपने पहले सत्र में सात मैचों में 252 रन बनाते हुए 200 से अधिक के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाज़ी की थी। इससे उनकी आक्रामक शैली का अंदाज होता है। सबसे खास बात यह रही कि उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ सिर्फ 35 गेंदों में शतक लगाया था। वह आईपीएल इतिहास में सबसे तेज़ शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज़ हैं। अश्विन के अनुसार वह इस सीज़न में रॉयल्स के लिए मैच में अंतर ला सकते हैं। साथ ही कहा कि वह अभी अपने करियर के शुरुआती दौर में है, इसलिए उस पर ज़रूरत से ज़्यादा दबाव डालना सही नहीं होगा। अश्विन के मुताबिक, मीडिया और सोशल मीडिया का ध्यान इस बार और ज्यादा रहेगा, जो मानसिक दबाव बढ़ा सकता है।अश्विन ने यह भी कहा कि इस बार विपक्षी टीमें सूर्यवंशी के खिलाफ बेहतर तैयारी के साथ उतरेंगी। पिछले सीज़न में उनकी निडर बल्लेबाज़ी ने गेंदबाज़ों को किया दिया था, पर अब उनके खेल का सभी को अंदाजा है। ऐसे में युवा बल्लेबाज़ के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी अपनी आक्रामकता को बरकरार रखते हुए निरंतरता बनाये रखना।

आकाश चोपड़ा ने बतायी सनराइजर्स की कमजोरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा के अनुसार आईपीएल के इस सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद की राह आसान नहीं है क्योंकि उसे कमजोर गेंदबाजी का नुकसान उठाना पड़ेगा। आकाश के अनुसार ये कमजोरी उसकी खिताबी जीत में रोड़ा बन सकती है। उन्होंने माना कि सनराइजर्स हैदराबाद की बल्लेबाजी काफी मजबूत है और टीम बड़े स्कोर बना सकती है पर कहा कि उसके गेंदबाज ऐसे नहीं हैं जो स्कोर का बचाव कर सकें। आकाश के अनुसार टीम 250 रन तक आसानी से बना सकती है पर समस्या यह है कि टीम के गेंदबाज इतने रन दे देंगे क्योंकि उनकी स्तर उतना अच्छा नहीं दिखता। नजर नहीं आ रही। कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस शुरुआती मैच नहीं खेल पायेंगे। जिससे टीम की गेंदबाजी और कमजोर हो गई है। टीम के पास इस बार अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी नहीं है। इससे भी टीम को नुकसान होगा। इन दोनों खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में टीम की गेंदबाजी काफी कमजोर नजर आ रही है, जो आईपीएल जैसे बड़े टूर्नामेंट में बड़ी समस्या बन सकती है। ईशान मलिंगा की उपलब्धता भी अभी पूरी तय नहीं है। उन्हें अभी फिटनेस टेस्ट पास करना होगा। अगर वह भी उपलब्ध नहीं होते हैं, तो टीम की गेंदबाजी और कमजोर हो जाएगी। ऐसी स्थिति में टीम को विदेशी गेंदबाजों पर ज्यादा निर्भर रहना पड़ सकता है। चोपड़ा ने कहा कि टीम की बल्लेबाजी प्रभावशाली है वहीं गेंदबाजी में स्पिन विभाग कमजोर है। टीम में हालांकि कुछ युवा स्पिनर हैं, लेकिन उनके पास ज्यादा अनुभव नहीं है। वहीं आईपीएल जैसे बड़े टूर्नामेंट में अनुभवी स्पिनरों का होना बहुत जरूरी होता है, और यही कमी उसे खलेगी।

गोल्डमैन सैक्स ने भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान घटायाः युद्ध-कच्चे तेल की कीमतों से रेपो रेट 0.50% बढ़ने के आसार

नई दिल्लीः ग्लोबल इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैक्स ने साल 2026 के लिए भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ का अनुमान घटा दिया है। बैंक की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की जीडीपी ग्रोथ अब 5.9% रहने की उम्मीद है, जो कि ईरान युद्ध से पहले लगाए गए 7% के अनुमान से काफी कम है। गोल्डमैन ने चेतावनी दी है कि रुपए की कमजोरी और महंगाई को काबू करने के लिए RBI को ब्याज दरों में 0.50% (50 बेसिस पॉइंट्स) की बढ़ोतरी करनी पड़ सकती है।

कच्चे तेल की कीमतों ने कैलकुलेशन बिगाड़ा

गोल्डमैन सैक्स ने ग्रोथ अनुमान में कटौती की सबसे बड़ी वजह कच्चे तेल की कीमतों और सप्लाई में आ रही दिक्कतों को बताया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से तेल की सप्लाई अप्रैल के मध्य तक बंद रह सकती है। भारत अपनी जरूरत का अधिकांश तेल आयात करता है, ऐसे में तेल महंगा होने से देश का विदेशी मुद्रा भंडार, राजकोषीय घाटा और महंगाई तीनों पर बुरा असर पड़ता है।

ब्रेंट क्रूड $115 तक जा सकता है

बैंक के एनालिस्ट्स का मानना है कि मार्च में ब्रेंट क्रूड की औसत कीमत $105 और अप्रैल में $115 प्रति बैरल रह सकती है। हालांकि, साल की चौथी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) तक इसके गिरकर $80 प्रति बैरल पर आने की उम्मीद है। इसी अस्थिरता को देखते हुए गोल्डमैन ने 13 मार्च को भी भारत की ग्रोथ का अनुमान घटाकर 6.5% किया था, जिसे अब और कम कर दिया गया है।

महंगाई 4.6% तक पहुंचने का अनुमान

भारत में महंगाई दर 2026 में 4.6% तक जा सकती है। इससे पहले बैंक ने इसके 3.9% रहने का अनुमान जताया था। हालांकि, यह अभी भी रिजर्व बैंक के 2% से 6% के कंफर्ट जोन में है, लेकिन रुपए की गिरती वैल्यू RBI की चिंता बढ़ा सकती है।

0.50% तक बढ़ सकती है ब्याज दर

रिपोर्ट में कहा गया है कि गिरते रुपये को सहारा देने और महंगाई के 'सेकंड राउंड इफेक्ट' को रोकने के लिए RBI रेपो रेट में 0.50% की बढ़ोतरी कर सकता है। बाजार के जानकारों का तो यहां तक मानना है कि आने वाले एक साल में 0.25-0.25% की 3 से 4 बढ़ोतरी (कुल 0.75% से 1%) देखने को मिल सकती है।

डॉलर के मुकाबले 4% टूटा रुपया

भारतीय रुपया इस साल (2026) अब तक डॉलर के मुकाबले 4% कमजोर हो चुका है। पिछले साल भी इसमें 4.7% की गिरावट देखी गई थी। जब रुपया कमजोर होता है, तो आयात महंगा हो जाता है, जिससे रिटेल मार्केट में चीजों के दाम बढ़ जाते हैं।

करंट अकाउंट डेफिसिट बढ़ेगा

गोल्डमैन ने अनुमान लगाया है कि 2026 में भारत का करंट अकाउंट डेफिसिट जीडीपी का 2% तक पहुंच सकता है। अक्टूबर-दिसंबर 2025 की तिमाही में यह 1.3% था। तेल की ऊंची कीमतें सीधे तौर पर इस घाटे को बढ़ाने का काम करती हैं।

क्या है 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' और यह क्यों जरूरी है?

यह ओमान और ईरान के बीच स्थित एक संकरा समुद्री रास्ता है। दुनिया का लगभग 20% कच्चा तेल इसी रास्ते से होकर गुजरता है। ईरान युद्ध या किसी भी तनाव की स्थिति में अगर यह रास्ता बंद होता है, तो ग्लोबल मार्केट में तेल की सप्लाई रुक जाती है और कीमतें तेजी से बढ़ती हैं।

इकोनॉमी की हेल्थ को ट्रैक करने के लिए जीडीपी का इस्तेमाल होता है। ये देश के भीतर एक तय समय में बनाए गए सभी गुड्स और सर्विस की वैल्यू को दिखाती है। इसमें देश की सीमा के अंदर रहकर जो विदेशी कंपनियां प्रोडक्शन करती हैं उन्हें भी शामिल किया जाता है।

भारतः पावर सेक्टर रफ्तार पर, 2036 तक 1,121 गीगावॉट पहुंचने का अनुमान

▪ सोलर में तेज उछाल, लेकिन कोयले की अहम भूमिका बरकरार, एनर्जी स्टोरेज बनेगा नया ग्रोथ इंजन

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत का पावर सेक्टर बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है और आने वाले वर्षों में इसमें तेज विस्तार देखने को मिल सकता है। एक ब्रोकरेज फर्म की रिपोर्ट के मुताबिक सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथारिटी (सीईए) के नेशनल प्लान के अनुसार देश की कुल बिजली उत्पादन क्षमता जनवरी 2026 के करीब 521 गीगावॉट से बढ़कर 2036 तक 1,121 गीगावॉट तक पहुंच सकती है। यह इशारा करता है कि अगले दशक में सेक्टर का आकार दोगुने से भी अधिक हो जाएगा। देश में बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2021 से 2025 के बीच पीक डिमांड 190 गीगावॉट से बढ़कर करीब 250 गीगावॉट तक पहुंच गई। हालांकि वित्त वर्ष 2026 में लंबा मानसून और हल्की सर्दी के कारण मांग में थोड़ी नरमी देखी गई, लेकिन इसे अस्थायी माना जा रहा है। लंबे समय में शहरीकरण, औद्योगिकीकरण, इलेक्ट्रिक वाहनों का बढ़ता उपयोग, डेटा सेंटर और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे क्षेत्र बिजली की मांग को मजबूती देते रहेंगे। सीईए के अनुसार 2036 तक कुल क्षमता में लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा गैर-कोयला स्रोतों का होगा, जिसमें सोलर ऊर्जा का सबसे बड़ा योगदान रहेगा। सोलर क्षमता 509 गीगावॉट तक पहुंच सकती है। इसके बावजूद कोयले की भूमिका खत्म नहीं होगी, क्योंकि यह स्थिर और भरोसेमंद बिजली आपूर्ति के लिए जरूरी बना रहेगा और कुल उत्पादन में इसका बड़ा हिस्सा रहेगा। रिपोर्ट में एनर्जी स्टोरेज को सबसे बड़ा अवसर बताया गया है। 2036 तक करीब 174 गीगावॉट की स्टोरेज क्षमता विकसित होने का अनुमान है, जिसमें पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट (पीएसपी) और बैटरी स्टोरेज (बीईएसएस) शामिल होंगे। सरकार का ज्यादा जोर पीएसपी पर है, क्योंकि यह लंबे समय के लिए अधिक किफायती और प्रभावी विकल्प है। इस बदलाव का फायदा पावर सेक्टर की कंपनियों को मिलने की उम्मीद है। एनटीपीसी, अडाणी पावर और जेएसडब्ल्यू इनर्जी जैसी कंपनियों के लिए ग्रोथ के अवसर मजबूत बने हुए हैं, जबकि पावर ग्रिड कारपोरेशन आफ इंडिया को ट्रांसमिशन नेटवर्क विस्तार से लाभ मिल सकता है।

भारतीय रेलवे ने किए बड़े बदलाव, टिकट रिफंड और अपग्रेड नियम हुए सख्त

- 8 घंटे पहले टिकट रद्द करने पर यात्रियों को कोई रिफंड नहीं मिलेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रेलवे ने यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने और टिकट नीतियों में सुधार के लिए नए नियम लागू किए हैं। अब टिकट कैंसिलेशन पर सख्ती बढ़ा दी गई है। ये नए नियम 1 अप्रैल से 15 अप्रैल के बीच लागू होंगे। रेलवे ने कहा है कि यात्रियों को इन बदलावों को ध्यान में रखते हुए अपनी योजना बनानी चाहिए।नए नियमों के अनुसार, अगर कोई यात्री यात्रा से 8 घंटे पहले टिकट रद्द करता है तो उसे कोई रिफंड नहीं मिलेगा। वहीं 24 से 8 घंटे पहले रद्द करने पर केवल 50 फीसदी रिफंड मिलेगा। तीन दिन (72 घंटे) पहले रद्द करने पर भी पूरे पैसे नहीं मिलेंगे, बल्कि 25 फीसदी कटौती के साथ सिर्फ 75 फीसदी राशि लौटाई जाएगी। यात्रियों के लिए राहत की बात यह है कि अब ऑफलाइन टिकट रद्द कराने के लिए उसी स्टेशन पर जाने की जरूरत नहीं है जहां टिकट खरीदी गई थी। देश के किसी भी रेलवे स्टेशन पर जाकर रिफंड लिया जा सकेगा। इससे यात्रियों की भागदौड़ कम होगी और सुविधा बढ़ेगी। रेलवे ने यात्रा को और सुविधाजनक बनाने के लिए भी कई कदम उठाए हैं। अब यात्री ट्रेन खुलने के आधे घंटे पहले तक कोच या क्लास बदल सकते हैं, यानी स्लीपर से एसी में अपग्रेड संभव होगा। इसके अलावा, अगर कोई यात्री तय स्टेशन के बजाय आगे के किसी स्टेशन से ट्रेन पकड़ना चाहता है, तो मोबाइल ऐप के जरिए बोर्डिंग पॉइंट बदलना अब आसान होगा। इन बदलावों का मकसद यात्रियों को अधिक लचीलापन देना और सीट आवंटन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना है।

हिमाचल प्रदेश की वित्तीय स्थिति चुनौतीपूर्ण, कर्ज और ब्याज बोझ बढ़ा

शिमला (ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक 41,173 करोड़ रुपये कर्ज लिया और 32,004 करोड़ रुपये चुकाए। इस तरह कुल ऋण देनदारी 2025-26 में 1,03,994 करोड़ रुपये रही, जो 2026-27 में बढ़कर 1,12,319 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। 2022-23 में 76,681 करोड़, 2023-24 में 85,295 करोड़ और 2024-25 में 93,625 करोड़। ब्याज भुगतान 2024-25 में 6,261 करोड़ था, जो 2025-26 में 6,693 करोड़ और 2026-27 में 7,271 करोड़ तक बढ़ने का अनुमान है। वेतन, पेंशन, कर्ज और ब्याज जैसी प्रतिबद्धताओं पर कुल बजट का लगभग 80 फीसदी खर्च होता है।

14kg सिलेंडर को 10kg करने की खबर अफवाहःपेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा- सप्लाई पूरी तरह नॉर्मल

नई दिल्लीः पेट्रोलियम मंत्रालय ने 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर में 10 किलो गैस भरकर देने की खबर को अफवाह बताया है। मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा ने बताया कि घरेलू एलपीजी की सप्लाई पूरी तरह सामान्य है और लोगों को अफवाहों पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है। प्रेस ब्रीफिंग में मंत्रालय ने ये भी बताया कि, होर्मूज रूट पार कर दो टैंकर 92,700 मीट्रिक टन गैस लेकर भारत की ओर रवाना हो गए हैं। इससे पहले कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि सरकारी तेल कंपनियां (OMCs) 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर में 10 किलो गैस भरकर देने की तैयारी कर रही है।

पैनिक बुकिंग 88 लाख से घटकर 50 लाख पर आईः सरकार के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों में गैस की कमी के डर से लोगों ने तेजी से एडवांस बुकिंग (पैनिक बुकिंग) शुरू कर दी थी। अब इसमें कमी आई है। पहले जो बुकिंग का आंकड़ा 88 लाख तक पहुंच गया था, वह अब घटकर लगभग 50 लाख के आसपास आ गया है। मिनिस्ट्री ऑफ शिपिंग एंड वाटरवेज के स्पेशल सेक्रेटरी राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि स्टेट ऑफ होर्मुज को पार करने वाले दो एलपीजी टैंकर भारत की ओर रवाना हो चुके हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच 'शांति दूत' बनना चाहता है पाकिस्तान! क्या अब खत्म होगा संकट

वेस्ट एशिया में जारी तनाव के बीच पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता कराने की पहल तेज कर दी है। जानकारी के अनुसार, पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने इस मुद्दे पर अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप से बातचीत की है। सूत्रों के मुताबिक, यह बातचीत सोमवार को हुई, जिसमें संघर्ष को खत्म करने के रास्तों पर चर्चा की गई। पाकिस्तान इस वार्ता के लिए इस्लामाबाद को संभावित स्थान के तौर पर पेश कर रहा है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, बताया जा रहा है कि ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ भी इस प्रक्रिया में अहम भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, ट्रंप ने सोमवार को कहा कि ईरान के साथ सकारात्मक बातचीत के बाद उन्होंने वहां के ऊर्जा ढांचे पर हमले की योजना फिलहाल टाल दी है।

हालांकि, ईरान की ओर से अब तक किसी भी तरह की बातचीत से इनकार किया गया है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के अधिकारी मध्यस्थों के जरिए अमेरिका के संदेशों की समीक्षा कर रहे हैं। इस मामले पर पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। डॉनल्ड ट्रंप के साथ बनाए गए करीबी संबंधों के साथ-साथ पाकिस्तान ईरान और सऊदी अरब जैसे देशों से भी संपर्क मजबूत कर रहा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोमवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से फोन पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने ईरान के साथ एकजुटता जताई और क्षेत्र में तनाव कम करने की अपील की।

शहबाज शरीफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि पाकिस्तान शांति स्थापित करने के लिए अपनी कूटनीतिक कोशिशें जारी रखेगा और क्षेत्र में स्थिरता लाने में रचनात्मक भूमिका निभाएगा। वहीं, फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने रविवार को डोनाल्ड ट्रंप से भी बातचीत की। एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ देश इस मामले में मध्यस्थता की कोशिश कर रहे हैं और इस सिलसिले में इस्लामाबाद में एक बैठक कराने की योजना बनाई जा रही है। इस बैठक में अमेरिका के कुछ बड़े नेताओं के शामिल होने की संभावना जताई गई है। इस बीच, क्षेत्र में बढ़ते संघर्ष के कारण ऊर्जा संकट भी गहराता जा रहा है। दक्षिण एशिया में गैस की कमी देखने को मिल रही है। होरमुज जलडमरूमध्य, जहां से दुनिया का लगभग पांचवां हिस्सा तेल और गैस गुजरता है, संघर्ष के कारण लगभग बंद हो गया है।

पाकिस्तान की स्थिति इसलिए भी चुनौतीपूर्ण है क्योंकि वह अपने ज्यादातर तेल और गैस के लिए खाड़ी देशों पर निर्भर है। ऐसे में हालात बिगड़ने से उसकी ऊर्जा आपूर्ति पर सीधा असर पड़ रहा है। रियाद में पिछले हफ्ते अरब और मुस्लिम देशों के विदेश मंत्रियों की संयुक्त बैठक हुई। इस बैठक में पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार भी शामिल हुए। बैठक का मुख्य मुद्दा क्षेत्र में चल रहा तनाव और संघर्ष रहा। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान ने कोशिश की कि बैठक का संयुक्त बयान ऐसा हो जिससे ईरान और खाड़ी देशों के बीच बयानबाजी और ज्यादा न बढ़े।

दैनिक पंचांग

25 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

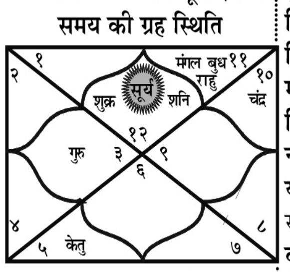

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	07.03 बजे से
चंद्र	वृष में	वृष	08.43 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	10.42 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.55 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	15.11 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	17.23 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.34 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.48 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	00.04 बजे से
		मकर	02.10 बजे से
		कुंभ	03.56 बजे से
		मीन	05.29 बजे से

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

बुधवार 2026 वर्ष का 84 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 13.51 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मृगशीर्ष 17.34 बजे को समाप्त।
योग आयुष्मान 06.02 बजे तदनन्तर सौभाग्य 03.10 बजे रात्र को समाप्त।
करण वणिज 13.51 बजे तदनन्तर विष्टि 00.48 बजे प्रातः को समाप्त।
चन्द्रायु 5.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 01° 44'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872659
जूलियन दिन 2461124.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 05

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 6515

बाएँ से दाएँ
1. खटपट, ठनाठनी-4
4. पंजाब की एक नदी-4
6. चित्रक्रमेल, लम्बी गर्दनवाला पशु-3
8. दंड, दम, शामन-3
9. धरा, भूमि-3
11. शासन व्यवस्था, रहस्य-2
13. नवचंद्राकार-5
15. अकेला-2
16. दया, करुणा-3
18. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
19. देवर्षि, देवमुनि-3
20. सब्जी, भाजी-4
22. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4

ऊपर से नीचे
1. गुनाह, दोष, जुर्म-3
2. अपराधमुक्त, निवृत्त-2
3. सौत, दूसरी स्त्री-3
4. होशियार, गुणवान-5
5. भूकम्प-4
7. भेद, तुलना-3
10. परिचर्या-5
12. स्वभाव-4
14. स्थित होना-3
17. श्मशान-4
18. गृह, भवन-3
21. जीवन, जीव, स्फूर्ति-2

शब्द पहेली -6514 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 6056

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

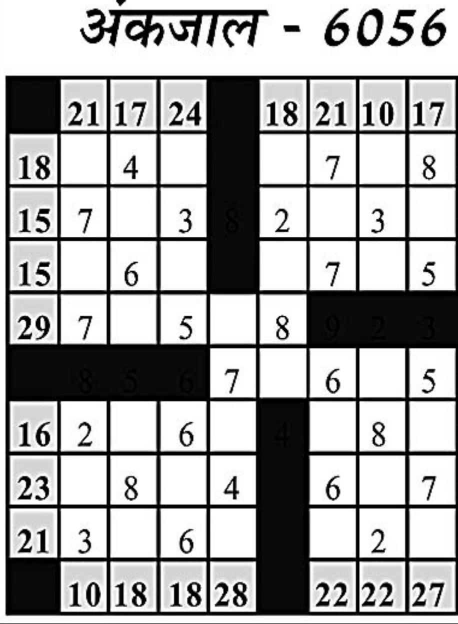

अंकजाल 6055 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5000

2	1	7		5	6	3
	29		32		32	
4		5	3		2	7
	36	6	28	4	28	
5		2		3		1
7	37		26		37	6
		4	1	2		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 4999 का हल

1	7	3	4	5	6	2
6	37	6	32	2	26	1
5	2	7	4	1	6	3
4	32	4	32	4	32	4
3	6	1	4	7	2	5
7	33	2	29	6	40	7
2	7	5	1	3	4	6

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

गणित पहेली -4360

33		2		15		3	=	60
	■		■		■		■	
25		5		2		5	=	5
	■		■		■		■	
5		20		2		12	=	38
	■		■		■		■	
10		5		10		5	=	15
=	■	=	■	=	■	=	■	=
33		22		5		15	=	12 / 70

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत
खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली -4359

20	÷	1	+	8	-	5	=	23
+	■	x	■	x	■	+	■	-
40	-	35	x	8	-	25	=	15
-	■	+	■	-	■	-	■	+
35	+	60	-	49	-	25	=	21
+	■	-	■	+	■	+	■	-
2	x	48	-	30	-	40	=	26
=	■	=	■	=	■	=	■	=
27	+	47	-	45	+	45	=	3 / 74

शब्दजाल - 6047

श	रा	ज	ग	म	गा	ह	ट	झ	क	चि
छ	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	क
ट	र	ह	झि	दा	चि	सिं	बे	ला	ल	ना
प	म	दा	च	ल	क	ड़	हा	दा	र	ह
ट	रा	र	ष	हा	मि	री	चि	स	र	ट
ह	ह	प	व	दा	ह	ला	ती	झ़	न	ती
ट	ट	बु	अं	र	म	ट	ह	ला	ह	क
बा	जी	वा	ला	क	छ	सौ	न	ट	जू	ट
स	थो	तें	व	ह	ज	दा	ने	दा	र	द
र	ल	प	ति	रं	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
त	ड़	पा	ह	ट	ख	बौ	ख	ला	ह	ट

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'हट' शब्द लगा हो. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

छटपटाहट, जगमगाहट, चिकनाहट, झिलझिलाहट, चहचहाहट, चरमराहट, चिड़चिड़ाहट, तड़पाहट, बौखलाहट, बुलाहट

शब्दजाल - 6046 का हल

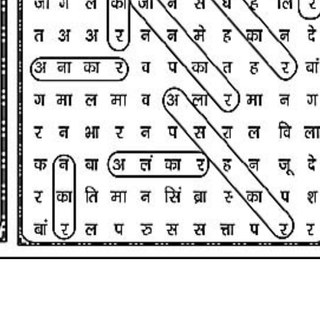

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास

1983 सागर अनुसंधान के लिए अति आधुनिक जहाज सागरकन्या का जलावतरण किया गया था.

1941 द्वितीय विश्व युद्ध में रोम, बर्लिन, टोकियो गठबंधन में यूगोस्लाविया भी शामिल हो गया.

1957 इटली,बेल्जियम,पश्चिम जर्मनी, लक्जमबर्ग और नीदरलैंड ने साझा बाजार और यूराटोम के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किये.

1969 पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान ने ग्यारह वर्ष बाद सत्ता सेना को सौफ दी .

1975 सऊदी अरब के शाह फैजल की हत्या उनके भतीजे ने की.

1987 अफगानी विमानों की बमबारी में पाकिस्तानी सीमा पर 80अफगान छापामार और नागरिक मारे गए.

1820 ब्रिटिश उपन्यासकार ऐन ब्रोंट का जन्म.

1992 पाकिस्तान विश्वकप क्रिकेट चेम्पियन बना.

1988 बंगाल व उड़ीसा मे भयंकर तुफान से 200 मरे.

1911 न्यूयार्क सिटी,अमेरिका में ट्रेंगल शर्टवेस्ट फैक्ट्री मे आग लगने से145 लोगों की मृत्यु.

2000 सुरक्षा बलों ने पांच विदेशी आतंकवादियों को मार गिराया.

2004 गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर का नोहल मेडल चोरी हुआ.

संक्षिप्त खबरें

500 करोड़ की सोलर परियोजना तैयार, गेतलसूद से रोशन होंगे 1 लाख घर, ऊर्जा मंत्री से मिले संजय सेठ

रांची : रांची के गेतलसूद डैम में बन रहा 100 मेगावाट फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट अब अंतिम चरण में पहुंच गया है. केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने नई दिल्ली में केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी से मुलाकात कर परियोजना की प्रगति की जानकारी दी. संजय सेठ ने बताया कि करीब 500 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रहा यह प्लांट लगभग बनकर तैयार है और जल्द ही इसका लोकार्पण किया जाएगा. इसके शुरू होने से रांची के करीब एक लाख घरों को निर्बाध बिजली आपूर्ति मिल सकेगी. उन्होंने कहा कि 172 एकड़ क्षेत्र में फैली यह परियोजना रांची और आसपास के इलाकों की बिजली समस्या को दूर करने में अहम भूमिका निभाएगी. यह राज्य के ऊर्जा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी. संजय सेठ ने जानकारी दी कि इस परियोजना का प्रस्ताव दिसंबर 2021 में केंद्र सरकार को भेजा गया था. मार्च 2022 में इसे मंजूरी मिली और इसके बाद तेजी से निर्माण कार्य शुरू हुआ. अब यह परियोजना लगभग पूरी हो चुकी है. मुलाकात के दौरान संजय सेठ ने केंद्रीय मंत्री से इस परियोजना के लोकार्पण का आग्रह किया, जिस पर सहमति मिल गई है. निर्माण कार्य पूरा होते ही इसका उद्घाटन किया जाएगा. संजय सेठ ने परियोजना की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताया और कहा कि जनता के सहयोग से यह योजना अब पूरी होने जा रही है.

हाई कोर्ट सख्तः गोड्डा होम गार्ड बहाली पर रोक, सहायक आचार्य नियुक्ति की जांच के आदेश

रांचीः झारखंड हाई कोर्ट ने भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर दो अहम मामलों में महत्वपूर्ण आदेश दिए हैं। दोनों ही मामलों की सुनवाई न्यायमूर्ति आनंदा सेन की अदालत में हुई। गोड्डा जिले में चल रही होम गार्ड बहाली प्रक्रिया को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए झारखंड हाई कोर्ट ने अंतिम परिणाम के प्रकाशन पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। यह याचिका सिकंदर मुर्मू द्वारा दायर की गई थी। अदालत ने प्रतिवादियों को प्रति शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है और स्पष्ट किया है कि मामले की पूरी सुनवाई होने तक किसी भी प्रकार का अंतिम परिणाम जारी नहीं किया जाएगा। इससे गोड्डा जिले की होम गार्ड बहाली प्रक्रिया फिलहाल स्थगित हो गई है। मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी।

सहायक आचार्य नियुक्ति मामले में जेएसएससी को निर्देशः इसी दिन सहायक आचार्य (कक्षा 6 से 8, सोशल साइंस) नियुक्ति से जुड़े सीमा लता की याचिका पर भी सुनवाई हुई। हाई कोर्ट ने सचिव झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (JSSC) को चार सप्ताह के भीतर जांच कर आदेश पारित करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि यदि जांच में कोई त्रुटि नहीं पाई जाती है, तो प्रार्थी की नियुक्ति की अनुशंसा की जाए। प्रार्थी ने एससी श्रेणी में कटऑफ से अधिक अंक प्राप्त किए थे, इसके बावजूद उनकी नियुक्ति नहीं हुई थी।

गांधीनगर अस्पताल में निःशुल्क हृदय रोग चिकित्सा शिविर आज, मैक्स अस्पताल के डॉ. राजीव देंगे सेवाएं

रांचीः सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के केंद्रीय अस्पताल, गांधीनगर, कांके रोड, रांची में बुधवार, 25 मार्च 2026 को प्रातः 9 बजे से निःशुल्क हृदय रोग संबंधी चिकित्सा शिविर (कार्डियक क्लिनिक) का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में मैक्स अस्पताल, नई दिल्ली के प्रसिद्ध वरिष्ठ इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. राजीव राठी हृदय रोग से पीड़ित मरीजों की जांच करेंगे तथा आवश्यक चिकित्सीय परामर्श प्रदान करेंगे। हृदय रोग से संबंधित किसी भी समस्या से ग्रसित मरीज इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठा सकते हैं। मरीजों से अनुरोध है कि वे अपने पूर्व उपचार से संबंधित जांच रिपोर्ट अथवा मेडिकल दस्तावेज साथ लेकर आएं, ताकि बेहतर परामर्श दिया जा सके। सीसीएल द्वारा नियमित रूप से देश के ख्यातिप्राप्त विशेषज्ञ चिकित्सकों को आमंत्रित कर विभिन्न बीमारियों से संबंधित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाता है। इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को गंभीर बीमारियों के आधुनिक इलाज की सुविधा उनके घर के निकट उपलब्ध कराना तथा अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करना है।

चैत्र नवरात्र पर फूलों से सजा मां छिन्नमस्तिका मंदिर, सेल्फी लेने के लिए श्रद्धालुओं के बीच मची होड़

मंदिर को देखने के लिए दूर-दराज से पहुंच रहे श्रद्धालु

रामगढ़ : छिन्नमस्तिका मंदिर न्यास समिति द्वारा इस बार मां के दरबार को आकर्षक तरीके से सजाया गया है. दर्जनों कारीगरों ने एक सप्ताह तक दिन रात मेहनत कर मंदिर को खूबसूरत ढंग से सजाया है. नवरात्र को लेकर सिद्धपीठ रजरप्पा स्थित मां छिन्नमस्तिके मंदिर को फूलों से इतना खूबसूरत तरीके से सजाया गया है कि इसकी खूबसूरती बढ़ गई है. लोग मंदिर की खूबसूरती देख निहाल हो रहे हैं. मंदिर आने वाले श्रद्धालु अपने कैमरे में इस खूबसूरत दृश्य को कैद करते हुए देखे जा रहे है. दरअसल विभिन्न प्रकार के फूलों से मंदिर की भव्य सजावट के बाद मंदिर दुल्हन की तरह सजा हुआ है और रात में मंदिर दुधिया रोशनी से जगमगा रहा है. इसके कारण अब मंदिर में श्रद्धालुओं का धीरे-धीरे आना और सेल्फी लेना शुरू हो गया है. कोलकाता से आए दो दर्जन से भी अधिक कारीगरों ने एक सप्ताह के अंदर ही लगातार दिन रात मेहनत कर मंदिर को खूबसूरत ढंग से सजाया है. मंदिर की सजावट होने के बाद से यहां भक्तों का आने का सिलसिला हर दिन बढ़ता ही जा रहा है. फूलों से सजा मंदिर को देखने के लिए दूर-दराज से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं और सजावट का लुत्फ उठाते हुए सेल्फी ले रहे हैं. मंदिर की भव्य सजावट लोगों को इस कदर आकर्षित कर रही है कि आसपास क्षेत्र के अलावा दूरदराज से यहां काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचने लगे हैं और श्रद्धालु मंदिर की भव्य सजावट के साथ फोटो व सेल्फी लेने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं.

राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान में इकोनॉमिकल ड्रग व कंज्यूमेबल्स स्टोर्स खोलने की तैयारी

मरीजों को अस्पताल परिसर के भीतर ही मिलेगी सस्ती दवाएं

रांची : झारखंड के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (RIMS) में मरीजों को सस्ती, भरोसेमंद और एकीकृत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक अहम पहल की जा रही है। रिम्स प्रबंधन ने अस्पताल परिसर के भीतर ही जेनरिक और ब्रांडेड दवाओं के साथ-साथ कंज्यूमेबल्स और इंप्लांट्स उपलब्ध कराने की योजना पर काम शुरू कर दिया है, जिससे मरीजों को बाहर भटकने की जरूरत न पड़े।

अस्पताल परिसर में खुलेंगे इकोनॉमिकल स्टोरः इस योजना के तहत रिम्स के अलग-अलग विभागों में 3 से 4 "इकोनॉमिकल ड्रग एंड कंज्यूमेबल्स स्टोर" खोले जाएंगे। इन स्टोर्स पर मरीजों को इलाज से जुड़ी लगभग सभी आवश्यक सामग्री एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएगी। इससे समय की बचत के साथ-साथ इलाज की प्रक्रिया भी अधिक सहज होगी।

निदेशक ने बताई प्राथमिकताः रिम्स के निदेशक डॉ. राजकुमार ने बताया कि इस योजना को जल्द से जल्द लागू करना संस्थान की प्राथमिकता है। उनका कहना है कि मरीजों को किफायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराना ही इस पहल का मुख्य उद्देश्य है।

1.5 करोड़ का बनेगा हॉस्पिटल रिवॉल्विंग फंडः इस व्यवस्था के संचालन के लिए करीब 1.5 करोड़ रुपये का हॉस्पिटल रिवॉल्विंग फंड (HRF) बनाया जाएगा। दवाओं, कंज्यूमेबल्स और इंप्लांट्स पर लगभग 10 प्रतिशत का मामूली सरचार्ज लगाया जाएगा। इस राशि से स्टोर का संचालन, रख-रखाव और कर्मचारियों के वेतन की व्यवस्था की जाएगी। प्रबंधन का लक्ष्य है कि यह सिस्टम धीरे-धीरे आत्मनिर्भर बन सके।

पारदर्शिता और गुणवत्ता पर रहेगा जोरः अस्पताल परिसर में ही स्टोर खुलने से दवाओं की उपलब्धता, गुणवत्ता और कीमतों पर बेहतर नियंत्रण रहेगा। पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी होगी, जिससे मरीजों को भरोसेमंद सामग्री मिलने का भरोसा मिलेगा।

चरणबद्ध तरीके से होगा क्रियान्वयनः इस योजना को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। पहले चरण में दवाओं की बिक्री शुरू होगी, उसके बाद कंज्यूमेबल्स और अंत में इंप्लांट्स को शामिल किया जाएगा। इससे व्यवस्था को सुचारु रूप से विकसित किया जा सकेगा।

मरीजों को मिलेगा बड़ा फायदाः रिम्स की इस पहल से न सिर्फ इलाज की लागत घटेगी, बल्कि मरीजों को एक ही स्थान पर सभी जरूरी सुविधाएं मिलेंगी, जिससे सरकारी स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी।

30–40% तक सस्ती होंगी दवाएं

दवाओं की खरीद विशेषज्ञों की सलाह से की जाएगी और जेनरिक व ब्रांडेड दोनों श्रेणियों में टेंडर प्रक्रिया अपनाई जाएगी। रेट लिस्टिंग के बाद दवाएं सामान्य बाजार की तुलना में 30 से 40 प्रतिशत तक सस्ती होंगी। 10 प्रतिशत सरचार्ज जोड़ने के बाद भी मरीजों को कुल मिलाकर 40 से 50 प्रतिशत तक कम कीमत पर दवाएं और अन्य जरूरी सामग्री मिल सकेगी।

आलमगीर और संजीव लाल की जमानत पर अब बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

रांची : पूर्व मंत्री आलमगीर आलम और आप्त सचिव संजीव लाल की जमानत याचिका पर अब आज सुनवाई होगी. प्रवर्तन निदेशालय के अधिवक्ता एसवी राजू के दूसरे कोर्ट में व्यस्त होने की वजह से आज मामले में सुनवाई नहीं हो सकी. इससे पहले इन दोनों याचिकाओं पर 20 मार्च को सुनवाई शुरू होते ईडी द्वारा दाखिल किये गये शपथ पत्र पर जवाब देने के लिए समय की मांग की गयी थी. न्यायालय ने इसे स्वीकार करते हुए 24 मार्च की तिथि निर्धारित की थी. मंगलवार को निर्धारित तिथि पर सुनवाई के दौरान आलमगीर आलम की ओर से यह कहा गया कि वह 76 साल के हैं. प्राथमिकी में अभियुक्त नहीं थे. लेकिन डायरी में लिखे साहब शब्द को जांच एजेंसी से मंत्री मान लिया और गिरफ्तार कर लिया. इतना कहते हुए ईडी की ओर से एसवी राजू के दूसरे कोर्ट में होने की हवाला देते हुए बाद में सुनने का अनुरोध किया गया, जिसे न्यायालय ने स्वीकार कर लिया. न्यायालय का समय समाप्त होने से कुछ देर पहले इस मामले की सुनवाई शुरू हुई. लेकिन एसवी राजू के दूसरे कोर्ट में होने की वजह से न्यायालय ने इन दोनों जमानत याचिकाओं पर कल सुनवाई की तिथि निर्धारित की.

खूंटी के तोरपा में गैस एजेंसी संचालक की कार पर अपराधियों ने की फायरिंग

खूंटीः तोरपा थाना के क्षेत्र हिल चौक नगर भवन के पास सोमवार की देर रात अज्ञात अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर इलाके में दहशत फैला दी। घटना देर रात की बताई जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार, बाइक पर सवार तीन अज्ञात अपराधी मां दुर्गा गैस एजेंसी के मालिक नरेंद्र साहू के घर के सामने पहुंचे और उनकी कार पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं। अपराधियों ने विशेष रूप से नागेंद्र साहू की महिंद्रा कंपनी की कार(जेएच 19 एफ 5050) को निशाना बनाया। घटना की सूचना मिलते ही तोरपा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरु की। पुलिस ने घटनास्थल से चार खोखा बरामद किए हैं।

फिलहाल पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच भी की जा रही है, ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके। इस घटना के बाद इलाके में भय का माहौल है और लोग सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंतित हैं। इस संबंध में तोरपा के थाना प्रभारी मुकेश कुमार यादव ने मंगलवार को बताया कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। वैसे कुछ लोग इस घटना को गैस वितरण से भी जोड़कर देख रहे हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि कार पर फायरिंग की मंशा क्या थी।

डीएसपीएमयू कुलपति की शोधार्थियों व विभागाध्यक्षों के साथ बैठक, शैक्षणिक सुधार पर दिया गया जोर

रांचीः डीएसपीएमयू के कुलपति डॉ राजीव मनोहर ने आज अपनी अध्यक्षता में दो महत्वपूर्ण बैठकों का आयोजन किया. इन बैठकों में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक माहौल को बेहतर बनाने और लंबित समस्याओं के समाधान पर विशेष जोर दिया गया. पहली बैठक में कुलपति ने विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों से जुड़े शोधार्थियों के साथ गहन संवाद किया.

इस दौरान उन्होंने शोधार्थियों की शैक्षणिक समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके त्वरित समाधान का आश्वासन दिया. डॉ मनोहर ने कहा कि शोध कार्य के दौरान किसी भी प्रकार का शैक्षणिक अवरोध नहीं आना चाहिए, ताकि शोध की गुणवत्ता और पूर्णता सुनिश्चित हो सके. इस बैठक में बड़ी संख्या में शोधार्थियों ने भाग लिया और अपने विचार साझा किए. कुलपति की यह पहल शोधार्थियों के साथ सीधे संवाद की दिशा में एक सकारात्मक कदम मानी जा रही है.

इसके बाद कुलपति ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों के साथ बैठक की. इस बैठक में वर्ग तालिका, आगामी परीक्षाओं, अकादमिक स्थिति, विभागीय पुस्तकों और पाठ्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की गई. कुलपति ने निर्देश दिया कि स्नातक परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम को समय पर पूरा करना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए.

उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों को कार्य में बाधा नहीं बनने देना चाहिए, बल्कि उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग से समाधान तलाशना आवश्यक है. साथ ही, उन्होंने विश्वविद्यालय से जुड़ी समस्याओं के प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निष्पादन पर बल दिया.

कुलपति ने यह भी बताया कि अगले चरण में वे प्रत्येक विभाग के शिक्षकों के साथ सीधे संवाद कर समन्वय स्थापित करेंगे और विश्वविद्यालय के विकास के लिए ठोस लक्ष्य निर्धारित करेंगे. उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही विश्वविद्यालय की समस्याओं का शीघ्र समाधान संभव है.

गौरतलब है कि दो दिन पूर्व भी कुलपति ने लेखा विभाग और परीक्षा विभाग के साथ अलग-अलग बैठकें की थीं, जिनके सकारात्मक परिणाम अब सामने आने लगे हैं. इस दौरान कुलसचिव डॉ धनंजय द्विवेदी भी उपस्थित रहे.

झारखंड में बदला मौसम का मिजाज

30 मार्च तक बारिश और वज्रपात का अलर्ट जारी

रांचीः झारखंड की राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में मौसम ने करवट ले ली है। मौसम विभाग ने 30 मार्च तक कई इलाकों में मेघ गर्जन के साथ हल्की बारिश और वज्रपात की संभावना जताई है। विभाग ने 24, 27 और 28 मार्च के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जबकि 29 और 30 मार्च को भी राज्य के कई हिस्सों में बारिश और बिजली गिरने की आशंका बनी हुई है।

मौसम विभाग के अनुसार, मध्यवर्ती मध्य प्रदेश और उत्तरी महाराष्ट्र से होते हुए विदर्भ और मराठवाड़ा क्षेत्र में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसके साथ ही उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी जेट स्ट्रीम की हवाएं करीब 90 समुद्री मील प्रति घंटे की रफ्तार से 12.6 किलोमीटर ऊंचाई पर सक्रिय हैं, जिसका प्रभाव झारखंड समेत उत्तर भारत के मौसम पर पड़ने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 33.6 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम तापमान पूर्वी सिंहभूम के जगन्नाथपुर में 14.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मंगलवार को रांची और आसपास के क्षेत्रों में सुबह से बादल छाए रहे। कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी भी हुई, हालांकि दोपहर बाद मौसम साफ हो गया।

गौरतलब है कि पिछले एक सप्ताह से झारखंड के कई जिलों में मौसम में लगातार बदलाव देखा जा रहा है। बारिश और ओलावृष्टि के कारण तापमान में 3 से 9 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई है। इससे सुबह और शाम के समय ठंड का अहसास बढ़ गया है, जबकि रात में हल्की ठिठुरन भी महसूस की जा रही है।

मंगलवार को रांची में अधिकतम तापमान 29.9 डिग्री और न्यूनतम 17.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 33.5 और न्यूनतम 21 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 33.6 और न्यूनतम 18.5 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 33.1 और न्यूनतम 18.1 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 34.4 और न्यूनतम 20.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और विशेष रूप से वज्रपात के समय सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बिष्णुगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया औचक निरीक्षण

स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का लिया जायजा

हजारीबागः झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने बिष्णुगढ़ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मंत्री के अस्पताल परिसर में पहुंचते ही पूरे तंत्र में हलचल मच गई और अधिकारियों-कर्मचारियों में सक्रियता बढ़ गई।

निरीक्षण के दौरान मंत्री ने डॉक्टरों की उपस्थिति, मरीजों के इलाज की स्थिति, दवाइयों की उपलब्धता, स्टाफ और मैनपावर सहित विभिन्न पहलुओं की गहन समीक्षा की। उन्होंने अस्पताल में मौजूद मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और कई मामलों में मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए।

स्थानीय लोगों ने मंत्री को बताया कि सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार सुधार हो रहा है, जिससे आम जनता का भरोसा बढ़ा है और बड़ी संख्या में मरीज अब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए पहुंच रहे हैं।

इस दौरान मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि "थोड़ा समय दीजिए, स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।"

साथ ही उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि केवल कमियां निकालना समाधान नहीं है, बल्कि सकारात्मक सुझाव देना ही विकास का सही मार्ग है।

चैती छठ महापर्व पर घाटों में भीड़, व्रतियों ने डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य

रांची : चैती छठ महापर्व के तीसरे दिन की संध्या अर्घ्य सूर्य को दी गई. शहर के विभिन्न जलाशयों और तालाबों पर छठव्रतियों की भारी भीड़ रही. छठव्रती पारंपरिक अनुष्ठानों का निर्वाह करते हुए निर्धारित मार्गों से जलाशयों तक पहुंचे. व्रती सूप में पांच प्रकार के फल माला सजाए हुए थे. इसके साथ ही ठेकुआ, नारियल, डंभा और प्रसाद सजाकर भगवान सूर्य को अर्पित की गई.

छठ घाटो बड़ा तालाब, चडरी तालाब, जेल तालाब समेत दजनों तालाबों पर श्रद्धा और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला. तालाबों में भगवान सूर्य को दीप दिखाए गए. और जलाशयों में दीप जलाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया. लोकगीतों और छठ गीतों की गूंज भी सुनाई दी. व्रतियों के साथ पहुंचे परिजनों और सहयोगियों ने भी डूबते सूर्य को जल, अगरबती और दूध अर्पित किए.

इसके बाद व्रतियों ने तीन बार पूजा स्थल की परिक्रमा कर अर्घ्य दिया. इस दौरान व्रतियों के चेहरे पर आस्था, विश्वास झलक रही थी. छठ पर्व को लेकर प्रशासन की ओर से भी व्यापक व्यवस्था की गई थी, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो.

बहरागोड़ा : स्वर्णरेखा तट पर मिले शक्तिशाली बम को डिफ्यूज करने की तैयारी, सेना व एयरफोर्स अलर्ट

बहरागोड़ाः बहरागोड़ा प्रखंड के पानीपाड़ा नागुडसाईं स्थित स्वर्णरेखा नदी के किनारे पिछले कई दिनों से कौतूहल और डर का विषय बना शक्तिशाली बम आखिरकार मंगलवार को सेना के नियंत्रण में आ गया. लगभग 227 किलोग्राम वजनी इस विशालकाय बम को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय (Diffusal) करने के लिए भारतीय सेना की विशेषज्ञ टीम ने मोर्चा संभाल लिया है.

सेना के अधिकारियों ने किया स्थल निरीक्षण

भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल धर्मेंद्र सिंह और कैप्टन आयुष कुमार सिंह के नेतृत्व में मंगलवार को एक उच्चस्तरीय टीम घटना स्थल पर पहुंची है और बम की स्थिति और आसपास के भूगोल का बारीकी से जायजा लिया है. बम की विशालता और उसकी मारक क्षमता को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं.

सुरक्षा के कड़े इंतजाम, बालू के बंकर और घेराबंदी

बम को निष्क्रिय करने के दौरान होने वाले नुकसान को शून्य करने के लिए सेना वैज्ञानिक पद्धति अपना रही है. वहीं बम के चारों ओर बालू से भरी बोरियों की ऊंची दीवार खड़ी की जा रही है. बालू के अंदर एक विशेष गड्ढा भी तैयार किया गया है, ताकि विस्फोट का दबाव जमीन के अंदर ही अवशोषित हो सके. साथ ही पूरे साइट की सटीक मापी कर सुरक्षा घेरा तैयार किया गया है.

कई दिनों से था दहशत

नदी किनारे इतना बड़ा बम मिलने से स्थानीय ग्रामीणों में पिछले एक हफ्ते से अधिक समय से भय का माहौल था. सेना की सक्रियता और विशेषज्ञों की मौजूदगी के बाद अब ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है. बम को निष्क्रिय करने की प्रक्रिया जल्द ही शुरू की जाएगी, जिसके लिए सभी तकनीकी और सामरिक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं.

कलईकुंडा एयरबेस और 1 किलोमीटर का दायरा रहेगा सील

ऑपरेशन की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रशासन और सेना ने कड़े कदम उठाए हैं. बम डिफ्यूज करने के दौरान घटनास्थल से एक किलोमीटर के दायरे को पूरी तरह से सील कर दिया जाएगा. इस दौरान कलईकुंडा एयरफोर्स स्टेशन से विमानों के परिचालन पर भी रोक रहेगी, ताकि आसमान और जमीन दोनों सुरक्षित रहें.

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/2013/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मेदार।